मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.0	12.0
जमशेदपुर	26.7	11.2
डालटनगंज	25.0	08.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * * *

पेज 8-9

www.lagatar.in | शनिवार, 23 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 245 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

झारखंड का कार्यकाल कठिन रहा, कॅरियर का पहला केस हार गया था, फिर भी हार नहीं मानी : चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र के कार्यकाल के अंतिम कार्य दिवस के दिन हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें विदाई दी. विदाई समारोह में हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष, हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता, काउंसिल के सदस्य, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, महासचिव नवीन कुमार सहित कार्यकारिणी सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता और हाईकोर्ट के अधिवक्ता मौजूद रहे. चीफ जस्टिस ने वकीलों द्वारा उनकी विदाई के मौके पर दिए गए सम्मान पर आभार जताते हुए कवि सूरदास द्वारा यशोदा मां और श्रीकृष्ण की माखन चोरी के बाद की घटना पर रचित कविता के कुछ अंश भी पढ़ कर सुनाये. इसके साथ ही उन्होंने अपने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति आभार जताया. एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार ने कहा कि नए हाईकोर्ट के भवन में कोर्ट शुरू कराने में चीफ जस्टिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही और हाईकोर्ट के सभी वकील उन्हें हमेशा याद रखेंगे. बता दें कि चीफ जस्टिस का कार्यकाल इसी महीने 28 तारीख को खत्म हो जाएगा.विदाई समारोह के बाद **शुभम संदेश के विधि संवाददाता** विनीत आभा उपाध्याय ने उनसे विशेष बातचीत की. **प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश:**

पहला केस भरत सेठ के लिए लड़ा लेकिन हार गया

चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने शुभम संदेश से बातचीत में अपने कॅरियर के बारे में जानकारी दी. बताया कि उन्होंने अपना पहला केस भरत सेठ के लिए लड़ा था. यह मुकदमा को-ऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ था और कोर्ट फीस देने के लिए उनके क्लाइंट के पास पैसा नहीं था. लेकिन यह केस मैं हार गया था. लेकिन पहला केस हारने के बाद भी हतोत्साहित नहीं हुए. किन वजहों से केस में उन्हें सफलता नहीं मिली, उसे ढूंढ़ा. उन कमियों को दूर की, फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा.

हाईकोर्ट को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने की चुनौती थी

चीफ जस्टिस मिश्र बताते हैं कि उन्होंने जितने पदों पर अपनी सेवा दी, उसमें झारखंड का कार्यकाल सबसे कठिन रहा. जब मैंने चीफ जस्टिस के रूप में सेवा देनी शुरू की, तब पेंडिंग केस की संख्या भी काफी ज्यादा थी और उन केसों को कम करना भी एक चुनौती थी. यहां जब मैं चीफ जस्टिस बना, तो काफी कम समय में नई बिल्डिंग (नए झारखंड हाईकोर्ट भवन) में शिफ्ट करना भी एक बड़ी चुनौती थी. लेकिन मैंने वो सब किया. प्रयास किया कि केसों की संख्या कम हो. नई बिल्डिंग में कम समय में शिफ्ट किया. एक्टिंग चीफ जस्टिस बनने से ज्यादा जिम्मेदारी का काम चीफ जस्टिस के रूप में होता है. उम्मीद करता हूं कि झारखंड की जनता मेरे कार्यकाल की सराहना करेगी और उन्हें मेरा कार्यकाल अच्छा लगेगा.

युवा वकीलों को संदेश

सकारात्मक सोच रखें, कठिन परिश्रम करें : चीफ जस्टिस ने युवा वकीलों को संदेश दिया कि वे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें और कठिन परिश्रम करें. यदि युवा अधिवक्ता सकारात्मक रहेंगे, मेहनत करेंगे, तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है. सकारात्मक सोच से उनमें नई ऊर्जा का संचार होगा और सारी चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ सकेंगे.

अब ईश्वर की आराधना करना ही जीवन का उद्देश्य रह गया : चीफ जस्टिस मिश्र ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद अब ईश्वर की आराधना करना ही जीवन का उद्देश्य है. झारखंड में मैंने जो काम किए हैं, मुझे हमेशा याद रहेंगे. 24 साल तक न्यायिक सेवा में रहा. इतने बड़े हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बना. कोई दुख नहीं कि अब रिटायर हो रहा हूं.

चीफ जस्टिस संजय मिश्रा के पिता का नाम मारकंडा मिश्रा और माता का नाम ज्योतिर्मयी मिश्रा है. अपनी स्कूली शिक्षा इन्होंने टिकरा अपर प्राइमरी स्कूल से पूरी की है. वर्ष 1977 में पृथ्वीराज हाई स्कूल, बोलांगीर से हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की. 1982 में बोलांगीर के राजेंद्र कॉलेज से बीकॉम (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की. एमकॉम की पढ़ाई 1984 में दिल्ली विश्वविद्यालय से पूरी की. फिर एलएलबी की पढ़ाई 1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से पूरी की. जस्टिस मिश्र ने 19 फरवरी 2023 को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली थी. वह झारखंड हाईकोर्ट के 14 वें चीफ जस्टिस बने.

जानिए चीफ जस्टिस संजय मिश्रा के बारे में

नहीं रहे अमृता प्रीतम के दोस्त इमरोज

मुंबई। कलाकार इमरोज का निधन हो गया है. 97 वर्ष के इमरोज ने मुंबई में अंतिम सांस ली. इमरोज बढ़ती उम्र की हेल्थ समस्याओं से जूझ रहे थे. उन्होंने शुक्रवार को दुनिया को अलविदा कहा. उनका मूल नाम इंद्रजीत सिंह था. इमरोज अमृता प्रीतम के साथ रिश्ते के बाद लोकप्रिय हो गए थे. हालांकि, दोनों ने कभी शादी नहीं की, लेकिन 40 साल तक साथ ही रहे. इमरोज अमृता से तब मिले जब वह किताब के कवर डिजाइन के लिए किसी की तलाश कर रही थीं. इमरोज का जन्म साल 1926 में लाहौर के पास एक गांव में हुआ था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,800
चांदी (किलो)	78,000

ब्रीफ खबरें

मुख्य सचिवों के सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे पीएम

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली में अगले सप्ताह मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा कि मुख्य सचिवों का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 27-29 दिसंबर को दिल्ली में होगा.

आरोपी को प्राथमिकी की प्रति देने पर रोक

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को निचली अदालत के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह संसद की सुरक्षा में चूक के मामले के एक आरोपी को प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराए. अदालत ने कहा कि यह मामला संगीन है, आरोपी को एफआईआर की कॉपी नहीं दी जाएगी.

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों बनेंगे मुख्य अतिथि

नयी दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि हो सकते हैं. समारोह से जुड़े लोगों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की अनुपलब्धता के बाद भारत ने यह नया कूटनीतिक दांव चला है.

नक्सलियों ने भारत बंद में मचाया उत्पात

रेलवे ट्रैक उड़ाया 13 ट्रेनें रद्द

यात्री हुए परेशान

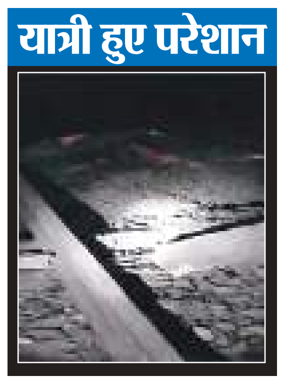

संवाददाता। रांची/चाईबासा

नक्सलियों ने शुक्रवार को भारत बंद के दौरान राज्य में कई स्थानों पर भारी उत्पात मचाया. माओवादियों की इस बंदी को लेकर राज्य अलर्ट मोड में है. पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों में इस बंदी को लेकर पहले ही अलर्ट जारी किया गया है. पुलिस को खुफिया विभाग से सूचना मिली थी कि बंद के दौरान नक्सली अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में हमला कर सकते हैं, इसलिए पुलिस अभियान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया था. पश्चिम सिंहभूम जिले में नक्सलियों ने रेल पटरियों के एक हिस्से को विस्फोट से उड़ा दिया, जिससे हावड़ा-मुंबई मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं.

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद 13 ट्रेनें रद्द कर दी गईं और एक का मार्ग बदल दिया गया. पश्चिम सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि घटना रांची से करीब 150 किमी दूर महादेवसाल और पोसोइता रेलवे स्टेशनों के बीच दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन में गुरुवार देर रात हुई. बता दें कि प्रतिबंधित संगठन 16 दिसंबर से ''विरोध सप्ताह'' मना रहा है तथा उसने शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया है.

ये ट्रेनें हुईं रद्द

- ट्रेन संख्या 08167 और 08168 राउरकेला झारसुगुड़ा राउरकेला
- ट्रेन संख्या 08163 और 18164 चक्रधरपुर राउरकेला चक्रधरपुर मेमू पैसेंजर
- ट्रेन संख्या 08145 और 08146 राउरकेला टाटा राउरकेला पैसेंजर
- ट्रेन संख्या 08147 और 08148 टाटा बादामपहाड़ टाटा पैसेंजर
- ट्रेन संख्या 08109 टाटा इतवारी एक्सप्रेस
- ट्रेन संख्या 18175 और 18176 झारसुगुड़ा हटिया झारसुगडा
- ट्रेन संख्या 08121 और 08122 बिरमित्रपुर बरसूआं बिरमित्रपुर पैसेंजर
- ट्रेन संख्या 08174 टाटा आसनसोल पैसेंजर
- ट्रेन संख्या 08055 टाटा खड़गपुर पैसेंजर
- ट्रेन संख्या 08697 झाड़ग्राम पुरुलिया पैसेंजर

बंद शुरू होते ही पटरी उड़ाया : गुरुवार की देर रात बंद शुरू होते ही नक्सलियों ने देर रात हावड़ा-मुंबई रेल मार्ग पर गोइलकेरा और पोसैता स्टेशन के बीच बम विस्फोट कर रेलवे पटरी को उड़ा दिया. घटना की जानकारी मिलते ही ऐहतियातन शालीमार कुर्ला एक्सप्रेस को महादेवशाल स्टेशन पर रोक दिया गया. बाद में ट्रेन को गोइलकेरा रेलवे स्टेशन पर लाकर खड़ा कर दिया गया. इतना ही नहीं नक्सलियों ने डेरंवा स्टेशन के पास अप लाइन पर बैनर लगा रखा था. बैनर टाटा-इतवारी पैसेंजर ट्रेन के इंजन में फंस कर आगे भी निकल गया और इसकी जानकारी किसी को नहीं चली. पटरी उड़ाने की घटना पोल संख्या 356/29 ए और 31 ए के बीच थर्ड लाइन में हुई .

लूज मूवमेंट नहीं करने का मिला निर्देश

इस बीच, पुलिस मुख्यालय की ओर से कहा गया है कि नक्सली बंदी के दौरान किसी तरह का लूज मूवमेंट नहीं करें. इसकी भी आशंका है कि नक्सली बंद के दौरान पुलिस पिकेट, कैंप, पेट्रोलिंग पार्टी के अलावा स्कॉट वाहन को निशाना बना सकते हैं. साथ ही रेलवे ट्रैक या सरकारी संपत्ति पर हमला कर उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं. ऐसे में जिन इलाकों में सरकारी निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं.

मरम्मत के बाद ट्रैक पर रेल सेवा बहाल

दपू रेलवे के सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक ने बताया कि परिचालन शुक्रवार दोपहर बाद बहाल हो गया. गुरुवार देर रात महादेवसाल और पोसोइता स्टेशनों के बीच विस्फोट हुआ, जिससे खंड की तीसरी लाइन उड़ गई. इसके बाद ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गयी.

सीएम उत्कृष्ट विद्यालय के छात्रों ने बनाया स्मार्ट स्ट्रीट

इंजन लॉकिंग व अल्कोहल सेंसिंग सिस्टम

सत्य शरण मिश्रा। रांची

राज्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों ने स्मार्ट स्ट्रीम और इंजन लॉकिंग सिस्टम जैसी चीजें विकसित कर अपनी तकनीकी कौशल का लोहा मनवाया है. आईआईटी जैसे संस्थान ने भी इन बच्चों के हुनर को सराहा है. धनबाद के सीएम उत्कृष्ट विद्यालय के 11वीं के छात्र आयुष तिवारी ने भविष्य की सड़क प्रणाली को विकसित करने के लिए स्मार्ट स्ट्रीम सिस्टम तैयार किया है. इसी स्कूल के राहुल कुमार ने इंजन लॉकिंग सिस्टम और अल्कोहल सेंसिंग अलर्ट सिस्टम को विकसित किया है. इन छात्रों ने अपने आविष्कारों का नेशनल ऑटोमोटिव ओलम्पियाड जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पेश कर सबको अपनी प्रतिभा का कायल कर दिया है. इन बच्चो की प्रतिभा को देखते हुए आईआईटी, धनबाद के विनिर्माण केंद्र टेक्समिन ने इनके आविष्कारों का उत्पादन बढ़ाने और उसे पेटेंट कराने में मदद करने का फैसला किया है.

-शेष पेज 13 पर

- छात्रों के विकसित किये गये प्रगतिशील तकनीकी प्रतिभा को आईआईटी ने भी सराहा
- **टेक्समिन के साथ मिलकर काम करेंगे मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के बच्चे**

दुर्घटनाओं से बचने के लिए विकसित किया इंजन लॉकिंग सिस्टम

राहुल पिछले तीन साल से व्यावसायिक शिक्षा ले रहे हैं. उन्होंने वाहन दुर्घटना को रोकने के लिए इंजन लॉकिंग सिस्टम डेवलप किया है. वहीं ड्रिंक एंड ड्राइव रोकने के लिए अल्कोहल सेंसिंग अलर्ट सिस्टम भी बनाया है. इसके लिए राहुल को जिला शैक्षणिक संस्थान की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार भी मिला है. राहुल को आईआईटी धनबाद की ओर से टेक्समिन में मॉडल को प्रस्तुत करने का भी मौका मिला. शोधकर्ताओं ने राहुल के रचना की सराहना करते हुए उसमें निवेश की इच्छा जताई है.

देश में सामने आए 328 नए मामले, 1 की मौत

नयी दिल्ली । कोरोना के नए मामलों में एक बार फिर इजाफा देखने को मिल रहा है. बीते 24 घंटों में देश में कुल 328 नए मामले सामने आए हैं, जबकि इस दौरान एक शख्स की कोरोना से मौत भी हुई है. बात अगर एक्टिव मामलों की करें को देश में इसकी कुल संख्या 2997 है. कोरोना के मामलों में देखी जा रही बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक बैठक भी है. इस बैठक में इसके रोकथाम के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं. झारखंड में अब तक कोरोना के दो मामले सामने आ चुके हैं. वहीं बिहार में भी कोरोना की इंट्री हो गयी है. देश की बात करें तो कोरोना ने सभी राज्यों में दस्तक दे दी है. केंद्र सरकार ने इसको लेकर सभी राज्यों को एडवायजरी पहले ही जारी कर दी है और एहतियात बरतने का निर्देश दिया है.

- फिर पैर पसारने लगा **कोरोना**

हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा शो-कॉज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में सुधीर कुमार रजक एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को शो-कॉज दायर करने का निर्देश दिया है. अदालत ने सिंगल बेंच के ऑर्डर का

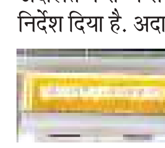

पालन नहीं किए जाने पर नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए एक-एक मामले में शो कॉज दायर करने का निर्देश दिया है. यह मामला पारा शिक्षक व गैर पारा शिक्षकों को काउंसलिंग और नियुक्ति में शामिल किए जाने से जुड़ा हुआ है. इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ. एस एन पाठक की कोर्ट में हुई. प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अपराजिता भारद्वाज, तेजस्विता सफलता ने बहस की. कोर्ट ने इस मामले में काफी नाराजगी जाहिर की है.

गलीच सियासत में शहीदों को मत घसीटिए

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

सवाल बुढ़िया के मरने का नहीं, यमराज की आदत बिगड़ जाने का

प्रसंगवश

बीते तेरह दिसंबर को एक हैरतअंगेज घटना हुई. दो लफंगे लोकसभा में दर्शक दीर्घा से कूद गये. उनमें से एक के हाथ में स्प्रे बम था. उसने खुद को सांसदों से घिरता देख बम चला दिया. लोकसभा धुआं-धुआं हो गयी. उनके दो सहयोगियों ने संसद परिसर में भी यही कारनामा किया. ये चारों दबोच लिए गए और इनके दो उत्प्रेरक साथी भी पुलिस की गिरफ्त में हैं. इन सब पर आतंकवाद निरोधक कानून (यूएपीए) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच चल रही है. हो सकता है कि जब आप इन पंक्तियों को पढ़ रहे हों, तब तक सुबूत के साथ कुछ खुलासा हो जाए. इस मामले में सबसे सोचनीय प्रश्न यह है कि थ्री लेयर की कड़ी सुरक्षा के बावजूद ये संसद में घुसे कैसे? इस सिलसिले में आठ सुरक्षाकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है. लेकिन सवाल बुढ़िया के मरने का नहीं, यमराज की आदत बिगड़ जाने का है. इसलिए सुरक्षा चूक के कारणों का निवारण आवश्यक है. इसकी प्रारंभिक जिम्मेवारी लोकसभा सचिवालय और उसके संरक्षक लोकसभा अध्यक्ष की है. इसका मतलब यह कतई नहीं है कि गृह मंत्रालय का इस बाबत कोई दायित्व नहीं है. लेकिन गृह मंत्री जांच पूरी हुए बिना क्या जवाब देंगे ? जांच लोकसभा अध्यक्ष करा रहे हैं. गृह मंत्रालय सहयोगी की भूमिका में है. जांच की कमान दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के हाथ में है. इसलिए गृह मंत्री के बयान की मांग को लेकर संसद की कार्यवाही ठप कर देना ठीक नहीं है. संसद के दोनों सदनों में मर्यादाहीन आचरण के कारण विपक्ष के करीब डेढ़ सौ सांसद सस्पेंड किये जा चुके हैं. भारत के संसदीय इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का निलंबन कभी हुआ नहीं था.

उपराष्ट्रपति की मिमिक्री संसद में घुसपैठ से कम दुर्भाग्यपूर्ण नहीं : कोढ़ में खाज यह कि संसद के गेट पर एक सांसद उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने लगे और एक बड़े सांसद उसका वीडियो बनाने लगे. यह संसद में घुसपैठ से कम दुर्भाग्यपूर्ण नहीं है. जहां तक संसद में घुसनेवाले दो बदमाशों को पास दिलानेवाले मैसूर के भाजपा सांसद के निलंबन की मांग का सवाल है, वह सही भी है और गलत भी. सही इसलिए कि विपक्ष सत्ता पक्ष के खिलाफ स्कोर करने का कोई मौका क्यों छोड़ेगा ? क्या किसी विपक्षी सांसद ने पास दिलाया होता, तो भाजपा बवाल खड़ा नहीं करती ? लेकिन सांसद के निलंबन की मांग गलत इसलिए है, क्योंकि दर्शक दीर्घा में प्रवेश सांसदों की अनुशंसा पर ही मिलता है और पास लेनेवाले की पूरी जन्मकुंडली हासिल करने के बाद ही सचिवालय प्रवेश की अनुमति देता है और वह भी निर्धारित समय के लिए ही. तो क्या अब सांसदों से किसी को पास देने की अनुशंसा का अधिकार छीन लिया जाना चाहिए ? बहरहाल गनीमत यह रही कि सदन में कूदनेवालों के पास कोई घातक हथियार या रसायन नहीं था. अन्यथा तेरह दिसंबर 2001 (संसद पर आतंकी हमला) की पुनरावृत्ति हो सकती थी और हम छाती पीटते, माथा कूटते रह जाते.

मढ़यो दमामौ जातु क्यों, कहि चूहे कैं चाम-बिहारी : इस घटना से भी पीड़ादायी यह है कि इन बदमाशों को बचाने के लिए कवर फायर देनेवालों की जमात खड़ी हो गयी है.

-शेष पेज 13 पर

बजरंग ने किया पद्मश्री लौटाने का ऐलान, पीएम को लिखा खत

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव के बाद शुक्रवार को पहलवान बजरंग पुनिया ने पीएम नरेंद्र मोदी के नाम एक पत्र लिखते हुए अपना पद्मश्री पुरस्कार लौटाने की घोषणा की. इस पर खेल मंत्रालय ने कहा है कि यह बजरंग का निजी फैसला है. खेल मंत्रालय ने कहा है कि डब्ल्यूएफआई का चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुआ. खेल मंत्रालय ने यह भी कहा, हम कोशिश करेंगे कि पुनिया अपने फैसले को बदल दें.

उधर, पुनिया ने कहा, हम बेटियों की लड़ाई लड़ रहे थे, लेकिन मैं उन्हें सम्मान नहीं दिला पाया, इसलिए मैंने यहां गेट पर अपना मेडल रख दिया है. पुनिया अपना पुरस्कार लेकर कर्तव्य पथ से जा रहे थे, तभी पुलिस ने रोक दिया. उन्होंने दिल्ली पुलिस से कहा, मैं पद्मश्री उस व्यक्ति को दे दूंगा, जो इसे पीएम तक पहुंचा दे.

खास बातें

- खेल मंत्रालय ने कहा- यह निजी फैसला, निष्पक्ष हुआ डब्ल्यूएफआई का चुनाव

इसलिए ये सम्मान मैं आपको लौटा रहा हूं : बजरंग ने पीएम को पत्र भी लिखा है. पत्र में कहा, जिन बेटियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड अंबेसडर बनना था, उनको इस हाल में पहुंचा दिया गया कि उनको खेल से ही पीछे हटना पड़ा. हम पहलवान कुछ नहीं कर सके. महिला पहलवानों के अपमानित होने के बाद मैं 'सम्मानित' बन कर अपनी जिंदगी नहीं जी पाऊंगा. ऐसी जिंदगी कचोटती ताउम्र मुझे.

मिशन 2024 : 'इंडिया' गठबंधन जनवरी में करेगा झारखंड की लोस सीटों का बंटवारा

कौशल आनंद।रांची

दिल्ली बैठक के बाद झारखंड में लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है. झारखंड में सीट शेयरिंग पर फैसला रांची में होगी. रांची में जनवरी में गठबंधन दल के बड़े नेताओं का जुटान हो सकता है. कांग्रेस की ओर इस बैठक में प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय समेत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन समेत वाम दल के नेता शामिल हो सकते हैं. यह तिथि नीतीश कुमार के आगमन के आसपास तय हो सकता है.

प्रदेश इकाई पर सीटों की दावेदारी की सूची तैयार की जा रही है. इसके आधार पर विभिन्न दलों के बड़े नेता बैठकर इसे अंतिम रूप प्रदान करेंगे. बताते चलें कि नीतीश कुमार अपने पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रम के तहत 21 जनवरी को रामगढ़ आ रहे हैं. मालूम हो कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन की हुई बैठक में तय किया गया है कि सभी प्रदेश इकाई स्तर पर सीट शेयरिंग का फैसला होगा. अगर कोई बड़ा पेंच या विवाद उत्पन्न हुआ तब उसे राष्ट्रीय स्तर पर उसे निबटाया जाएगा. नहीं तो प्रदेश इकाई स्तर पर तय फॉर्मूले के तहत सीट शेयरिंग होगा.

झामुमो 7 सीटों पर दावेदारी की कर रहा तैयारी : झामुमो ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह झारखंड में बड़े भाई की भूमिका में है. इसलिए गत लोकसभा चुनाव का फर्मूला वह नहीं मानेगा. इस हिसाब से झामुमो कम से कम 7 सीट पर अपनी दावेदारी का मन बनाया है. इसमें दुमका, राजमहल, गिरिडीह और जमशेदपुर में चुनाव लड़ा था, जिसमें केवल राजमहल सीट जीतने में कामयाब रहा था.

इस बार इन चार सीटों के अलावे कांग्रेस की तीन सीटें लोहरदगा, खूंटी और चाईबासा पर दावेदारी करने का मन बनाया है. झामुमो का मानना है कि चाईबासा में झामुमो का स्वाभाविक दावा बनता है. क्योंकि चाईबासा के सात में छह विधानसभा सीटों पर झामुमो का कब्जा है. जबकि लोहरदगा संसदीय सीट पर तीन विधानसभा सीट में झामुमो का कब्जा है. खूंटी में झामुमो आदिवासी बहुल सीट होने के कारण दावेदारी का मन बना रहा है.

- मुख्यमंत्री **हेमंत सोरेन**, बिहार के सीएम **नीतीश कुमार**, कांग्रेस प्रभारी **अविनाश पांडेय, तेजस्वी यादव** रांची में बैठकर करेंगे तय, वाम नेताओं के भी शामिल होने के उम्मीद

गठबंधन बनाए रखने के लिए कांग्रेस को करना पड़ सकता है समझौता

कांग्रेस गत लोकसभा चुनाव रांची, लोहरदगा, खूंटी, धनबाद, चाईबासा, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग सीट पर चुनाव लड़ी थी, जिसमें केवल चाईबासा सीट वह जीतने में सफल रही थी. खूंटी सीट विवादों के बीच काफी कम मार्जिन से हार गयी थी. वैसे पिछली बार कांग्रेस ने गोड्डा सीट झाविमो के प्रदीप यादव के लिए छोड़ी थी, मगर इस बार प्रदीप यादव कांग्रेस में हैं, इसलिए कांग्रेस का सीट पर दावेदारी रहेगी. अगर झामुमो अड़ा तो कांग्रेस को गठबंधन बचाए रखने के लिए समझौता करना पड़ सकता है.

वाम दल भी 4 सीटों को लेकर ठोक रहा ताल

गत लोकसभा चुनाव में वामदल को केवल हजारीबाग सीट छोड़ा गया था. मगर वामदल इससे नाराज हो गए. बाद में हजारीबाग सीट से गोपाल प्रसाद साहू कांग्रेस ने मैदान में उतार दिया. इस बार सीपीआई हजारीबाग, सीपीएम राजमहल, माले कोडरमा और मासस ने धनबाद सीट से दावेदारी कर रही है. ऐसे में वामदलों को मनाना गठबंधन दल के नेताओं के लिए मुश्किल होगी.

राजद भी चार सीटों पर दावेदारी की तैयारी में है

राष्ट्रीय जनता दल को पिछली बार केवल पलामू सीट मिली थी. मगर राजद ने गठबंधन को तार-तार करते हुए फ्रेंडली फाइट का नारा देकर चतरा में भी प्रत्याशी उतार दिया था. इस बार राजद पलामू, चतरा के अलावे गोड्डा और कोडरमा सीट पर दावेदारी की तैयारी कर रही है.

नीतीश की नजर हजारीबाग या गिरिडीह सीट पर

पहले यह बातें आ रही थीं कि जदयू लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी. मगर अब बदले हुए राजनीतिक परिस्थिति में जदयू चुनाव लड़ने का मन बना रही है. जदयू की नजर महतो बहुल क्षेत्र हजारीबाग और गिरिडीह सीट पर है. इसी को नापने 21 जनवरी को नीतीश कुमार रामगढ़ आ रहे हैं. अगर ऐसा हुआ तो इंडिया गठबंधन दलों के लिए सीट शेयरिंग को अंजाम देना किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं होगी. अगर रांची में बात नहीं बनी तो झारखंड का मसला दिल्ली शिफ्ट हो सकता है.

सरकारी विभाग, बोर्ड, निगम व आयोग का पैसा पीएल एकाउंट में रखना जरूरी

नियामक आयोग का पीएल अकाउंट ही नहीं

प्रमुख संवाददाता।रांची

राज्य के 58 लाख बिजली उपभोक्ताओं का रहनुमा झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग खुद बेवश नजर आ रहा है. सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अब तक विद्युत नियामक आयोग का पीएल एकाउंट ही नहीं है. 2007 से सरकार ने यह अनिवार्य कर दिया था कि विभाग, बोर्ड, निगम और आयोग की राशि पीएल एकाउंट में रखी जाएगी. जरूरत के हिसाब से यह राशि पीएल एकाउंट से निकाली जाएगी, लेकिन विद्युत नियामक आयोग का अपना बैंक एकाउंट ही नहीं है. यह मसला रांची में हुई जनसुनवाई में भी बिजली उपभेक्ताओं ने उठाया था.

आयोग पर उठते रहे हैं सवाल : झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग पर सवाल उठते रहे हैं. झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग में वित्तीय गड़बड़ी की शिकायतों की जांच करने से महालेखाकार ने इंकार कर दिया था.

महालेखाकार कार्यालय ने खर्च के मुताबिक तय फार्मेट में सारी जानकारी तलब की थी, लेकिन वह नहीं मिल पाया है. इसके लिए कई बार आयोग से पत्राचार किया गया. नियम के मुताबिक राज्य सरकार के सभी विभागों समेत बोर्ड, निगम और आयोग का सालाना लेखा परीक्षा आवश्यक है.

अधिसूचना के अनुसार सभी निगम, बोर्ड और आयोग के बैंक अकाउंट बंद कर पीएल अकाउंट खोलना था और उसी में सारा पैसा रखने का प्रावधान बनाया गया था. राज्य विद्युत नियामक आयोग को सरकार से अनुदान के साथ-साथ सालाना बिजली दर निर्धारण के लिए शुल्क और वार्षिक डिस्काम शुल्क का भुगतान किया जाता है. इसके अलावा विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के लिए भी राशि का प्रावधान है.

क्या कहते हैं आयोग के सदस्य तकनीक

आयोग के सदस्य तकनीक अतुल कुमार ने कहा है कि पीएल एकाउंट में राशि रखना अनिवार्य नहीं है. इसमें बड़ा झमेला है. फीस, सहित अन्य शुल्क से आयोग का खर्च चल जाता है

1900 करोड़ के ग्रांट से वंचित हो सकता है निगम

रांची । झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम 1900 करोड़ के ग्रांट से वंचित हो सकता है. यह राशि केंद्र से आरडीएसएस स्कीम (रिहैब डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) के तहत मिलनी है. वहीं वितरण निगम का राजस्व घाटा भी 6333 करोड़ से अधिक का हो गया है. इसकी वजह यह है कि झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम का टैरिफ अप टू ड़ेट नहीं हो पाया है.

यहां पर फंस गया पेंच : बिजली वितरण निगम ने अब तक वित्तीय वर्ष 2023-24 तक का ही टैरिफ पिटिशन झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को सौंपा है. जिस पर पांचों प्रमंडलों में जनसुनवाई हो चुकी है. लेकिन केंद्र सरकार के निर्देशानुसार ग्रांट के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 तक का टैरिफ अप टू डेट होना जरूरी है.

वितरण निगम ने फिर सौंपा वित्तीय वर्ष 2024-25 का टैरिफ प्लान

नयी दर में 3 से 4 महीने की होगी देरी

झारखंड में अब नया बिजली दर जारी होने में तीन से चार महीने की देरी हो सकती है. झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग अब फिर से वित्तीय वर्ष 2024-25 के टैरिफ पीटिशन पर आपत्ति और सुझाव मांगेगा. इसके बाद जनसुनवाई की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी.

खास बातें

- आरडीएसएस स्कीम के तहत मिलनी है राशि
- ग्रांट के लिए चाहिए 2024-25 तक टैरिफ अप टू डेट

बिजली बिल निर्धारण के लिए फिर से होगी जनसुनवाई

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली बिल निर्धारण के लिए फिर से जनसुनवाई करेगा. यह जनसुनवाई वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए होगी. फिर से पांचों प्रमंडलों में जनसुनवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. बताते चलें कि आरडीएसएस स्कीम के तहत 60 फीसदी राशि केंद्र सरकार देती है. और 40 फीसदी राशि राज्य सरकार वहन करती है.

37 अफसरों को मिलेगा प्रमोशन, बनी सहमति

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा के 37 अफसरों को जल्द ही प्रमोशन मिलेगा.चीफ सेक्रेटरी की एल ख्यांगते की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर सहमति बनी. बैठक में डेवलपमेंट कमिश्नर अरुण कुमार सिंह के साथ कार्मिक विभाग के पदाधिकारी भी मौजूद थे. जिन अफसरों को प्रमोशन मिलेगा उनमें अपर समाहर्ता कोटि से संयुक्त सचिव एवं समकक्ष कोटि में 14 अफसर शामिल हैं. वहीं संयुक्त सचिव से अपर सचिव कोटि में 14 और अपर सचिव से विशेष सचिव कोटि में 9 अधिकारी शामिल हैं. इस पर सीएम से सहमति मिलने के बाद आदेश जारी कर दिया जाएगा.

डीआरडीएकर्मी सीएम से मिले, सौंपा ज्ञापन

रांची। झारखंड राज्य जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री से मिला. प्रतिनिधिमंडल ने तीन सूत्री मांग का ज्ञापन सौंपा. तीन सूत्री मांगों में मंत्रिपरिषद की स्वीकृति एवं वित्त विभाग के आलोक में डीआरडीए कर्मियों का वेतन निर्धारण करने सहित अन्य मांगें शामिल हैं.

आपकी बात

गोपाल कुमार का जन्म 1976 में कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया शहर में हुआ था. उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा संत जोसेफ स्कूल, दसवीं गांधी हाईस्कूल से की. उन्होंने इंटर और ग्रेजुएशन कॉमर्स से जेजे कॉलेज से किया. उन्हें योग और समाजसेवा में काफी रुचि थी. इसलिए वह 2018 से ही पतंजलि से जुड़े हैं. उनके अच्छे कार्य को देखते हुए 2020 में शिक्षक का प्रशिक्षण दिया गया. वह अभी प्रतिदिन 50-60 लोगों को निःशुल्क योग सिखाते हैं. उनका कहना है कि अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो योग प्रतिदिन जरूर करें. साथ ही वह कहते हैं कि योग एक चलता-फिरता अस्पताल है.

नाम : गोपाल कुमार
पद : योग प्रशिक्षक
जन्मस्थल : झुमरी तिलैया, कोडरमा
कार्यक्षेत्र : योग प्रशिक्षक

ब्रीफ खबरें

सहकारी समितियों को मिले हैं 7.4 करोड़

रांची। सांसद संजय सेठ ने लोकसभा में सहकारी क्षेत्र में कार्यरत समितियों को लेकर सवाल पूछा. इसपर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में बताया कि देश में कुल 798044 सहकारी समितियां रजिस्टर्ड हैं. इनके माध्यम से 29 करोड़ 14 लाख 50 हजार 241 लोग जुड़े हुए हैं. झारखंड में 11407 सहकारी समितियां कार्यरत हैं, जिसके माध्यम से 20 लाख 92 हजार 444 लोग जुड़े हुए हैं.

कुलदीप संस ज्वेलर्स के संचालक को राहत नहीं

रांची। फर्जी साइन कर बड़े भाई की पुश्तैनी जमीन हड़पने के आरोपी कुलदीप ज्वेलर्स एंड संस के संचालक सुनील कुमार वर्मा और सुरेंद्र कुमार वर्मा की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है. दोनों ने रांची सिविल कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ दर्ज शिकायतवाद में लिए गए संज्ञान को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. जिसे खारिज करते हुए कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश देने से इंकार कर दिया.

लाठीचार्ज के विरोध में किया पुतला दहन

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ ने झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन हुए लाठीचार्ज के विरोध में पुतला दहन किया. इस दौरान संघ के सदस्यों ने सरकार के विधायक, मंत्री और सीएम के पुतले जला कर विरोध प्रकट किया. दरअसल झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन संघ अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव करने पहुंचे थे. बैरिकेडिंग तोड़ने पर प्रशासन ने उनपर लाठीचार्ज किया था. जिसमें कई लोग घायल हुए थे. संघ के सदस्य शुक्रवार को फिर बैरिकेडिंग वाली जगह पहुंचे थे.

लाठीचार्ज के विरोध में पुतला दहन करते संघ के लोग.

ऑल इंडिया स्टूडेंटस एसो. ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता ।रांची

इंडिया गठबंधन की आह्वान पर 146 सांसदों के निलंबन के खिलाफ ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को रांची अलबर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान आइसा के सभी सदस्यों ने हाथ में तख्ती लिए सड़क पर उतर हुए थे.

तख्ती पर विपक्ष मुक्त संसद विरोध मुक्त सड़क लोकतंत्र विहीन मोदी सरकार, लोकसभा राज्यसभा के सांसदों का निलंबन वापस लो..लिखा हुआ था. मौके पर मौजूद सदस्यों ने कहा कि देश के इतिहास में मोदी सरकार का सबसे काला दिन के लिए जाना जाएगा. मोदी सरकार लोकतंत्र व्यवस्था को खत्म कर देना चाह रही है. आम जनता के प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों को संसद से मुक्त किया जाएगा तो संसद में सिर्फ सरकार के नुमाइंदे बैठकर क्या करेंगे. आइसा मांग करती है कि सभी सांसदों को निलंबन वापस लिया जाए. मौके पर आइसा नेता शिल्पी घोषाल, सोनाली केवट, दीप्ति, श्रृष्टि भट्टाचार्य, मो. शमी, छुटूराम महतो, सत्यप्रकाश सहित अन्य लोग मौजूद थे.

कोर्ट की खबरें

राहुल गांधी की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई 4 को

संवाददाता ।रांची

अमित शाह पर टिप्पणी मामला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर दिये गये बयान मामले में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वायनाड सांसद राहुल गांधी की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश और दीपांकर राय ने पक्ष रखा. वहीं नवीन झा की ओर से अधिवक्ता विनोद साहू ने पक्ष रखा. इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 4 जनवरी मुकर्रर कर दी. दरअसल राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दौरान अमित शाह को लेकर टिप्पणी की थी. जिसके बाद भाजपा नेता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा कोर्ट में कंप्लेन केस दर्ज करवाया. इस केस में चाईबासा कोर्ट द्वारा लिये गये संज्ञान को रद्द करने के लिए राहुल गांधी ने झारखंड हाईकोर्ट में गुहार लगाई है.

चुनाव जल्द कराने को लेकर अवमानना याचिका

रांची। स्थानीय शहरी निकाय चुनाव कराने को लेकर रांची नगर निगम की निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो ने झारखंड हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है. इससे पहले भी उन्होंने जल्द चुनाव कराने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी, जो फिलहाल विचाराधीन है. प्रार्थी रौशनी खलखो ने विनोद सिंह को अपना अधिवक्ता नियुक्त किया है. उनके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि सरकार को ओबीसी आरक्षण ट्रिपल टेस्ट कराकर ही निकाय/पंचायत चुनाव कराना है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि चुनाव ही नहीं कराया जाये, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में चुनाव नहीं कराना संविधान की मूल अवधारणा का हनन है. इसलिए ओबीसी आरक्षण कर चुनाव कराना एक प्रक्रिया है. लेकिन इसकी वजह से चुनाव नहीं कराना गलत है. अधिवक्ता विनोद सिंह ने कहा कि झारखंड में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अवमानना किया है. इसलिए रोशनी खलखो ने सरकार के ऊपर अलग से एक अवमानना याचिका दायर की है.

निशिकांत दुबे की पीआईएल पर अब 2 को सुनवाई

रांची। गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने देवघर स्थित एम्स अस्पताल में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनहित याचिका दायर की है. जिसपर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई. इसके बाद चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 2 जनवरी की तिथि निर्धारित की है. सांसद निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय अदालत में पक्ष रख रहे हैं.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 14

www.lagatar.in | शनिवार, 23 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 245 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मृतकों के परिजनों ने रॉयल हेल्थ केयर कंपनी पर लगाये गंभीर आरोप

कंपनी है मौत की जिम्मेवार

- हजारीबाग के सिरसी स्थित एक मकान में हुई थी घटना
- दम घुटने से गुरुवार को 4 युवकों की मौत हो गई थी
- ठंड से बचने के लिए कोयला जलाकर सोये थे युवक
- प्रत्येक युवक से ट्रेनिंग खर्च के नाम पर 22000 लिये थे

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र के सिरसी स्थित एक मकान में दम घुटने से गुरुवार को 4 युवकों की मौत हो गई थी. सभी मृतक बिहार के रहने वाले थे. सभी लोग रॉयल हेल्थ केयर कंपनी में काम करते थे. बिहार से आये मृतक और अस्पताल में भर्ती युवक के परिजनों ने मार्केटिंग डायरेक्टर एवं मार्केटिंग हेड पर गंभीर आरोप लगाये हैं. परिजनों का कहना है कि बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा के अलावा विभिन्न राज्यों से रॉयल हेल्थ केयर कंपनी अपने एजेंट के माध्यम से युवक-युवतियों को नौकरी दिलाने के नाम पर विभिन्न शहरों में ले जाती है. बिना व्यवस्था के युवक-युवतियों को रखकर काम कराती है. कहा कि 6 माह पहले बिहार के कई गांव में जा जाकर युवक-युवतियों को नौकरी का प्रलोभन देकर हजारीबाग लायी थी. प्रत्येक युवक से ट्रेनिंग खर्च के नाम पर 22000 लिये थे. जिसमें रहना-खाना, आई कार्ड के अलावा कई सुविधा दिलाने की बात कही थी. लेकिन इस हाड़ कंपाने वाली ठंड में कंपनी ने एक किराए के मकान में जमीन पर एक बेडशीट बिछा कर सोने की व्यवस्था की थी. ठंड से बचने के लिए एक ही कमरे में सात युवक कोयला जलाकर सोये थे, जिसमें दम घुटने से चार की मौत हो गई. इनकी मौत के जिम्मेवार कंपनी और उसके अधिकारी हैं.

बेरोजगारों को फंसाता है, फ्रॉड कंपनी है : अंकित

वहीं बिहार के आरा से आये अंकित ने बताया कि यह फ्रॉड कंपनी है. चार माह पहले 22500 देकर उसने भी रॉयल हेल्थ कंपनी में ज्वाइन किया था, लेकिन यहां उसे कोई काम नहीं मिला. कंपनी ने 5 माह ट्रेनिंग करवायी. इसके बाद 10 युवक-युवतियों को 22000 लेकर रॉयल कंपनी में जोड़ने का टारगेट दिया गया. लेकिन वह 10 लोगों को ज्वाइन नहीं करा पाया और फिर घर वापस जाने का मन बना लिया. जब कंपनी हेड से 5 माह का वेतन मांगा तो देने से इंकार कर दिया और घर नहीं जाने को कहा. अंकित ने यह भी बताया कि कंपनी ने हजारीबाग में लगभग 1000 युवक-युवतियों को झांसा देकर कंपनी में ज्वाइन करवाया है. उन्हें बिना व्यवस्था के रखे हुए है. वह कई मकान भी लिया है. यहां तक की शाम ढलते ही सभी युवक-युवतियों को एक जगह इकट्ठा कर बिहारी अश्लील गाना पर डांस करवाता है.

अस्पताल में भर्ती सलमान व रोहित ने क्या कहा

अस्पताल में भर्ती सलमान एवं रोहित ने बताया कि कंपनी हेड ने सेमी कंपनी की बात कही थी. लेकिन यहां पता चला कि यह कोई कंपनी नहीं है. इसमें नेटवर्क मार्केटिंग टाइप का बिजनेस करने के लिए सिखाया जा रहा था. यहां तक की कंपनी ने 22000 भी लिये थे. मगर रहने, सोने-खाने की सही व्यवस्था की गई. रात में ठंड ज्यादा लगती थी. इसकी सूचना भी कंपनी हेड को दिए थे, पर उनके द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गई.

अधिकांश वर्कर नाबालिग: बटेश्वर मेहता

भाजपा नेता बटेश्वर प्रसाद मेहता ने भी कंपनी पर आरोप लगाया कि कंपनी में अधिकांश युवक-युवतियां नाबालिग हैं. ऐसे में इन्हें गुमराह कर कंपनी दूसरे राज्य से लाकर बिना व्यवस्था के किराए के मकान में रखकर काम करवा रही थी. इस पर बिहार को भी संज्ञान लेने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि मृतक को 10 लाख व घायल को 5 लाख मुआवजे के तौर पर देना चाहिए. स्थानीय पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर दोषी पर कार्रवाई करे.

रंका के गरीब की कहानी जिसे पढ़ कर आप का दिल जरूर पसीज जाएगा

इलाज के लिए घर बेच दिया

दलित परिवार बेबसी में लाचार

अरुण कुमार यादव। गढ़वा

- गढ़वा से रांची तक का चक्कर लगाकर परेशान हुआ, पर ठीक नहीं हुआ
- इलाज के लिए सवा लाख में घर बेच डाला, पूरे पैसे भी हो गए खर्च
- गरीब के लिए अब परिवार चलाना भी हो रहा दूभर,आखिर करे क्या

गरीबी लाचारी बेबसी का उदाहरण अगर आपको देखना है, तो झारखंड राज्य के गढ़वा जिला अंतर्गत रंका के अनुमंडल मुख्यालय के 500 मीटर दूर रंका थाना मोड भुइयां टोली में देखा जा सकता है. भारत सरकार से लेकर राज्य सरकार तक की गरीबों की बात करने वाली थोथी दलीलें का नमूना ब्रह्मजीत भुइयां (45 वर्ष) पिता भवनाथ भुइयां के रूप में परिलक्षित है. बताते चलें कि 6 माह पूर्व अपने खपड़ैल मकान को मरम्मत करने के लिए दीवाल के सहारे लगी लकड़ी की कंडी को बदलने के क्रम में अचानक कंडी पर से फिसल कर व 10 फीट नीचे जमीन पर गिर पड़ा, जिससे उसके हाइड्रोशील में गम्भीर चोट लगी, जिसके कारण वह बेहोश हो गया.

इसके बाद आनन-फानन में परिवार जनों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रंका ले लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल गढ़वा के लिए रेफर कर दिया. गढ़वा के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया. आर्थिक तंगहाली के कारण घायल ब्रह्मजीत भुइयां घर वापस आकर महाजनों से उधार पैसा लेकर रिम्स में इलाज कराने गया, जहां पर चिकित्सकों ने हाइड्रोशील में जमे पानी को पाइप के द्वारा निकास बना कर छोड़ दिया गया, पर रोग का समाधान नहीं हो सका. इसके बाद वह पुनः घर वापस लौटा. समूह संचालन कर्ताओं से संपर्क कर दो संस्थाओं से ऋण लेते हुए पुनः रिम्स में दाखिल हुआ, जहां पर पुनः इलाज चला. पर इलाज करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका. उसके बाद वह पुनः अपने घर रंका आया. गांव वालों की सलाह पर निजी संस्थान रांची के मंगला अस्पताल में जाने की सलाह पर वह अपने घर को चौकड़ी निवासी आशीष गुप्ता को 1 लाख 25 हजार में बेच डाला. रांची के निजी अस्पताल में इलाज के बावजूद उसके रोग का निपटारा नहीं हो सका. इस क्रम में उसने प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड का भी प्रयोग किया, पर समस्या जस की तस बनी रही. थक हार कर वह अपने गांव वापस लौट गया है. अब उसके पास रहने के लिए घर भी नहीं है, और न ही कमा कर समूह का ऋण चुकता कर पाएगा. ऐसी स्थिति में वह यहां के सत्ताधारी दल के प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता से संपर्क कर अपनी समस्या को रखा पर अभी तक इसके लिए कोई उपाय नहीं हो सका है. ब्रह्मजीत भुइयां की पत्नी के अलावा 4 छोटी-छोटी बेटियां भी हैं. अब उसके सामने परिवार चलाने के लिए और रहने के लिए कुछ दिखाई नहीं दे रहा है. लोग आते हैं, दिलासा देते हैं, लेकिन कोई आर्थिक मदद नहीं देता. अब गरीब करे तो क्या करे.

मुख्यमंत्री ने धनबाद को 531 करोड़ की 135 योजनाओं की दी सौगात

बेटियां बोझ नहीं बनेंगी

संवाददाता। सिंदरी

बलियापुर हवाई पट्टी में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को धनबाद को लगभग 531 करोड़ की 135 योजनाओं की सौगात दी. इस मौके पर 3 लाख 76 हजार 497 लाभुकों के बीच लगभग 418 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. उन्होंने धनबाद हवाई अड्डा के सामने बन रहे नये समाहरणालय का ऑनलाइन उद्घाटन माउस घुमा कर किया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की एफसीआई बलियापुर हवाई पट्टी की जमीन देती है तो राज्य सरकार यहां हवाई अड्डा जल्द बनाएगा. सिविल एविएशन के क्षेत्र में इसकी जरूरत है.

देखने आया हूं, लाभ मिलता है कि नहीं : उन्होंने जोहार से जनता का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य के लोगों को इस शिविर का लाभ मिलता है कि नहीं, यह देखने आया हूं. उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही कोविड ने दो वर्ष खा लिया. कोरोना के बाद सरकार ने आपके द्वार खटखटाने का काम किया है. इस शिविर के पहले वर्ष में 35 लाख और दूसरे वर्ष में 55 लाख समस्याओं के आवेदन आए. राज्य के समस्याओं की सूची तैयार कर इसे सुधारने का काम कर रहे हैं. बिनोद बिहारी महतो को राज्य के अलगाव में मुख्य निर्णायक के रुप में उन्होंने याद किया. उन्होंने कहा कि 25 वर्ष के होने जा रहे झारखंड के दर्द की आवाज आज भी गूंज रही है. इसके लिए गांव को मजबूत करने की जरूरत है.

कार्यक्रम में सूबे के श्रम नियोजन व प्रशिक्षण कौशल मंत्री सत्यानंद भोक्ता, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, झरिया विधायक सह सत्तारूढ़ सचेतक पूर्णिमा नीरज सिंह, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, मुख्यमंत्री सचिव विनय कुमार चौबे, पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक, कांग्रेस धनबाद जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, सिंदरी के पूर्व विधायक फूलचंद मंडल, झामुमो केन्द्रीय सदस्य सुखलाल मरांडी, झामुमो नेता धरनीधर मंडल, झामुमो जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश टुडू, कांग्रेस सिंदरी नगर अध्यक्ष अजय कुमार शामिल थे.

केंद्र सरकार एफसीआई की जमीन दे दे तो राज्य सरकार बलियापुर में बनाएगी हवाई अड्डा : हेमंत सोरेन

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पर आयोजित सभा को संबोधित करते झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन.

सर्वजन पेंशन योजना में नंबर वन

सर्वजन पेंशन योजना हम देश के पहला राज्य हैं. खजाने में भरे पैसे के साथ झारखंड अलग हुआ था. परंतु झारखंड देश का पिछड़ा राज्य बन कर रह गया है. उन्होंने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केंद्र सरकार व्यापारियों की जमात है. विधायक और सांसदों की खरीद फरोख्त इनकी मंशा है. महंगाई पर भी मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को घेरा. उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले योजना से घर की कोई भी बेटी बोझ नहीं बनेगी. यह सरकार झारखंड को किसी से भीख नहीं मांगने वाला राज्य बनाएगी. गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से छात्रों को 15 लाख रुपए का शिक्षा ऋण मिलेगा और नौकरी के बाद इसे देना होगा. 500 करोड़ रुपए से 700 किलोमीटर ग्रामीण सड़क बनाएंगे. इनमें 275 किमी धनबाद में बनेगी.

कार्यक्रम में उपस्थित जनता व नेतागण

विनोद बिहारी महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की

कार्यक्रम से पूर्व सूबे के मुखिया ने पुरोधा बिनोद बिहारी महतो की समाधि पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. नृत्य छउ को कलाकारों ने मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित व मुख्यमंत्री द्वारा मांदर बजाकर शुभारंभ किया गया.

जेजेएमपी के चार उग्रवादी हथियार व लेवी के साथ गिरफ्तार

लातेहार। जिले के बरवाडीह के छिपादोहर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से हथियार व लेवी की राशि बरामद की गयी. शुक्रवार को छिपादोहर थाना परिसर में सर्किल इंस्पेक्टर अनिल उरांव ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी को सूचना मिली कि हंसराज टोला के नवीन तिर्की के घर के पास अपराधी ग्रामीणों के साथ मारपीट कर रहे हैं. उनके पास हथियार हैं. इसकी सूचना वरीय अधिकारियों को दी गयी. इसके बाद एक दल गठित कर पुलिस मौके पहुंची.

पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा : पुलिस को देख सभी भागने लगे. पुलिस ने खदेड़ कर 4 को पकड़ा. इनमें श्यामदेव, राम सुंदर, अख्तर अंसारी व लक्ष्मण ठाकुर शामिल हैं. एक अन्य मोहन परहिया भागने में सफल रहा. चारों ने स्वीकार किया कि वे जेजेएमपी के सदस्य हैं और सुप्रीमो पप्पू लोहारा के कहने पर लेवी वसूलने एवं जमीन में कब्जा दिलाने का काम करते हैं.

डॉ.सर्वमंगला प्रसाद से रंगदारी मांगने का आईएमए पदाधिकारियों ने किया विरोध.

रंगदारी मांगने पर आईएमए ने दिया अल्टीमेटम

ठोस कार्रवाई न हुई,तो 30 से बेमियादी हड़ताल

संवाददाता। धनबाद

सर्वमंगला नर्सिंग होम के संचालक सह आईआइएम धनबाद के सदस्य डॉ सर्वमंगला प्रसाद के पति हरदेव प्रसाद को धमकी मिलने पर आईएमए के पदाधिकारियों ने कड़ा एतराज जताया है. शुक्रवार को यूनियन क्लब में प्रेस वार्ता में मौजूद आइएमए अध्यक्ष मेजर चंदन ने कहा कि डॉक्टरों को लगातार धमकी मिल रही है. डॉक्टर यहां सुरक्षित नहीं हैं. उन्होंने कहा कि यदि 29 दिसंबर तक ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो 30 दिसंबर (शनिवार) से आईएमए धनबाद के साथ सभी निजी क्षेत्र के चिकित्सक, अस्पताल, क्लिनिक, नर्सिंग होम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे और इसकी पूरी जिम्मेवारी प्रशासन की होगी. हड़ताल में सरकारी अस्पताल से भी सहयोग मांगा जाएगा. हालांकि सरकारी अस्पताल के आकस्मिक सेवा को हड़ताल से दूर रखा जाएगा. आईएमए ने डॉ. सर्वमंगला प्रसाद को सुरक्षा देने की मांग की है. एसोसिएशन का कहना है कि जिले में लगातार चिकित्सकों से रंगदारी की मांग की जा रही है. पहले भी रंगदारी की मांग की गई है. ऐसी स्थिति में डॉक्टर समुदाय भय के माहौल में काम कर रहा है. प्रेस वार्ता में डॉ मेजर चंदन, डॉ बी के सिन्हा, डॉ जिम्मी अभिषेक, करणदीप संधू मौजूद थे.

राज्य आईएमए ने लिया है संज्ञान : मामले को लेकर राज्य इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने संज्ञान लिया है. प्रदेश अध्यक्ष डॉ एके सिंह ने बताया कि डॉक्टरों की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए. संगठन लगातार डॉक्टर के हित में आवाज उठा रहा है. अगर यही स्थिति लगातार बनी रही, तो पूरे राज्य में आंदोलन किया जाएगा. डॉक्टरों को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिलने से राज्य में तेजी से पलायन होगा. पहले ही कई डॉक्टर झारखंड आना नहीं चाहते हैं. सरकार को बेहतर माहौल कायम करना होगा होगा.

तोपचांची में 3.47 करोड़ से बनेगा 50 बेड का अस्पताल

संवाददाता। धनबाद

जिले के तोपचांची में 50 बेड का क्षेत्रीय अस्पताल बनेगा. इसके लिए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव ने महालेखाकार को पत्र लिखा है. अस्पताल के निर्माण के लिए 3.47 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी मिल गई है. इसके साथ ही राज्य के कुल 19 स्थानों पर 50 बेड का क्षेत्रीय अस्पताल की स्थापना करने का भी निर्णय लिया गया है.

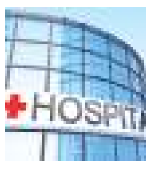

तोपचांची में अस्पताल निर्माण की जिम्मेवारी झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम रांची को दी गई है. ई निविदा के माध्यम से निर्माण करने वाली एजेंसी का चयन किया जाना है. निविदा कार्य पूरा होने के 9 माह के भीतर भवन निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. विभागीय स्तर से योजना का वित्तीय एवं भौतिक निरीक्षण कर अस्पताल का संचालन किया जाएगा. **12 स्वास्थ्य उपकेंद्रों का भी होगा निर्माण :** स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से नए वर्ष में केंद्र प्रायोजित योजना पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत धनबाद जिले में 12 स्वास्थ्य उपकेंद्रों का भी निर्माण किया जाएगा.

खास बातें

- स्वास्थ्य शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने महालेखाकार को लिखा पत्र

दुर्भाग्य रोते-बिलखते रहे पास करने वाले अभ्यर्थी, छुट्टी पर चली गयीग प्रभारी कुलपति

विनोबा भावे विवि ने 500 छात्रों के कॅरियर से खिलवाड़

संवाददाता। हजारीबाग

बिनोवा भावे विश्वविद्यालय प्रबंधन ने 500 छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया है. 20 दिसंबर को जारी प्लस टू शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करने वाले इन अभ्यर्थियों ने मूल प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया था. लेकिन नहीं दिया गया. छात्रों का कहना है कि 25 से मूल प्रमाण पत्रों की जांच होनी है. मूल प्रमाण पत्र रहेगा ही नहीं तो जांच क्या कराएंगे. ऐसे में तो हमलोगों का जीवन ही बर्बाद हो जाएगा.

छात्रों ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने के बाद भी मूल प्रमाण पत्र नहीं दे पाया. जिसे लेकर शुक्रवार को भी हंगामा हुआ. प्रबंधन सितंबर और अक्टूबर तो छोड़िए मार्च और अप्रैल माह में मूल प्रमाण पत्र के लिए आवेदन जमा देने वालों को प्रमाण पत्र नहीं दे सका. विभावि में शुक्रवार को परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थी रोते और बिलखते नजर आये. जैसे-जैसे शाम ढली छात्रों की आस भी टूटी और देर शाम तक हंगामा होता रहा.

छुट्टी पर प्रभारी कुलपति, मामले को मैनेज करने का होता रहा प्रयास : 23 से विभावि में छुट्टी है. प्रभारी कुलपति छुट्टी पर हैं. इससे छात्रों को प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया रुक गई. देर शाम तक विभावि द्वारा छात्रों का गुस्सा और भविष्य को देखते हुए पत्र जारी कर मैनेज करने का प्रयास किया जाता रहा. विभावि द्वारा एक पत्र दिया जा रहा है, जिसमें अंडरटेकिंग है कि 10 जनवरी तक प्रमाण पत्र वह दे पाएगा.

विभावि में देर शाम तक हंगामा, मौन साधे हैं छात्र संगठन

न फोन उठाया, ना जवाब दिया बचते रहे परीक्षा नियंत्रक

नौ माह से भी अधिक समय पहले किये गये ऑनलाइन आवेदन वालों को भी प्रमाण पत्र नहीं दे पाने के कारण परीक्षा नियंत्रक को अभ्यर्थियों के कोपभाजन का शिकार होना पड़ा. दोपहर तक वे अपने कार्यालय से गायब हो गए. देरी के कारणों को लेकर वे कुछ भी कहने से बचते दिखाई दिए. फोन भी नहीं उठा रहे थे. ऐसे में कई सवाल विभावि पर खड़ा हो गया है. समाचार लिखे जाने तक सैकड़ों छात्र विभावि के काउंटर पर जमे हुए थे.

शोध ही मानव जाति के कल्याण का आधार

धनबाद। बीबीएमकेयू में राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा विभागीय शोध परिषद का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता डॉ. प्रवीण सिंह ने की. दो दिन चली परिषद में विभिन्न शोधार्थियों ने सारांश प्रस्तुत किए. डॉ प्रवीण ने कहा कि शोध शीर्षक के चयन में जटिलता से बचें. सही शोध समाज का आधार है, जिससे मानव का कल्याण संभव है. डॉ अमूल्य बेक ने तकनीकी पहलू, डा जीतेन्द्र आर्यन ने सन्दर्भ सुची की बारीकियों, डॉ सुमीता तिवारी ने परिकल्पना चयन स्पष्ट करने, डॉ मीना मालखंडी ने शोध के उद्देश्य, डॉ डी के सिंह ने रुचि के अनुसार शोध शीर्षक चुनने की सलाह दी. शोधार्थियों में बैकुंठ कुमार विश्वकर्मा, तलत परवीण, मधु कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, बलदेव कुमार महतो, अनिल कुमार महतो, आशा कुमारी, अनामिका कुमारी, पूजा मिश्रा, सूरज कुमार, सिद्दिका अंजुम शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

सुरक्षा मानकों का पालन करें : एके दास

तेतुलमारी । सीसीएल एरिया 4 के सभागार में सुरक्षा मामलो को लेकर बीसीसीएल और डीजीएमएस की संयुक्त बैठक आयोजित की गई . बैठक में ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया. इस दौरान कोयला खनन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन अक्षरशः करने पर जोर दिया गया. डीजीएमएस खनन एके दास ने कोयला खनन के दौरान सुरक्षा मामलों पर विस्तार से चर्चा की .कहा गया कि कोयला खनन में लगे अधिकारी हो या कर्मी सभी के सुरक्षा को लेकर सुरक्षित माहौल देने पर गंभीर रहे.

सिजुआ में डंपिंग का ग्रामीणों ने किया विरोध

कतरास (धनबाद) । कनकनी कोलियरी प्रबंधन की ओर से सिजुआ के जोगता 15 नंबर मैदान में ओबी डंपिंग किए जाने का ग्रामीणों ने शुक्रवार को जोरदार विरोध किया. ओबी लेकर आए हाइवा को लोगों ने लौटा दिया और प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की.करीब दो घंटे बाद परियोजना पदाधिकारी नारायण प्रसाद, प्रबंधक गोपाल कुमार, सुरक्षा अधिकारी प्रेम कुमार सीआईएसएफ जवानों के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ वार्ता की. इस दौरान अधिकारियों के साथ ग्रामीणों की नोकझोंक भी हुई.

डीसी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की

बाघमारा। जनता श्रमिक संघ के विकास कुमार महतो ने धनबाद उपायुक्त को पत्र लिखकर न्यू मधुबन वाशरी में स्थानीय बेरोजगारों को नियोजन देने की मांग को लेकर विस्थापित ग्रामीणों द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन को बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा षड्यंत्र के तहत कुचलने का आरोप लगाते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है. पत्र में विकास ने कहा है कि स्थानीय रैयत तथा बीसीसीएल की परियोजना से प्रभावित ग्रामीण विगत 16 दिसंबर से बाघमारा थाना अंतर्गत मधुबन कोल वाशरी परियोजना में एसडीओ धनबाद से अनुमति लेकर वाशरी में चल रहे मेसर्स चेन्नई राधा स्वामी कंपनी में रोजगार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं.

छात्राओं को निःशुल्क कराया जाएगा कोर्स

सिंदरी । सिंदरी के रोहड़ाबांध पानी टंकी स्थित हर्ल हेल्थ सेंटर में शुक्रवार को निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में आए आसपास के करीब 70 लोगों की दांतों की जांच विशेष डॉक्टरों ने की. उन्हें जरूरी दवाएं निःशुल्क दी गईं. शिविर में एफसीआई वीएसएस इंपलाइज वेलफेयर एशोसिएशन का भी सहयोग रहा. एशोसिएशन के अध्यक्ष सेवा सिंह ने बताया कि प्रसाद डेंटल क्लिनिक धनबाद की टीम और हर्ल हेल्थ सेंटर के चिकित्सकों ने शिविर में मरीजों की जांच की.

आकस्मिक निधन पर काउंसिल ने की शोकसभा

सिंदरी । अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति व पिछड़ा वर्ग कर्मचारी समन्वय काउंसिल के तत्वावधान में शुक्रवार को शिक्षक त्रिभुवन चौधरी की अध्यक्षता में रोहड़ाबांध स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर प्रांगण शोक सभा का आयोजन किया गया. शिक्षक त्रिभुवन चौधरी ने बताया कि काउंसिल अध्यक्ष हर्दिश प्रसाद के छोटे भाई केदार प्रसाद और महासचिव मदन प्रसाद के छोटे दामाद प्रदीप कुमार के आकस्मिक निधन पर आयोजित किया गया.

आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया

महुदा । सरकार, आपके द्वारा अभियान के तहत शुक्रवार को बाघमारा प्रखंड अंतर्गत काण्डरा पंचायत सचिवालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी डॉ. सुभाष आनन्द ,मुखिया रिंकु देवी, जिप सदस्य आशा देवी, विधायक प्रतिनिधी धनेश्वर महतो, पंचायत समिति सदस्य सुभाष चन्द्र महतो, उप मुखिया अलगुन निशा, पंचायत सचिव जगेश्वर प्रसाद साव, बीपीओ नसीम अख्तर,आंगनवाड़ी सुपरवाइजर विनिता पौद्दार, व मंजु कुमारी, रोजगार सेवक मो. मोहसीम, पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नबी हुसैन मौजूद थे.

आठ महीने बाद कुलपति ने फिर बंधाई बस सेवा शुरू करने की आस, शीघ्र शुरू होने की संभावना

विश्वविद्यालय पहुंचने में विद्यार्थियों के छूट रहे पसीने

संवाददाता। धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) का नया परिसर धनबाद शहर से लगभग सात किलोमीटर दूर भेलाटांड़ में है. रेलवे स्टेशन से भी इसकी दूरी सात से आठ किलोमीटर है. स्टेशन से विश्वविद्यालय पहुंचने में विद्यार्थियों को कम से कम तीन बार ऑटो बदलना पड़ता है. एक ऑटो का न्यूनतम किराया 10 रुपया तय है. ऐसे में विद्यार्थियों को आने-जाने के लिए कम से कम 60 रुपया प्रतिदिन खर्च करना पड़ता है. अन्य सुदूर इलाकों से स्टेशन पहुंचने का खर्च अलग है. ऐसे में विद्यार्थियों को दो से तीन हजार रुपये आवागमन पर खर्च करने पड़ते हैं.

पीजी डिपार्टमेंट में हैं लगभग पांच हजार छात्र : नए कैंपस में संचालित पीजी डिपार्टमेंट में एक सत्र में ढाई से तीन हजार विद्यार्थी हैं. दो सत्र में विद्यार्थियों की संख्या पांच से छह हजार है. इन विद्यार्थियों को प्रतिदिन सैकड़ों रुपये विश्वविद्यालय तक पहुंचने में खर्च करने पड़ रहे हैं.

बस संचालन की केवल होती है घोषणा

पिछले 23 मार्च को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया था. तब तत्कालीन कुलपति प्रो शुकदेव भोई ने बस संचालन जल्द शुरू करने की घोषणा की थी. इसके लिए मंच से एक व्यवसायी ने आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की थी. लेकिन इस घोषणा के आठ माह बीत चुके हैं. प्रो शुकदेव भोई के बाद नये कुलपति ने चार्ज ले लिया है. 21 दिसंबर को नए कुलपति ने भी नए वर्ष से बस संचालन का आश्वासन दिया है.

बेलगड़िया के विद्यार्थियों को भी है बस सेवा का इंतज़ार

दूसरी ओर आरएसपी कॉलेज झरिया को बेलगड़िया में शिफ्ट हुए छह वर्ष बीत चुके हैं. शहर से दूर बेलगड़िया तक पहुंचने के लिए निजी साधन के अलावा आवागमन की कोई व्यवस्था नहीं है. विद्यार्थियों ने कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन, जिला प्रशासन और नगर निगम से बस सुविधा बहाल करने की मांग की लेकिन छह वर्ष बाद भी स्थिति जस-की-तस है.

> छह वर्ष बाद भी आरएसपी कॉलेज बेलगड़िया के विद्यार्थी बस की मांग कर रहे हैं. लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन से लेकर नगर निगम तक केवल आश्वासन दे रहा है. ऐसे में कुलपति की घोषणा रंग लायेगी. इस पर यकीन करना मुश्किल है. **-अंशु तिवारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, अभाविप**

> बस संचालन कि मांग लंबे समय से की जा रही है. विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की परेशानी देखते हुए इस विषय पर गंभीरता से निर्णय ले. **-विशाल महतो, विश्वविद्यालय अध्यक्ष, छात्र आजसू**

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- हरित बाली रोग किस फसल से संबंधित है **- बाजरा**
- काकोरी ट्रैन डकैती कांड के नायक कौन थे **- राम प्रसाद बिस्मिल**
- राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनी जाने वाली पहली अभिनेत्री **- नरगिस दत्त**
- गोकक जलप्रपात किस राज्य में है - कर्नाटक
- चोलाई व घास किस प्रकार के पौधे होते है **- खरपतवार**
- किसने अपनी राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर किया था **- मीर कासिम**
- प्लेग किस जीवाणु द्वारा फैलती है **- पाश्चुरेला पेस्टिस**
- भारत का आकार कैसा है **- चतुष्कोणीय**
- भारत की पहली अंग्रेजी फिल्म **- नूरजहां**
- किस मुगल बादशाह को लंपट मूर्ख कहा जाता था **- जहांदर शाह**

2024 के अंत तक ट्रांसमिशन लाइन का काम पूरा हो जाएगा

झारखंड बिजली के क्षेत्र में बनेगा आत्मनिर्भर: हेमंत सोरेन

संवाददाता ।सिंदरी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को यहां कहा डीवीसी हमारी जमीन पर बिजली उत्पादन करता है, लेकिन इसके एवज में एक पैसा हमें नहीं देता है. लेकिन बिजली का बकाया एक महीना होने पर 8 जिलों की बिजली काट देता है. यह सबकुछ केंद्र के इशारे पर डीवीसी हमलोगों को परेशान करने के लिए करता है. लेकिन अब हम लोग इस क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने जा रहे हैं. चंदनकियारी और जैन मोड में नया पावर ग्रिड का काम अंतिम चरण में है. इसके अलावा निरसा, महुदा बलियापुर में नया ट्रांसमिशन लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है जो 2024 के अंत तक पूरा हो जाएगा. हम केंद्र से बिजली खरीदने के बजाय अपनी बिजली का उपयोग करने लगेंगे. भाजपा के लोग आंखों से सुरमा चुराने वाले लोग हैं. पिछले 9 साल में देश में महंगाई बढ़ा कर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का काम किया है. इन्हें एक आदिवासी मुख्यमंत्री शुरू से आंखों में खटक रहा है. गरीब का बेटा इनकी बराबरी न कर सके, इसके लिए लगातार परेशान करने का ये लोग काम कर रहे हैं.

206 योजनाओं का किया गया शिलन्यास और उद्घाटन : धनबाद में 30 करोड़ की लागत से बने नए समाहरणालय सहित कुल 206 योजनाओं का मुख्यमंत्री ने उद्घाटन एवं शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि धनबाद में ग्राम गाड़ी योजना के शुरू करने से पहले धनबाद में 500 करोड़ की लागत से 700 किलोमीटर की ग्रामीण सड़क बनेगी, मुख्यमंत्री ने भवन प्रमंडल की 47.23 करोड़ की 6 योजना, लघु सिंचाई प्रमंडल की 3 करोड़ 86 लाख की 6, पथ निर्माण विभाग की 139 करोड़ 94 लख रुपए की 7, पीएचईडी 2 की 144 करोड़ 27 लाख की 3, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 22 करोड़ 89 लाख की 31, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की 23 करोड़ 54 लाख की 4, जिला परिषद की 1 करोड़ 11 लाख की 2, ग्रामीण कार्य विभाग की 19 करोड़ 92 लख रुपए की 10, नगर निगम की 3 करोड़ 14 लख रुपए की तथा गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन की 2 करोड़ 46 लख रुपए की एक योजना का उद्घाटन किया. वहीं वन प्रमंडल की 25 करोड़ 80 लख रुपए की 77 योजनाओं का शिलान्यास किया.

धनबाद में सीएम हेमंत सोरेन को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते झामुमो व्यापार प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष अमितेश सहाय.

सीधा साधा समझता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग हमलोग को कम दिमाग वाला और सीधा साधा समझाता है. हमारी गिनती गरीब राज्य और मजदूरी के लिए जाना जाता है. यहां के 15 लाख मजदूर अलग अलग राज्यों में काम करते हैं. हमने इनकी चिंता की ओर राज्य में उद्योग लगाने वालों को 75 प्रतिशत स्थानीय को रोजगार देने का नियम बनाया. ताकि यहां के लोगों को बाहर न जाना पड़े. उन्होंने कहा कि अब यहां के मजदूरों को हुनर मंद बनने की जरूरत है. अब जिला के अलावा हमने प्रखंड स्तर पर ट्रेनिंग सेंटर खोलने का काम किया है. मशीन के युग में ये जरूरी भी है. झारखंड के कई युवा तकनीक में कौशल होकर नौकरी कर रहे है और पढ़ाई भी कर रहे हैं.

योजनाओं को धरातल पर उतार रहे हैं : बन्ना

स्वास्थ्य मंत्री सह धनबाद के प्रभारी मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि राज्य के युवा मुख्यमंत्री केंद्र की तमाम चेतावनी के बाद अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं. झारखंड अब अपनी समृद्धि के मार्ग पर चल पड़ा है. इसमें किसी के चेतावनी से डरने वाला नहीं है. श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा डबल इंजन की सरकार के समय गरीबों का जूता घिस जाता था लेकिन उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलता था लेकिन वर्तमान सरकार खुद लोगों के दरवाजे पर पहुंच रही है और लाभ भी देने का कार्य कर रही है. टुंडी विधायक मथुरा माता ने कहा मुख्यमंत्री का जो सच है वह देश के किसी अन्य मुख्यमंत्री में देखने को नहीं मिलेगा वह हर साल लोगों को एक नई योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं. उन्हें समाज के हर व्यक्ति की चिंता है. झरिया विधायक का पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहा कि यह पहली सरकार है जो जनता के द्वार पर पहुंच रही है. सामाजिक सुरक्षा के मामले में भी कीर्तिमान हासिल कर रही है. इसके बाद भी इस सरकार के काम को रोकने के लिए इसे चोर कहा जाता है. लेकिन हम लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. हम अपने काम करने में यकीन रखते हैं. डीसी वरुण रंजन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और 24 नवंबर से 21 दिसंबर तक लगाए गए शिविरों की उपलब्धियां से सरकार को अवगत कराया.

धनबाद डीसी वरुण रंजन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मोमेंटो सौंपते हुए.

कोर्ट कॉलम

अधिवक्ता सुरक्षित रहेंगे, तभी निर्भीक होकर काम कर पाएंगे

न्याय तक पहुंचने की सीढ़ी हमारे अधिवक्ता हैं. समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाते हैं लेकिन सरकार की इनके प्रति भी कुछ जिम्मेदारियां हैं. इनमें जिम्मेवारियों में सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है, खुद अधिवक्ता वर्ग अपनी सुरक्षा को लेकर कई बार आवाज बुलंद कर चुके हैं लेकिन इनको अब तक घोषणाओं और वादों के अलावा कुछ नहीं मिला. जबकि धनबाद में तो जेल जैसी जगह भी सुरक्षित नहीं रही. ऐसे में एक बार फिर धनबाद के अधिवक्ता शुभम संदेश के साथ अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं.....

निर्भीक होकर काम कर सकेंगे : जया कुमार

वरीय अधिवक्ता जया कुमार ने कहा कि अधिवक्ताओं द्वारा कई सालों से अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम की मांग की जा रही है. ताकि हम अधिवक्ता न्यायिक कार्यों के दायित्व का निर्वहन निर्भीक होकर कर सकें. इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए. इसके लागू होने से कार्या करने में भी सुविधा होगी.

फर्जी केस भी दर्ज किए जाते हैं : जय केशरी

अधिवक्ता जय केशरी ने कहा कि अधिवक्ताओं पर अपराधियों द्वारा फर्जी केस भी किये जाते हैं, ऐसे में जबतक बार एसोसिएशन की सहमति न मिले तबतक एफआईआर दर्ज न करने का नियम बनाना चाहिए. तभी धनबाद सहित देश के अधिवक्ता खुल कर काम कर सकेंगे. सुरक्षा अधिनियम जल्द लागू होना चाहिए.

परिसर में आनेवालों की जांच हो : मुस्कान चोपड़ा

अधिवक्ता मुस्कान चोपड़ा ने कहा कि आये दिन अधिवक्ताओं पर हमले और झठे मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, ऐसे में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम अविलंब लागू होन चाहिए. सरकार को इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरुरत है. इससे अधिवक्ता सुरक्षित महसूस करेंगे.

सुरक्षा को लेकर संशय बना रहता है : रविन्द्र

अधिवक्ता रविन्द्र कुमार ने कहा कि वह लोग अपराधियों के पक्ष या विपक्ष में केस लड़ते हैं. जिससे उनके ऊपर सुरक्षा को लेकर संशय हमेशा कायम रहता है. अधिवक्ताओं की सुरक्षा जरूरी है, सरकार की ओर से यह नियम जल्द लागू किया जाना चाहिए.

परिसर में आनेवालों की जांच हो : रजनी मुखर्जी

अधिवक्ता रजनी मुखर्जी कहती हैं कि कोर्ट परिसर में आने वालों की जांच नहीं कि जाती है. उन्होंने कहा कि धनबाद में मेटल डिटेक्टर गेट बनाया जाए, यहां की सुरक्षा चाक चौबंद की जाय. हथियार लेकर कोई भी कोर्ट परिसर में दाखिल न हो सके.

पिता के साथ लौट रहे पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत

संवाददाता। मधुबन (धनबाद)

बोकारो-राजगंज फोरलेन पर मधुबन इलाके के सिनीडीह चौक के समीप शुक्रवार की सुबह तेज गति आ रहे 407 वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई. युवक की पहचान महेशपुर निवासी गणेश कर्मकार के 18 वर्षीय पुत्र अमर कर्मकार के रूप में हुई. दोनों पिता-पुत्र बाजार से सब्जी खरीदकर बाइक से घर लौट रहे थे. वाहन चालक पर अविलंब कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बोकारो-राजगंज फोरलेन को जाम कर दिया. गुस्साए लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया. इस रोड पर करीब 5 घंटे तक अवागमन बाधित रहा. मधुबन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझा कर जाम हटाने का प्रयास किया. लेकिन ग्रामीणों ने उनकी एक नहीं सुनी. करीब 5 घंटे रोड जाम के बाद बाघमारा बीडीओ सुषमा आनंद मौके पर पहुंचीं ओर उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया. इसके बाद लोग शांत हुए और करीब तीन बजे सड़क जाम समाप्त किया. वार्ता में प्रखंड की ओर से तत्काल 20 हजार रुपये की सहायता राशि का भुगतान करने और गाड़ी मालिक से एक लाख रुपये मुआवजा दिलाने की बात पर सहमति बनी.

संथाली झारखंड की प्रथम भाषा हो :आसेका

मैथन। ऑल झारखंड आदिवासी सोसियो एजुकेशन एंड कल्चरल एसोसिएशन (आसेका), मैथन शाखा ने शुक्रवार को पंडित रघुनाथ मुर्मू मैदान में संथाली भाषा दिवस धूमधाम से मनाया. मौके पर वक्ताओं ने कहा कि 22 दिसंबर 2003 को संविधान के आठवीं अनुसूची में संथाली भाषा को शामिल किया गया था. तब से 22 दिसंबर को संथाली भाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है. कहा कि संथाली भाषा बहुत ही समृद्ध भाषा है. इस भाषा को झारखंड का प्रथम भाषा होना चाहिए था, लेकिन आजतक नहीं हुआ है. वक्ताओं ने कहा कि संथाली भाषा को झारखंड के प्रथम भाषा बनाने के लिए आंदोलन करना होगा, तब जाकर सरकार की नींद टूटेगी. समारोह में मैथन एवं इसके आसपास के ग्रामीण और पंडित रघुनाथ मुर्मू अलचिकी विद्यालय के बच्चों हिस्सा लिया. मौके पर बाबूराम मुर्मू, सुनील हेम्ब्रम, गणेश सोरेन, मंगल हांसदा, ओबी हेम्ब्रम, लखिन्दर बास्की, जगरनाथ सोरेन, अर्जुन बास्की, राधा किस्कू, किरण टुडू, लोगोनी बास्की, सुनीता सोरेन, पूजा हेम्ब्रम, वंसती मराण्डी, मुन्नी किस्कु, लतिका सोरेन सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित थे.

दहशत | विभाग के अधिकारियों ने पत्राचार भी किया पर कर्मियों से कोई जवाब नहीं मिला

नक्सलियों के डर से तीन रेलकर्मी 20 साल बाद भी नहीं लौटे

संवाददाता। धनबाद

धनबाद रेल मंडल के ग्रैंडकॉर्ड सेक्शन में राय, खलारी और रमना स्टेशन पर पदस्थापित तीन रेलकर्मी वित्तीय वर्ष 2003-04 के बीच नक्सलियों के डर से भागे तो आजतक नहीं लौटे. विभाग के अधिकारियों ने तीनों रेलकर्मियों के स्थायी पता पर पत्राचार भी किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला कि वे कब तक लौटेंगे. आखिरकार विभाग ने बर्खास्त कर आदेश पत्र जारी कर दिया. सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल मंडल में वर्ष 2000 से 2005 तक नक्सलियों का सबसे अधिक आतंक था. हर माह एक-दो बार नक्सली बंद के दौरान रेलवे ट्रैक उड़ाना, स्टेशन को कैन बम से धमाका कर ध्वस्त कर देना और ट्रेन को हाइजैक कर चालक व गार्ड का अपहरण कर लेना नक्सलियों के लिए आम बात थी. नक्सली संगठन के सदस्य ट्रेन और मालगाड़ी को रूकवाने के लिए केबिन मैन. लीवरमैन व ट्रैकमैन को निशाना बनाते थे. नक्सलियों की बात नहीं मानने पर रेलकर्मियों की पिटाई करते और जंगल में रात-रात भर बंधक बनाकर रखते थे.

खास बातें

- हाईजैक कर अपहरण कर लेना आम बात थी
- जंगल में रख कर रेलकर्मियों की पिटाई भी किया करते थे

दो रेल पुलिसकर्मी भी छुट्टी लेकर गांव गए तो 18 साल बाद भी नहीं आए : सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल जिला पुलिस क्षेत्र में पदस्थापित दो रेल पुलिसकर्मी भी छुट्टी लेकर गांव गए तो 18 साल बाद भी लौटकर नहीं आए. डाल्टनगंज रेल थाना में पदस्थापित सिपाही त्रिलोकीनाथ प्रसाद और गढ़वा रोड में पदस्थापित सिपाही घनश्याम त्रिपाठी भी नक्सलियों के डर से 2005 में छुट्टी लेकर गांव गए तो आजतक नहीं लौटे. रेल पुलिस मुख्यालय से कई बार दोनों पुलिसकर्मियों के स्थायी पते पर पत्राचार किया गया, लेकिन ये दोनों भी नहीं लौटे. किसी तरह का कोई जवाब भी लिखित रूप से नहीं भेजा. आखिरकार विभाग ने दोनों को मुख्यालय के निर्देश पर बर्खास्त कर दिया. चर्चा है कि दो-तीन रेल पुलिसकर्मी और भी हैं, जो खुद को बीमार बताकर छुट्टी ले लिया, लेकिन महीनों गुजर जाने के बाद भी गांव से नहीं लौटे हैं.

नक्सलियों ने लीवरमैन का काट लिया था कान

सूत्रों के अनुसार एक बार राय स्टेशन पर नक्सलियों ने एक लीवर मैन दिनेश चौहान का वर्ष 2004 कुल्हाड़ी से कान काट लिया था. उस समय रेलवे के ईसीआरकेयू यूनियन ने हड़ताल करने की धमकी दे डाली तो लीवर मैन का धनबाद में तबादला कर दिया और अस्पताल में बेहतर इलाज कराया. इसी बीच नक्सलियों के आतंक से राय, खलारी व रमना स्टेशन पर पदस्थापित ट्रैकमैन लखन प्रसाद, लीवर मैन बंशी राम व ट्रैकमैन गिरिधर रवानी विभाग के पदाधिकारी को बगैर बताये भाग कर गांव चले गए.

प्लस टू उच्च विद्यालय गोविंदपुर में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया

संवाददाता। गोविंदपुर

स टू उच्च विद्यालय गोविंदपुर मे शुक्रवार को राष्ट्रीय गणित दिवस समारोहपूर्वक पूर्वक मनाया गया. इस मौके पर प्राचार्य दिनेश सिंह ने राष्ट्रीय गणित दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला. मौके पर कई शिक्षकों ने अपने विचार रखे। उधर, 2 उच्च विद्यालय नगरकियारी में भी राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया. इस अवसर पर भारतीय गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन को याद किया गया. गणित के स्नातकोत्तर शिक्षक पंकज कुमार सिंह ने रामानुजन की जीवनी पर प्रकाश डाला गया और जीवन में गणित का क्या महत्त्व है, इसे विस्तार से बताया. प्राचार्या डॉ मीरा सिंह ने बच्चों के द्वारा बनाए गये मॉडल, चार्ट पेपर, गणितीय सूत्र और पेंटिंग की सराहना की एवं पुरस्कृत करने की घोषणा की. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक विनय कुमार चौबे उपस्थित थे.

इंडिया गठबंधन के धरना प्रदर्शन में बोले सुदिव्य सोनू, तिरंगे के तीन रंग को एक में बदलने की हो रही है कोशिश

अंधेरा तभी घना होता है जब सूरज निकलने वाला हो : विधायक

संवाददाता। गिरिडीह

145 सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं ने जेपी चौक स्थित पुराना नगर निगम परिसर में एक दिवसीय धरना दिया. इससे पूर्व झंडा मैदान से केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते कार्यकर्ता जेपी चौक पहुंचे और धरना पर बैठ गए.

धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष को भी सम्मान देने की अवधारणा रही है, पर दोनों सदनों में विपक्ष की आवाज को बंद किया जा रहा है. फिलहाल देश में लोकतंत्र नहीं, लोक आगे और तंत्र पीछे चल रहा है. उन्होंने कहा कि अंधेरा जब सबसे घना हो तभी सूरज निकलने वाला होता है. उन्होंने कहा कि देश के तिरंगे को एक रंग में बदलने की कोशिश की जा रही है और इस कोशिश को ना हिंदुस्तान और ना ही यहां की जनता बर्दाश्त करेगी. लड़ाई छोटी नहीं बड़ी है, पर इतना तय है कि देश में जारी अधिनायकवाद का अंत निकट है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि 145 सांसदों का निलंबन संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का हनन है. आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि 38 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली भाजपा की तानाशाही सरकार का अंत निकट है. भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ इंडिया गठबंधन का एक उम्मीदवार हो तो उनकी जमानत जब्त हो जाएगी. आम कार्यकर्ता भाजपा के काले करतूत और झूठे वादे को घर-घर पहुंचाएं.

बोला हमला

- दोनों सदनों में विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है
- देश में जारी अधिनायकवाद का अंत निकट

भावना भड़काकर वोट हासिल करना उनकी हमेशा फितरत : कांग्रेस के प्रदेश सचिव अजय कुमार सिंहा मंटू ने कहा कि देश में एक दशक से भी अधिक समय से तानाशाही सरकार चल रही है. भावना भड़काकर वोट हासिल करना उनकी हमेशा फितरत रही है.

कांग्रेस नेता उपेंद्र सिंह ने कहा कि देश में लोकतंत्र फेल तंत्र बन गया है. माले नेता राजेश सिंहा ने कहा कि तानाशाही सरकार का अंत निकट है. कार्यक्रम को कांग्रेस जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह, जदयू जिला अध्यक्ष त्रिभुवन दयाल, समीत गठबंधन के कई नेताओं ने संबोधित किया. मौके पर गठबंधन के कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी – **स्वामी विवेकानंद**
- नील नदी के किनारे किस सभ्यता का विकास हुआ – **मिस्त्र सभ्यता**
- अमीबा में कितनी कोशिका होती है – **एक**
- नौसेना अकादमी कहां पर स्थित है – **गोवा**
- पृथ्वी से दिखाई देने वाला सबसे चमकीला ग्रह – **शुक्र**
- अमेरिका का राष्ट्रीय खेल है – **बेसबॉल**
- यूपीएससी की प्रथम महिला अध्यक्ष – **रोज बैथ्यू**
- रेशम के कीड़े का भोज्य पदार्थ – **शहतूत की पत्ती**
- लक्षद्वीप में कौन सी भाषा बोली जाती है – **मलयालम**
- पानीपत का प्रथम युद्ध किसके बीच हुआ था – **बाबर व इब्राहिम लोदी**

इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने बोकारो में दिया धरना

संवाददाता। बोकारो

समाहरणालय के समक्ष इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों की ओर से शुक्रवार को संयुक्त धरना दिया गया. राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत संसद से विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ विरोध स्वरुप यह कार्यक्रम किया गया. बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमेश गुप्ता ने की तथा संचालन झामुमो जिला महासचिव जयनारायण महतो ने किया. बैठक में इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्कलुसिव अलायंस में शामिल विभिन्न दलों के वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार विपक्ष विहीन संसद चाहती है. . धरना को कांग्रेस के देवाशीष मंडल, रामा राउत, प्रमोद सिंह, झामुमो के बीके चौधरी, आम आदमी पार्टी के कुमार राकेश, हरेंद्रनाथ चौबे, माकपा के बीडी प्रसाद, भाकपा के राजेन्द्र यादव, भाकपा माले के देवदीप सिंह दिवाकर, राजद के घनश्याम चौधरी, बुद्ध नारायण यादव, मासस के दिलीप तिवारी, जदयू के प्रदीप महतो,आदि ने संबोधित किया.

मौके पर गठबंधन के घटक दलों से मनोज कुमार, कमरुल हसन, आफताब आलम, पीके पांडेय, अशोक मिश्रा, सरोज चौधरी, नजीर अहमद स्वयंवर पासवान,आर बी सिन्हा, अंजलि सोरेन, जाहिदा खातुन, निशा हेम्ब्रम, हसन इमाम, लोकनाथ सिंह, जे एन सिंह, मो मेहबूब आलम, राजेश सिंह, शंभुनाथ चौधरी, आनंद मंडल उपस्थित थे.

मुद्रा मोचन की शिकायत पर होगी कार्रवाई : पूर्व विधायक

संवाददाता। गावां

प्रखंड के निमाडीह पंचायत में शुक्रवार को सरकार आपके द्वार के तहत 25 विभागों का स्टॉल लगाया गया. कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजकुमार यादव, जिला कृषि पदाधिकारी सुरेंद्र प्रसाद सिंह, बीडीओ महेंद्र रविदास, प्रमुख ललिता देवी व मुखिया आरती देवी उपस्थित थी. कार्यक्रम में कंबल, धोती-साड़ी, जॉब कार्ड, छात्र-छात्राओं के साइकिल के लिए चेक आदि का वितरण किया गया. इसमें अबुआ आवास योजना से लेकर अन्य योजनाओं का लाभ लेने हेतु ग्रामीणों ने आवेदन दिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि अबुआ आवास योजना के नाम पर मुद्रामोचन के शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी.

उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में मनरेगा मजदूरों को रोजगार देने पर जोर दिया. कहा कि क्षेत्र में रोजगार नहीं होने के कारण यहां से लोग पलायन कर रहे हैं. इनलोगों को मनरेगा के तहत रोजगार देने की पहल की जाए. कहा कि गावां में रोजगार का एक मात्र साधन माइका था जो वर्तमान में बंद है.

ब्रीफ खबरें

डॉ. रत्नप्पा की पुण्यतिथि पर कसमार में कार्यक्रम

कसमार। झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ के कसमार प्रखंड इकाई की ओर से डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की 25वीं पुण्यतिथि कसमार में मनाई जाएगी. इस कार्यक्रम में स्थानीय जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहेंगे. पद्मश्री सम्मान प्राप्त स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय संविधान निर्माण सभा के सह निर्माता डॉ. रत्नप्पा कुम्हार को नमन किया गया. झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ के कसमार प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार प्रजापति ने बताया कि डॉ. रत्नप्पा देश की आजादी के लिए कई बार जेल गए.

सीएमयू ढ़ोरी क्षेत्र के अध्यक्ष बने राजू

बेरमो। हिंद मजदूर सभा से संबद्ध कोल फिल्ड मजदूर यूनियन ढ़ोरी क्षेत्र की बैठक यूनियन के प्रधान कार्यालय कारगली बाजार में हुई. यूनियन के महासचिव रघुनंदन राघवन ने ढ़ोरी एरिया में संगठन का पुनर्गठन किया. सर्वसम्मति से ढोरी एरिया राजू भुखिया को अध्यक्ष और आर उनेश को सचिव बनाया गया. सुनील कुमार साह को कार्यकारी अध्यक्ष, शंकर सिंह और गणेश राम को उपाध्यक्ष बनाया गया. सहायक सचिव संतोष कुमार, संगठन सचिव शैलेश घासी व हरी बाबू लंका, कोषाध्यक्ष प्रदीप घासी सहित 21 कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए.

'हमारा संकल्प विकसित भारत' का हुआ कार्यक्रम

कथारा। बेरमो प्रखंड के जारंगडीह उत्तरी पंचायत में मुखिया फिरोज खातून की अध्यक्षता में शुक्रवार को 'हमारा संकल्प विकसित भारत' के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में बेरमो के प्रखंड विकास पदाधिकारी मधु कुमारी तथा बेरमो प्रमुख गिरिजा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. पंचायत प्रतिनिधियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया. बीडीओ ने इस कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना से लाभान्वित लोगों से जानकारी प्राप्त की.

विधायक व पूर्व विधायक ने लाभुकों में कंबल बांटे

बेरमो। गोमिया प्रखंड अंतर्गत चूट्टे पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में ग्रामीणों के लिए शुक्रवार को 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यहां गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो, पूर्व विधायक व झारखंड समन्वय समिति के सदस्य योगेंद्र प्रसाद, जिला परिषद सदस्य विमला देवी, बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ प्रदीप कुमार महतो, मुखिया मो. रियाज खास तौर से उपस्थित थे. शिविर में सरकार की योजनाओं से संबंधित 22 स्टॉल लगाए गए थे. जिसमें ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन जमा किया.

रामानुजन जयंती पर हुई कई प्रतियोगिताएं

बाघमारा। राष्ट्रीय गणित दिवस पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बाघमारा में शुक्रवार को श्रीनिवास रामानुजन जयंती मनाई गयी. उद्घाटन प्राचार्य संतोष कुमार झा, आचार्य विवेकानंद ओझा, संजय सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. मौके पर बच्चों के बीच गणित दौड़, चित्रांकन एवं सूत्र लेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गई, मौके पर बच्चों ने गणित के मॉडल भी प्रस्तुत किये. मौके पर प्रभारी आचार्य संजय सिंह ने कहा कि महान भारतीय गणितज्ञ रामानुजन बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे.

'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को मिला लाभ

विभागों ने लगाए स्टॉल, जुटे ग्रामीण

संवाददाता। पीरटांड़

प्रखंड के मधुबन पंचायत में शुक्रवार को 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, बीडीओ मनोज कुमार, प्रमुख सबिता टुडू, उपप्रमुख महेंद्र माहतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. कार्यक्रम में सभी विभागों के द्वारा विभागवार स्टॉल लगाए गए थे. जहां लोगो के आवयश्कतानुसार आवेदन लिए गए. वहीं, उपस्थित पदाधिकारियों ने प्रखंड एवं अंचल के विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए स्टॉल का निरीक्षण कर स्टॉल में उपस्थित कर्मियों को शिविर में उपस्थित लाभुकों का सहयोग करने का निर्देश दिया.

विधायक समेत अन्य वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग को समाज की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए ही कार्यक्रम आयोजित कर रही है. कहा कि प्रखंड एवं अंचल के शिविर में उपस्थित कर्मी ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें.

ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें ताकि आमजनों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके. बताते चले की शिविर में अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, आदि का स्टाल लगाया गया था. जहां अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई. वही कार्यक्रम में सबसे अधिक अबुआ आवास योजना के स्टॉल में लोगों की भीड़ देखी गई. कार्यक्रम को सफल बनाने में उपमुखिया, वार्ड सदस्य, मुखिया प्रतिनिधि,सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा.

शिविर में उत्साहित दिखे ग्रामीण

बेंगाबाद। 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को बेंगाबाद प्रखंड के तेलोनारी पंचायत में शिविर का आयोजन हुआ. शिविर का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख मीना देवी, बीडीओ निशा कुमारी, पंचायत की मुखिया प्रियंका कुमारी, जिला परिषद सदस्य केदार हाजरा ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. शिविर को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिला.

शिविर में काफी संख्या में पंचायत वासियों ने विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा किये. शिविर में 13 स्कूली बच्चों के बीच साइकिल का चेक वितरण किया गया. जबकि जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं के बीच आईडी कार्ड एवं अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया. बताया गया कि शिविर में अबुआ आवास के लिए सबसे अधिक 800 आवेदन जमा हुए. जबकि सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन, मुख्यमंत्री पशुधन, राशन कार्ड सहित अन्य योजनाओं को मिलाकर लगभग 1000 आवेदन जमा किया गया.

कसमार के सोनपुरा में जमा हुए सैकड़ों आवेदन

कसमार। प्रखंड के सोनपुरा पंचायत में शुक्रवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इस दौरान शिविर में लगाए विभिन्न विभागों के स्टॉल में सैकड़ों ग्रामीणों के आवेदन जमा हुए. शिविर में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 34, जन्म मृत्यु निबंधन के 16, मनरेगा में 100, जॉब कार्ड के लिए 99, निर्वाचन विभाग में 1, कल्याण विभाग में 4, कृषि विभाग में 13, आयुष्मान कार्ड 31, दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए 1, अबुआ आवास के लिए 453, पशुपालन विभाग में 130, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 3 आवेदन प्राप्त हुए. जबकि शिविर में 90 लोगों के स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें चिकित्सकीय सलाह दी गई एवं दवा वितरण किया गया. इस दौरान विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी हुआ. शिविर में मौजूद स्थानीय विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने विभागों के स्टॉल पर जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. मौके पर प्रमुख नियोती कुमारी, बीडीओ अनिल कुमार, सीओ सुरेश कुमार सिन्हा, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम, स्थानीय मुखिया चंद्रशेखर हेम्ब्रम, स्थानीय पंसस, चिकित्सा प्रभारी डॉ. बीपी गुप्ता, चिकित्साकर्मी संतोष कुमार महतो, आनंद नायक, अंबुज महतो, अंचलकर्मी किशोर कांत, जॉर्ज मालतो, मनरेगा बीपीओ मोहित कुमार आदि मौजूद थे.

इसरी बाजार उत्तरी व दक्षिणी पंचायत में लगा शिविर

डुमरी। सरकार आपके द्वार के तहत शुक्रवार को इसरी बाजार उत्तरी एवं दक्षिणी पंचायत में शिविर आयोजित किया गया. शिविर का उद्घाटन मंत्री पुत्र अखिलेश महतो, प्रमुख उषा देवी बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, बीडीओ अन्वेषा ओना, सीओ शशिभूषण वर्मा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, मुखिया किरण कुमारी एवं सीताराम तुरी आदि ने संयुक्त रुप से फीता काट कर किया. शिविर में अबुआ आवास के लिए अधिक आवेदन मिले.अतिथियों ने सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप, भू-राजस्व से जुड़े मामले, दाखिल खारिज, रसीद कटाने,मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभुकों से इसका लाभ उठाने की अपील की.

पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार पहुंचे जरीडीह

संवाददाता। बोकारो

जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में शुक्रवार को भी 'सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसी क्रम में जरीडीह प्रखंड अंतर्गत बांधडीह दक्षिणी पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम के जिला प्रभारी पदाधिकारी सह पथ निर्माण एवं भवन निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी. समेत जिला स्तरीय पदाधिकारीगण शामिल हुए. मौके पर अपर समाहर्ता मेनका, बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी शैलेश कुमार, व अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे.

वैदिक गणित से जुड़ी प्रतियोगिताओं में छात्रों ने लिया हिस्सा

गावां। प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पिहरा में श्री निवास रामानुजन जयंती को गणित दिवस के रूप में मनाया गया. इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. बच्चों के बीच गणित से संबंधित प्रोजेक्ट निर्माण, वैदिक गणित से संबंधित प्रतियोगिताओ का आयोजन हुआ. मौके पर विचार व्यक्त करते हुए प्राधानाचार्य बिनोद पांडेय ने कहा कि रामानुजन धार्मिक एवं शांत स्वभाव के बालक थे. मौके पर सचिव मनोज कुमार गुप्ता, राजेन्द्र विश्वकर्मा, राधेश्याम, कमलकिशोर सिंह, श्यामसुंदर सिंह, कौशल किशोर सोनू, मुन्ना कुमार, चंचला देवी, प्रियंका कुमारी एवं रजनी गुप्ता समेत विद्यालय के शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे.

क्रिसमस पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम हुए प्रस्तुत

सभी धर्मों के प्रति प्रेम का भाव रखना चाहिए : प्राचार्य

संवाददाता। गिरिडीह

जिले के बनियाडीह स्थित सीसीएल डीएवी पब्लिक स्कूल में क्रिसमस पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान बच्चों द्वाराकई आकर्षक आर्ट एंड क्राफ्ट बनाए गए एवं केक भी काटा गया.

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य भैया अभिनव कुमार ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमें सभी धर्मों के प्रति प्रेम का भाव रखना चाहिए, जो दुखी हैं उनको गले लगाना चाहिए. इस कार्यक्रम की सफलता में एस रब्बानी, अर्जुन कुमार, अस्मिता डे, संगीता कुमारी एवं विद्यालय के सभी शिक्षक गण मौजूद रहे.

ईश्वर के प्रति बच्चों को आस्था बनाए रखने की सीख दी

जमुआ। टीकामगघा स्थित संत जोसेफ स्कूल में शुक्रवार को नए वर्ष तथा क्रिसमस के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों तथा बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. बच्चों ने कई प्रकार के नृत्य, नाटक तथा गाने प्रस्तुत किए. इन सभी के साथ-साथ फादर स्टीफन ने बच्चों को सच्चाई और अच्छाई की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने ईश्वर के प्रति बच्चों को आस्था बनाए रखने की सीख दी ताकि बच्चे अपने जीवन को सार्थक बना सकें. कार्यक्रम को फॉदर स्टीफन तथा सिस्टर संगीता के नेतृत्व में संपन्न किया गया.

अबुआ आवास | मामले को लेकर एक-दूसरे पर दुर्व्यवहार करने का आरोप

मुखिया और पंचायत समिति सदस्य के बीच नोक-झोंक

संवाददाता। बेंगाबाद

अबुआ आवास के लाभुक चयन मामले को लेकर बेंगाबाद प्रखंड के हरिला पंचायत के मुखिया और पंचायत समिति सदस्य के बीच नोकझोंक हो गई. मामले को लेकर दोनों ने एक दूसरे पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए बेंगाबाद थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल बेंगाबाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. इस संबंध में हरिला पंचायत के मुखिया सुधीर रजवार ने पंचायत समिति सदस्य आरती देवी के पति रेनुलाल नाग पर गंभीर आरोप लगाया है. जबकि पंसस अनिता देवी ने मुखिया पर गाली-गलौज करने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है.

> पंसस पति रेनुलाल नाग उत्क्रमित मध्य विद्यालय गादी में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं. इसके बावजूद वह पंचायत में ओछी राजनीति करते हैं. मुखिया ने पंसस पति पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया है. कहा कि पंसस पति के कारण अबुआ आवास सर्वे का काम बाधित हुआ है.
>
> –सुधीर रजवार, मुखिया

जान से मारने की धमकी दी : मुखिया

मुखिया सुधीर रजवार ने अपने आवेदन में कहा है कि गुरुवार 21 दिसंबर को वह पंचायत में अबुआ आवास के लिए लाभुक चयन को लेकर गठित कमेटी के सदस्य पंचायत सचिव, पंचायत समिति सदस्य और रोजगार सेवक के साथ सर्वे का काम कर रहे थे. इसी दौरान पंसस पति जो पेशे से सहायक शिक्षक हैं वह जांच स्थल पर पहुंचे और सर्वे डेटा का आईडी एवं पासवर्ड मांगने लगें. आईडी पासवर्ड देने से इनकार करने पर पंसस पति भड़क गए और मेरे साथ गाली-गलौज करने लगे. मुखिया ने आरोप लगाया है कि पंसस पति ने उन्हें जाती सूचक शब्द बोलते हुए जान से मारने की धमकी दी है. पंसस पति ने कहा कि अगर उनके मुताबिक अबुआ आवास का लाभ नहीं दिया गया तो वह पंचायत में मुखिया का काम शांति से नहीं करने देंगे. मुखिया सुधीर रजवार ने बताया कि पंसस आरती देवी और उनके पति ने उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी है. इधर पंसस आरती देवी का कहना है कि मुखिया सुधीर रजवार ने उन्हें गठित कमेटी में नहीं रखने की धमकी दी है. मुखिया द्वारा उनके साथ ही गाली-गलौज किया गया है.

गणित से घबराएं नहीं : डॉ. सतीश्वर

संवाददाता। गिरिडीह

राष्ट्रीय गणित दिवस पर बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल में शुक्रवार को श्रीनिवास रामानुजन जयंती मनाया गया. विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष डॉ. सतीश्वर प्रसाद सिन्हा, कोकिलचंद एवं अजीत मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर महान गणितज्ञ रामानुजन पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

कार्यक्रम की प्रस्तावना अनिल कुमार एवं संचालन अरविंद त्रिवेदी ने किया. इस मौके पर बहन मीतश्री, अंकिता कुमारी, परिणीता, प्रिया ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर बच्चों के बीच गणित दौड़, चित्रांकन, सूत्र लेखन की प्रतियोगिता हुई. वहीं बच्चों ने गणित के मॉडल भी प्रस्तुत किया. मौके पर डॉ. सिन्हा ने कहा कि महान भारतीय गणितज्ञ रामानुजन बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे. अपने 32 वर्ष के जीवन काल में गणित के क्षेत्र में उन्होंने जो कार्य किया उसे सिद्ध करने के लिए दुनिया भर के गणित के विद्वान आज भी जुटे हुए हैं. कहा कि शून्य और अनंत जैसी गणितीय खोजें ना हुई होती तो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के जिन शिखरों पर मानव सभ्यता आज खड़ी है वहां तक पहुंचना शायद संभव नहीं हो पाता.

गणित दिवस पर कसमार प्लस टू स्कूल में हुए कार्यक्रम : कसमार। स्थित प्लस टू हाई स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गणित विषय की महत्ता से संबंधित बेहतरीन कार्यक्रम पेश किये. प्रार्थना सभा में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने सभा मंच पर बने विशेष बोर्ड पर गणित के सूत्रों को लिखकर अपने गणित ज्ञान को आजमाया.

ब्रीफ खबरें

वीआईपी कोटा से टिकट लेने का आरोपी गिरफ्तार

रांची। पुरुलिया सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो का पीएस बनकर रांची रेल डिवीजन से वीआईपी कोटा से हमेशा टिकट लेने वाले एक आरोपित को सीनियर डीसीएम निशांत कुमार ने शुक्रवार को पकड़ा. इसके बाद आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने पुरुलिया के सांसद का फर्जी पीएस को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपित का नाम नवाई उर्फ नवनीधर मुखर्जी बताया गया है. वह पुरुलिया का रहने वाला है. उसे आरपीएफ ने जगरनाथपुर थाने को सौंप दिया है. पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि चक्रधरपुर में एक अधिकारी से इसका संबंध है, जिससे वह टिकट कंफर्म कराया करता था. पहले भी टिकट सांसद के नाम पर कराया करता था. अब पूरे मामले की जांच की जा रही है साथ ही सारा कॉल डिटेल निकाला जाएगा.

मोबाइल छिनतई गिरोह का एक बदमाश धराया

हजारीबाग। सदर थाना पुलिस ने मोबाइल छिनतई गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. न्यायिक हिरासत में भेजा गया आरोपी मो आकिब सरदार चौक का रहने वाला है. यह जानकारी सदर थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर ललित कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने एक युवक से सरकारी बस स्टैंड के आगे कैनरी हिल होटल के पास मोबाइल छिनतई की घटना को अंजाम दिया था. इस मामले में पीड़ित ने सदर थाना मामला दर्ज किया गया था. इस संबंध में कांड संख्या 521/ 23 दर्ज किया गया है. पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. उसके पास से छिनतई का मोबाइल भी बरामद किया गया है.

खूंटी में पीएलएफआई के दो नक्सली गिरफ्तार

खूंटी। नक्सली संगठन पीएलएफआई से जुड़े दो नक्सलियों को खूंटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार दोनों नक्सली विगत एक वर्ष से फरार चल रहे थे और आधा दर्जन नक्सली कांडों में सोम पूर्ति उर्फ चोम उर्फ चोमो और जीवन बोदरा उर्फ जीव उर्फ जीवी की संलिप्तता रही है. दोनों नक्सलियों के खिलाफ मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत हथियार के बल पर लेवी वसूलना और व्यापारियों से जबरन लेवी वसूली समेत कई मामले दर्ज हैं. डीएसपी अमित कुमार ने एक प्रेस रिलीज जारी कर गिरफ्तारी का खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि एसपी को मिली गुप्त सूचना और गठित मुरहू पुलिस की टीम ने उस वक्त दोनों को गिरफ्तार किया जब वह अपने घर पहुंचे थे.

झाप्रसे के 37 अफसरों को मिलेगा प्रमोशन

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा के 37 अफसरों को जल्द ही प्रमोशन मिलेगा. मुख्य सचिव एल ख्यांगते की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट भवन कार्यालय में शुक्रवार को हुई बैठक में इस पर सहमति बनी. अब राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस पर सहमति ली जायेगी. इसके बाद अधिसूचना जारी की जायेगी. जिन अफसरों को प्रमोशन मिलेगा उनमें अपर समाहर्ता कोटि से संयुक्त सचिव एवं समकक्ष कोटि में 14 अफसर शामिल हैं. संयुक्त सचिव से अपर सचिव कोटि में 14 और अपर सचिव से विशेष सचिव कोटि में नौ अधिकारी शामिल हैं. बैठक में विकास आयुक्त अरुण कुमार, श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा और कार्मिक विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे.

हुक्का बार में पुलिस ने की छापेमारी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित एक बार में हुक्का का एक वायरल वीडियो के लेकर भाजपा नेता अंकित आनंद ने मुख्यमंत्री को ट्वीट कर कार्रवाई की मांग की थी. इधर, ट्वीट के बाद जिला पुलिस हरकत में आई और तत्काल बार में छापेमारी की. हालांकि पुलिस को छापेमारी में कुछ भी हाथ नहीं लगा. भाजपा नेता अंकित आनंद ने ट्वीट में बताया था कि राज्य में हुक्का पर प्रतिबंध घोषित है, लेकिन जमशेदपुर के कई बार और रेस्टोरेंट में इसे बेधड़क परोसा जा रहा है. ट्वीट में कहा गया है कि शहर के एक चर्चित बार एंड रेस्टोरेंट ने तो बकायदा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के मार्फत इंस्टाग्राम पर हुक्का परोसे जाने संबंधित विज्ञापन, प्रोमोशनल वीडियो जारी करवाया है.

प्रेमिका की दूसरी जगह शादी होने से युवक ने लगाई फांसी

संवाददाता । जमशेदपुर

मानगो एनएच-33 दलमा बेस कॉलोनी के रहने वाले मुन्ना शर्मा के इकलौते पुत्र विवेक शर्मा (38) ने शुक्रवार सुबह 5 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. फांसी लगाने के पूर्व विवेक ने अपने व्हाट्सएप के स्टेटस और इंस्टाग्राम में रस्सी का फंदा लगाकर फोटो शेयर किया. मुन्ना शर्मा की चार बेटियां और एक पुत्र विवेक शर्मा था जो काल के गाल में समा गया. बताया जाता है कि विवेक शर्मा एक बैंक में मैनेजर के पोस्ट में कार्यरत लड़की से विवाह करना चाहता था. लेकिन उसके परिवार वाले विवाह के लिए राजी नहीं हो रहे थे. इसी बीच लड़की का विवाह कहीं और हो गया. इसके बाद से ही विवेक शर्मा मानसिक अवसाद में चल रहा था. घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

मृतक विवेक शर्मा की फाइल फोटो

शोकाकुल परिवार से मिले लोग : विवेक शर्मा के पिताजी मुन्ना शर्मा समाजसेवी है एवं मुन्ना गराज दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष भी रहे हैं. जानकारी मिलने पर काफी संख्या में स्थानीय लोग मुन्ना शर्मा के घर पहुंचे और दुख जताया. विश्वकर्मा समाज के लोगों के साथ-साथ भाजपा नेता विकास सिंह, अमरिंदर पासवान सहित कई समाजसेवी उनके आवास पर जाकर शोकाकुल परिवार से मिले और शोक प्रकट किया.

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दो युवकों पर एफआईआर दर्ज

साहिबगंज। उधवा प्रखंड राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. मामले को लेकर नाबालिग किशोरी ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है. मामले को लेकर शुक्रवार को राधानगर थाना पुलिस ने गोड्डा जिला के महागामा थाना क्षेत्र के इमरान अंसारी व उसके भाई मुश्ताक अंसारी पर पोक्सो एक्ट समेत 376, 504 और 198/23 के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है. आरोप है कि दोनों ने मिलकर उसके साथ सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया है. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित ने उसे धमकी देते हुए चुप रहने की बात कही. आरोपित ने कहा कि किसी से शिकायत करने पर जान से मार देंगे. वहीं नाबालिग किशोरी ने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल मामले को लेकर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

आओ जानें

झारखंड में बढ़े साइबर अपराध के मामले

जिला	मामला	जिला	मामला
धनबाद	406	सरायकेला	154
गिरिडीह	224	सिमडेगा	44
हजारीबाग	348	देवघर	405
जमशेदपुर	384	गोड्डा	115
पलामू	170	गुमला	92
रांची	1432	लोहरदगा	45
साहिबगंज	91	चतरा	105
दुमका	120	गढ़वा	80
चाईबासा	90	कोडरमा	72
बोकारो	150	खूंटी	48
लातेहार	161	रामगढ़	177
जामताड़ा	345	पाकुड	83

खूंटी के अड़की थाना क्षेत्र के कदल सकेड़ा गांव की घटना

अपराधियों ने युवक को धारदार हथियार से काट डाला, हुई मौत

संवाददाता। खूंटी

जिले के अड़की थाना क्षेत्र में जहां अपराधियों ने एक युवक की निर्मम हत्या कर दी. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. बता दें कि खूंटी के अड़की थाना क्षेत्र के बोहंडा टोला के कदल सकेड़ा गांव में 27 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई. अपराधियों ने पहले युवक की पिटाई की, उसके बाद धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी. इस हत्याकांड को गुरुवार देर रात अंजाम दिया गया. युवक का नाम जीवन हेम्ब्रम है. वो अपने घर में सो रहा था कि अचानक आधा दर्जन अपराधी पहुंचे और घर से निकाल कर पहले उसकी पिटाई करने लगे. उसके बाद हथियार से काटकर हत्या कर दी. हत्या करने के बाद अपराधियों ने उसे पत्थर से कूच दिया. शुक्रवार को घटना की जानकारी अड़की पुलिस को ग्रामीणों ने दी.

सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि गुरुवार देर रात एक युवक की हत्या किए जाने की सूचना मिली. सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुट गई है. उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आपसी विवाद में हुई हत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है. डीएसपी ने बताया कि पत्नी के लिखित आवेदन पर अड़की थाने में एफआईआर दर्ज कराई जा रही है. एफआईआर के बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम बनाई जाएगी और जल्द ही कारणों सहित हत्याकांड में शामिल अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया जाएगा.

जंगली हाथियों ने अधेड़ को कुचलकर मार डाला

डुमरी (गिरिडीह)। जंगली हाथियों के झुंड ने गुरुवार की रात डुमरी प्रखंड के तेलियाटुंडा गांव निवासी डीलो साव (45 वर्ष) को कुचल कर मार डाला. जानकारी मिलते ही डुमरी थाना पुलिस गांव पहुंची और शव को थाना ले गई. कागजी प्रक्रिया के बाद शव को शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया.

इधर, वन विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को मुआवजा के तौर पर तत्काल 40 हजार रुपये नकद दिए गए. साथ ही सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा की शेष राशि का भुगतान शीघ्र करने का आश्वासन दिया. मौके पर वन कर्मी सुमित कुमार भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू आदि उपस्थित थे. मृतक के पुत्र महेश साव ने थाना में आवेदन देकर घटना की पूरी जानकारी देते हुए कहा कि हाथियों ने उसके खलिहान में रखे हजारों रुपए मूल्य का धान नष्ट कर दिया. भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने घटना की जानकारी उपायुक्त को देते हुए उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है.

जानलेवा हमले के आरोपी को 4 साल की सजा

- प्राथमिकी 29 जनवरी 2021 को अमितोष कुमार के शिकायत पर भूली थाने में दर्ज की गयी थी

संवाददाता। धनबाद

जानलेवा हमला करने के एक मामले में शनिवार को धनबाद के सहायक सत्र न्यायाधीश राजीव त्रिपाठी की अदालत ने आरोपी पिता-पुत्र भूली निवासी नीतीश कुमार, सतीश कुमार, अधिक यादव एवं सरयू यादव को हमले का दोषी करार देते हुए चार वर्ष की कारावास एवं पैंतालीस हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. प्राथमिकी 29 जनवरी 2021 को अमितोष कुमार के शिकायत पर भूली थाने में दर्ज की गई थी.

प्राथमिकी के मुताबिक 28 जनवरी 2021 को 7:00 बजे सुबह उसके घर के लोग अपने घर के सामने जानवर बांध रहे थे कि इस क्रम में झालो देवी, शोभा देवी, टुन्नी देवी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ. विवाद में शोभा देवी, टुन्नी देवी द्वारा सूचक के मां को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया. अमितोष अपनी मां को लेकर भूली थाना गया, जब वह वापस लौट रहा था तो पहले से घात लगाकर बैठे उपरोक्त आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से रड से उसके ऊपर हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल अवस्था में उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 14 जुलाई 2021 को उपरोक्त के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किया था. 02 अगस्त 2022 को आरोप तय किए जाने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. सहायक लोक अभियोजक उमेश दीक्षित ने इस मामले में पांच गवाहों का परीक्षण कराया था.

विधायक ढुल्लू महतो नहीं हुए हाजिर

धनबाद। भाजपा की पूर्व महिला नेत्री के साथ दुष्कर्म की कोशिश के मामले में शुक्रवार को बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के विरुद्ध सुनवाई हुई. इस मामले में सहायक लोक अभियोजक समित प्रकाश ने गवाह पेश नहीं किया. धनबाद एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. जिला भाजपा की पूर्व महिला पदाधिकारी ने विधायक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

गिरिडीह में तीन लाख की अवैध माइका जब्त

गिरिडीह। वन प्रमंडल के जमुआ रेंजर ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार की सुबह अवैध माइका-ढिबरा लोड ट्रक पकड़ा है. रेंजर सुरेश रजक ने ट्रक को टीम के साथ जमुआ-कोडरमा मुख्य मार्ग के चितरडीह रोड पर जब्त किया. हालांकि, ट्रक चालक फरार हो गया. रेंजर सुरेश रजक के मुताबिक ट्रक में लोड ढिबरा की कीमत तीन लाख के करीब है. माइका के अवैध कारोबारी जिले के तिसरी के वन भूमि से इस ट्रक में ढिबरा लोड कर शहर के किसी बड़े माइका एक्सपोर्ट फैक्टरी में भेजा जा रहा था. रेंजर ने बताया कि पता लगाया जा रहा है कि किसके इशारे पर ढिबरा लोड कर शहर के किस माइका फैक्टरी भेजा जा रहा था. फिलहाल, अज्ञात ढिबरा तस्कर, ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है.

पासबुक और एटीएम भेजने के नाम पर ठगा 2700 रुपये

संवाददाता। चांडिल

ऑनलाइन ठगी करने का नया-नया तरीका और मामला आए दिन प्रकाश में आता रहता है. चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के तिरुलडीह में ऐसा ही ऑनलाइन ठगी करने का एक मामला प्रकाश में आया है. यहां एक नर्सिंग होम में काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मी से ठगों ने एयरटेल पैमेंट बैंक का पासबुक और एटीएम भेजने की बात कहकर 27 सौ रुपये खाते से निकाल लिए. इस संबंध में पीड़ित मिठुन गोप ने तिरुलडीह थाना में लिखित शिकायत किया है.

कार्रवाई करने का आग्रह : थाना को दिए पत्र में मिठुन ने बताया कि मोबाइल नंबर 9234861953 से उनके नंबर 9749063263 पर कॉल आया कि उनके एयरटेल पैमेंट बैंक का एटीएम कार्ड व पासबुक आया है, इसके लिए लोकेशन टैग करने की जरूरत है. फोन पर पूछे जाने वाले कुछ जानकारी देना होगा. इसके बाद 30 सेकेंड तक वीडियो कॉल पर रहने के लिए कहा गया. इसी दौरान उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके खाते से 27 सौ रुपये काट लिया गया है. उन्होंने इस संबंध में कार्रवाई करने का आग्रह किया है.

जान लेने वाला स्कार्पियो वाहन बक्सर से बरामद

दारु (हजारीबाग)। दारु थाना क्षेत्र के काबलासी पंचायत के ग्राम तीउज निवासी नाबालिग युवक श्यान कुमार सिंह पिता राकेश कुमार सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी. जिस वाहन से युवक की मौत हुई थी वो पुलिस ने बक्सर से जब्त कर लिया है. घटना इसी साल 13 नवंबर की है जब साइकिल से जा रहे 9वीं वर्ग के छात्र श्यान की स्कार्पियो वाहन संख्या बीआर 03पीए 3554 मारकर फरार हो गया था. जिसमें नाबालिग की जान चली गयी थी. इस मामले की जांच दारु थाना प्रभारी अमित कुमार और एएसआई रंजीत सिंह वाहन को बिहार के बक्सर से जब्त कर थाने ले लाये. मृतक के पिता और परिजनों ने भी इसके लिए काफी प्रयास किया था और रास्ते के कई सीसीटीवी फुटेज की जांच कर पुलिस को सौंपा था. गाड़ी जब्त होने के बाद नाबालिग युवक के पिता और परिजनों ने दारु थाना पुलिस को इसके आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है.

पुलिस ने 41 गोवंश जब्त कर चार को गिरफ्तार किया

संवाददाता। गिरिडीह

बिरनी थाना पुलिस ने शुक्रवार को गोवंश से लोड एक ट्रक को जब्त किया. जब्त ट्रक से पुलिस ने 41 गोवंश और बछड़ों को बरामद किया, जबकि मौके पर से चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के भोजपुर देवचंदा गांव निवासी सतेन्द्र यादव है. जो ट्रक का चालक बताया जा रहा है. वहीं, तीन आरोपियों में कोडरमा के डोमचांच निवासी अनिल कुमार, बिहार के नवादा के मुफ्फसिल थाना इलाके के पूरनाडीह गांव निवासी साजन कुमार और रोहित कुमार शामिल है. बिरनी पुलिस ने एसपी को मिले गुप्त सूचना के आधार पर विराजपुर गांव के समीप वाहन जांच अभियान लगाया था. इसी दौरान धनवार की ओर से आ रहे ट्रक को जांच किया गया. हालांकि पुलिस की गाड़ी देख तस्कर अपने ट्रक को लेकर फरार होने का प्रयास करने लगे. लेकिन जवानों ने खदेड़ कर ट्रक समेत चारो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया.

अभिभावक ने दो बच्चों के झगड़े में एक को पीटा

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बगदेडीह में मामूली बात पर 5वीं कक्षा के छात्र पंकज कुमार व सुमित कुमार आपस में झगड़ गए. सुमित कुमार ने घर जाकर अपनी मां से इस बाबत शिकायत की. मां गुस्से में स्कूल पहुंची और कैंपस में ही पंकज कुमार की बेरहमी से पिटाई कर दी. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल बच्चे के माता-पिता उसे इलाज के लिए गावां के एक निजी क्लीनिक में ले गए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बाहर ले जाने की सलाह दी. आनन-फानन में परिजन बच्चे को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गावां पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे गिरिडीह रेफर कर दिया. सीएचसी के डॉ काजिम ने बताया कि बच्चे के सिर में गंभीर चोट लगी है. घायल बच्चे के पिता दिलीप रविदास ने गावां थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है.

कच्चा कोयला लदा ट्रक जब्त

संवाददात। चौपारण

खास बातें

- पुलिस ने चालक को भी किया गिरफ्तार
- धनबाद से बिहार और उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा था

चौपारण पुलिस ने गुरुवार की देर रात वाहन जांच के दौरान कोयला लदे एक ट्रक को जब्त किया है. पुलिस ने उसके चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है. इस संबंध में चौपारण थाना प्रभारी शंभूनंद ईश्वर ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत कुछ दिनों से पुलिस कप्तान को सूचना मिल रही थी कि कोयला तस्कर धनबाद से हजारीबाग के रास्ते अवैध कोयला ट्रकों में लादकर बिहार और उत्तर प्रदेश की मंडियों में भेज रहे हैं. उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए अवैध कोयला के व्यापार एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए टीम गठित की गई. गठित टीम ने गुरुवार की रात में कोयला लदे सभी ट्रकों की चोरदाहा चेक पोस्ट पर जांच की. जांच के क्रम में ट्रक आते दिखाई दिया, जिसे सशस्त्र बल ने रुकने का इशारा किया. लेकिन ट्रक चालक अपनी गाड़ी लेकर भागने का प्रयास करने लगा. जिसे सशस्त्र बलों ने पीछा कर पकड़ लिया. पकड़े गये चालक ने बताया कि धनबाद के वन क्षेत्र से ट्रक मालिक राजेन्द्र यादव के कहने पर कोयला तस्कर विकास चौधरी के द्वारा अवैध कोयला को ट्रक पर लोड कराया गया था. जिसे मैं धनबाद से लेकर बिहार जा रहा था. ट्रक पर लदे अवैध कोयला को विधिवत जब्त कर थाना लाया गया. इस संबंध में चौपारण थाना में कोयला खान अधि. तथा भारतीय वन अधिनियम दर्ज किया गया. उक्त अवैध कोयला के कारोबार में संलिप्त ट्रक चालक बबलू कुमार पिता स्व. मुंशी यादव गोलवाढाह थाना डोमचांच जिला कोडरमा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेज दिया गया. वहीं, कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध साक्ष्य संकलन कर छापेमारी की जा रही है.

अदालत रातू निवासी अम्मार अंसारी की हत्या मामले में अपर न्यायायुक्त सज्जाद ने सुनाई सजा

हत्या के तीन आरोपी दोषी करार, फैसला तीन को

संवाददाता। रांची

अपर न्यायायुक्त एसएम सज्जाद की अदालत ने शुक्रवार को रातू निवासी अम्मार अंसारी की हत्या के तीन आरोपियों मो. तौकीर खान, छोटू खान और मो. इसराफिल को दोषी करार दिया है. सजा की बिंदु पर तीन जनवरी को सुनवाई होगी. मामले में प्रभारी लोक अभियोजक मिनाक्षी कंडुलना ने अभियोजन की ओर से नौ गवाह पेश किये जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया. मामला वर्ष 2018 का है. इस संबंध में रातू थाना में मृतक के पिता ने नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी. दो अभियुक्तों मो. तौकीर खान और छोटू खान को घटना के बाद ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, उसी समय से दोनों जेल में है जबकि मो. इसराफिल बेल पर था. दोषी करार दिये जाने के बाद अदालत ने उसे हिरासत में लेने का आदेश दिया. उसे हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया.

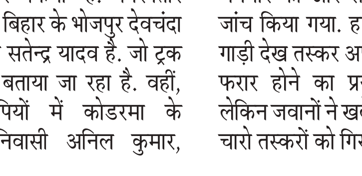

क्या है मामला : 29 दिसंबर, 2018 की शाम सात बजे अम्मार अंसारी को चाय पीने की बात बोलकर मो. तौकीर खान अपने साथ ले गया. दूसरे दिन यानी 10 दिसंबर को अम्मार अंसारी का शव सिमलिया के हाजी चौक पर मिला. पुलिस ने मृतक के दोस्त तौकीर को गिरफ्तार किया. उसने बताया कि वह और उसके दो दोस्तों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी थी. उसकी निशानदेही पर छोटू खान तथा मो. इसराफिल को गिरफ्तार किया गया. तीनों को जेल भेज दिया गया था. बाद में मो इसराफिल को जमानत मिल गई थी.

संजय सिंह हत्या मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र अन्तर्गत मास्टर मोहल्ला गांधी स्कूल रोड निवासी संजय सिंह हत्या मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. वहीं अन्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. ज्ञात हो कि 14 दिसंबर को दो पड़ोसियों के बीच रास्ते विवाद को लेकर हुई मारपीट में संजय कुमार सिंह पिता स्व. गीता प्रसाद सिंह को गंभीर चोट लगने के बाद रांची में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी. इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने प्रेस बयान जारी कर बताया की इस मारपीट में शामिल राज कपूर एवं प्रेम कपूर दोनों के पिता कैलाश प्रसाद यादव में से एक अभियुक्त राज कपूर पिता कैलाश प्रसाद यादव को गिरफ्तार किया गया है. शेष की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है. इस संदर्भ में तिलैया थाना में दिनांक 15 दिसंबर 23 को एक मामला दर्ज किया गया था.

हनुमान मंदिर से 10 लाख के आभूषण और नगद की चोरी

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के रसिकपुर स्थित हनुमान मंदिर से गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर लगभग 10 लाख के आभूषण व नगद चोरी कर ली. इसकी सूचना पाकर शुक्रवार की सुबह थाना प्रभारी संतन कुमार तिवारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पुजारी शिव शंकर पांडे से चोरी से संबंधित विस्तार पूर्वक जानकारी ली. उन्होंने बताया कि मंदिर में अष्टधातु की दो गोपाल मूर्तियां, दुर्गा मूर्ति, 8 बाली, चांदी के मुकुट, 4 कड़ा, 2 चरण पादुका, दान पेटी 2, लैपटॉप 1, पूजा के बर्तन समेत नगद और घर में रखे अलमीरा तोड़कर 1 लाख की चोरी हुई है. जानकारी हो कि फिर एक बार एक चोर गिरोह सक्रिय हो गया है. थाना प्रभारी संतन कुमार तिवारी ने कहा कि चोरी की सूचना पाकर पुलिस अपने स्तर से विभिन्न पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है. जल्द से जल्द मामले का खुलासा होगा.

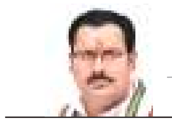

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष लग्न में चंद्रमा गुरु का योग है. समय बहुत ही उत्तम है. धन का आगमन होगा, पर यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें. अन्न दान करें.

वृषभ धार्मिक यात्रा का योग है. खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे. पर बहुत जल्दी आय के द्वार भी खुल रहे हैं. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. कोई छोटा निवेशादि लाभ देंगे.

मिथुन जल्दबाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. धन लाभ होगा. कुछ धर्म और सत्कर्म भी करेंगे. विवाद से बचें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. अधिक धन भी उन्माद का कारण बनता है. इस बात का ध्यान रखें. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम से वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. कुछ मानसिक तनाव हो सकता है. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी,किसी वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या समय को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है. थोड़ी दिक्क्त है, पर थोड़े समय के लिए. कोई कार्य या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है.

तुला व्यापार में खुलकर सामने आने का समय है. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. कार्य होगा पर दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक समय सामान्य है. नेत्र रोग से बचें. खान पान पर विशेष ध्यान रखें. रोग शत्रु से बचें. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यदि कोई छोटी यात्रा हो तो यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा.

धनु क्रोध से बचें. खास कर बच्चों से विशेष प्रेम करें. शिक्षा में सुधार होगा, पर ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है.निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. इसका लाभ आगे मिलेगा.

मकर रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. पर इसके लिए विशेष प्रयास करना होगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा.कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. पराक्रम सिद्ध करने का समय है.

कुंभ आने वाले समय में कुछ विवाद भी होगा. कार्य करें पर सजग रहें. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नौकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. आपके कार्य और प्रभाव से रुके हुए काम बन सकते है.

मीन धन आगमन के लिए दिन अच्छा है. धर्म में व्यय होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. कुछ हानि हो सकती है. मंदिर में दूध का दान करें.

कांग्रेस (अजा) के प्रखंड अध्यक्ष बने शेखर

घाटशिला। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी (अनुसूचित जाति विभाग) के जिला अध्यक्ष सुरेश मुखी ने शेखर नायक को घाटशिला प्रखंड कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष एवं भूषण मुखी को उपाध्यक्ष मनोनीत किया है. अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर राजस्टेट में एक सादा समारोह आयोजित कर शुक्रवार को अध्यक्ष उपाध्यक्ष का स्वागत किया गया. इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के बहरागोड़ा विधानसभा प्रभारी तापस चटर्जी ने दोनों को माला पहनकर स्वागत किया. उन्होंने दोनों पदाधिकारी से कहा कि संगठन मजबूती के लिए बेहतर काम करें तथा जल्द से जल्द संगठन का विस्तार करें. इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के कई बड़ी है नेता एवं कार्यकर्ता स्वागत समारोह में उपस्थित थे.

पलाशबनी पंचायत में सरकार आपके द्वार

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के पलासबनी पंचायत भवन परिसर में शुक्रवार को आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में विभिन्न योजनाओं से संबंधित परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. महिला समूह को लाखों का ऋण वितरण किया गया. इस दौरान अबुआ आवास योजना के 937 आवेदन जमा किए गये. इस अवसर पर प्रमुख गंगामनी हांसदा, उप प्रमुख चैतन मुर्मू, विधायक प्रतिनिधि मिर्जा सोरेन, बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के, बीस सूत्री उपाध्यक्ष नित्यानंद साव, मुखिया मालती मुर्मू ने लाभुकों के बीच वन पट्टा, कंबल आदि परिसंपत्तियों का वितरण किया.

पिता के निधन के बाद आंखें दान कीं

रांची। स्वतंत्र पत्रकार मंटू जायसवाल के 85 वर्षीय पिता, समाजसेवी शिक्षाविद आनंद राम भगत का निधन मंगलवार को हो गया. वे बुंडू पुराना बाजार टोली निवासी थे. उन्होंने जीवित अवस्था में ही अपनी आंखें दान करने का निश्चिय किया था. इनके निधन के बाद उनकी इच्छा के अनुसार दोनों आंखें कश्यप आई हॉस्पिटल को दान कर दिया गया. उनकी आंखों से दो लोगों को रोशनी मिलेगी. इनके निधन पर कई पत्रकारों ने गहरा दुख प्रकट किया है.

रणनीति : सटीक समीकरण, सही रणनीति और ईमानदार कोशिश हुई तो सिंदरी विधानसभा जेएमएम की झोली में आना मुश्किल नहीं

हेमंत के तीर, निशाने पर सिंदरी, पार्टी की दावेदारी मजबूत

पिछले दो विस चुनावों में तीसरे नंबर पर रह चुके हैं पार्टी के उम्मीदवार

रिजवान शम्स ।धनबाद

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का बलियापुर में कार्यक्रम की राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा है. राजनीतिक गलियारे में इस कार्यक्रम को सामान्य आयोजन के अलावा आगामी चुनावी रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है. कार्यक्रम के बहाने सिंदरी विधानसभा को साधने को तैयारी है. क्योंकि पिछले दो चुनावों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार ने तीसरे स्थान पर कब्जा जमाकर पार्टी के जनाधार की साख कायम रखी है.ऐसे में सही समीकरण, सटीक रणनीति और ईमानदार कोशिश हुई तो यह सीट पार्टी की झोली में गिरना कोई चमत्कार नहीं होगा.

शिबू सोरेन का पुराना ठिकाना रहा है बलियापुर : बात झारखंड मुक्ति मोर्चा की हो और दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जिक्र न हो तो बात अधूरी रह जाती है. बलियापुर से भी शिबू सोरेन का पुराना नाता रहा है, संघर्ष के दिनों के उतार- चढ़ाव में बलियापुर उनका ठिकाना होता था, शेख कटी (दिवंगत) समेत कई उनके करीबी साथी थे. इस कारण मुस्लिम बहुल इलाके में पार्टी की मजबूत पकड़ थी.

भाजपा विधायक की पत्नी संभाल रही मोर्चा

धनबाद । सिंदरी के वर्तमान विधायक इंद्रजीत महतो अपने स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से दूर हैं .लेकिन उनकी पत्नी ने बखूबी मोर्चा संभाल रखा है. पार्टी कार्यक्रम हो या कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी, वह बखूबी अपनी भूमिका निभा रही हैं. बावजूद इसके इंद्रजीत महतो की कमी बीजेपी को खलेगी.

विस चुनाव 2014

प्रत्याशी	वोट
1.फूलचंद मंडल	भाजपा-58623
2.आनंद महतो	मासस-52075
3.मनु आलम	जेएमएम-44045

विस चुनाव 2019

प्रत्याशी	वोट
1.इंद्रजीत महतो	भाजपा-80967
2.आनंद महतो	मासस-72714
3.फूलचंद मंडल	जेएमएम-33583

दस सालों में तीसरे पायदान पर रहे हैं जेएमएम उम्मीदवार

अब बात पिछले चुनाव की करते हैं .जहां बीजेपी के उम्मीदवार इंद्रजीत महतो ने मासस पार्टी के कद्दावर नेता आनंद महतो को शिकस्त दी थी. दोनों के बीच वोट का अंतर महज 8000 का था लेकिन इन दोनों के बीच झामुमो ने 15 परसेंट वोट शेयर कर खुद को तीसरे नंबर पर स्थापित रखा. मालूम हो कि इलाके के मुस्लिम वोटर झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार फूलचंद मंडल के साथ नहीं गए थे. क्योंकि मंडल भाजपा से यहीं के विधायक थे. मुस्लिम मतदाता सीधे तौर पर भाजपा को टक्कर देती पार्टी मासस यानी आनंद महतो के साथ चले गए थे. पूर्व में बीजेपी से विधायक होने का नुकसान जेएमएम के उम्मीदवार को झेलना पड़ा. बावजूद इसके 15 पर्सेंट वोट शेयर बताता है कि पार्टी के जमीनी वोटर आज भी जिंदा है. अब बात 2014 विधानसभा की करें तो इसमें भी झामुमो उम्मीदवार ने तीसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन यह मुकाबला काफी कड़ा और संघर्ष त्रिकोणीय था. तब बीजेपी के उम्मीदवार फूलचंद मंडल मात्र 5000 वोटों से जीते थे. तब भी दूसरे नंबर पर आनंद महतो ही थे .जबकि तीसरे स्थान पर झामुमो के उम्मीदवार मन्नू आलम थे. उन्हें 44045 वोट मिले थे. जबकि विजय उम्मीदवार मंडल ने 58623 वोट प्राप्त किया था. तब लगभग 14 हजार वोट से जेएमएम पिछड़ गया था.

आक्रोश मार्च : 151 सांसदों के निलंबन पर फूटा इंडिया एलायंस का गुस्सा

देश में सुरक्षित नहीं रह गया है लोकतंत्र और संविधान : ठाकुर

संवाददाता।रांची

इंडिया एलायंस के बैनर तले शुक्रवार को जिला स्कूल से राज भवन तक मोदी सरकार के विरोध में जन आक्रोश मार्च निकाला गया. विरोध मार्च राज भवन के समक्ष सभा में तब्दील हो गया. सभा की अध्यक्षता कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने की. झामुमो के विनोद पांडेय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के सर्वोच्च पंचायत संसद भवन के अंदर भाजपा के सांसद की अनुशंसा पर तांडव मचाया गया. वैसे सांसद पर कार्रवाई करने के बजाय विपक्षी सांसदों को सदन से निष्कासित कर दिया गया. इसे इंडिया एलायंस बर्दाश्त नहीं करेगी. वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि संसद की सुरक्षा में जो चूक हुई, उस पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को सदन में बयान देना चाहिए. यही लोकतंत्र की प्रक्रिया है. उन्होंने कहा कि बयान नहीं देना सदन का अपमान है. प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती है कि देश में बहुदलीय लोकतंत्र हो. उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि संसद में सुरक्षा की चूक कैसे हुई. कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि युवक संसद में कैसे पहुंच गए और जिनकी अनुशंसा पर वे संसद में पहुंचे, उनपर कारवाई क्यों नहीं हो रही है. इससे भाजपा की नीयत और नीति साफ पता चलती है. कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि देश में लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं रह गया है. हिटलर शाही चल रही है. सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा केंद्र की मोदी सरकार अडानी-अंबानी के इशारे पर कार्य कर रही है. महंगाई चरम पर है, देश में आपातकाल की स्थिति है, मोदी सरकार विपक्षी राज्य सरकारों को निशाना बना रही है. इंडिया एलायंस जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर सभी धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ सड़क पर शुक्रवार को उतरा. पूरे देश में जन आक्रोश मार्च निकाला गया. सभा को झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य, वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक, जनता दल के रंजन यादव, धर्मेंद्र महतो, आम आदमी पार्टी के हरी सिंह, तृणमूल कांग्रेस के फिलोमिन टोपनो ने भी संबोधित किया.

आक्रोश मार्च में ये थे शामिल : आक्रोश मार्च का नेतृत्व संयुक्त रूप से झामुमो के जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राकेश किरण, सीपीआई के अजय सिंह, राजद के धर्मेंद्र महतो, आपके संतोष रजक, टीएमसी के फिलोमिन टोपनो एवं माले के भुवनेश्वर केवट कर रहे थे. प्रदर्शन में मुख्य रूप से झामुमो के जिला सचिव हेमलाल महतो, शमसुल अंसारी, जितेंद्र गुप्ता, गोपाल पांडेय, कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा, महासचिव सुरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह,रमा खलखो, राजद के रंजन यादव, कमलेश यादव, सीपीआई के अजय सिंह, अशोक यादव आदि शामिल थे.

गिरिडीह में इंडिया गठबंधन का धरना

गिरिडीह। विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने शुक्रवार को गिरिडीह के जेपी चौक स्थित पुराना नगर निगम परिसर में धरना दिया. झंडा मैदान से केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता जेपी चौक पहुंचे और प्रदर्शन किया. धरना को संबोधित करते हुए गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष को भी सम्मान देने की परंपरा रही है. लेकिन संसद के दोनों सदनों में विपक्ष की आवाज बंद की जा रही है. देश में लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है. तानाशाही शासन का अंत होगा. क्योंकि अंधेरा जब सबसे घना हो, तभी सूरज निकलने वाला होता है. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि 145 सांसदों का निलंबन संविधान के अधिकारों का हनन है. आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा, कांग्रेस के प्रदेश सचिव अजय कुमार सिन्हा मंटू, माले नेता राजेश सिन्हा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह, जदयू जिला अध्यक्ष त्रिभुवन दयाल आदि ने भी विचार व्यक्त किए. धरना में गठबंधन के नेता व कार्यकर्ता शामिल थे.

30 दिसंबर से 16 जनवरी तक धनबाद गोमो से होकर गुजरनेवाली कई ट्रेनें रद्द

संवाददाता ।धनबाद

दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में हसनपर्ती रोड और उप्पल स्टेशन के बीच तीसरी लाइन के कमिशनिंग के मद्देनजर दोनों स्टेशन पर एनआई कार्य किया जा रहा है. जिसके कारण धनबाद व गोमो से होकर गुजरनेवाली कई ट्रेनों को 30 दिसंबर से 16 जनवरी के बीच अलग-अलग तिथियों को रद्द कर दिया गया है. धनबाद होकर गुजरनेवाली ट्रेन नंबर 12521 बरौनी-एर्नाकुलम एक्सप्रेस एक और 8 जनवरी और ट्रेन नंबर 12522 एर्नाकुलम-बरौनी एक्सप्रेस 5 और 12 जनवरी, ट्रेन नंबर 07007 सिकंदराबाद-रक्सौल स्पेशल 3 और 10 जनवरी, ट्रेन नंबर 07008 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल 5 और 12 जनवरी, ट्रेन नंबर 07051 हैदराबाद-रक्सौल स्पेशल 30 दिसंबर और 13 जनवरी, ट्रेन नंबर 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल 2, 9 व 16 जनवरी और गोमो होकर जानेवाली ट्रेन नंबर 03253 पटना-सिकंदराबाद स्पेशल 01, 03, 08 व 10 जनवरी, ट्रेन नंबर 07255 हैदराबाद-पटना स्पेशल 03 व 10 जनवरी, ट्रेन नंबर 07256 सिकंदराबाद-पटना स्पेशल 5 और 12 जनवरी को रद्द रहेगी.

1516 यात्रियों से 6 लाख 21 हजार जुर्माना वसूली : डीआरएम केके सिन्हा के निर्देश पर धनबाद रेल मंडल के ग्रैंडकॉर्ड और सीआईसी सेक्शन में विभिन्न ट्रेनों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना व सिंगरौली स्टेशनों पर स्पेशल टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान 1516 यात्रियों को पकड़ा गया. जिसमें बिना टिकट यात्रा करनेवाले, बिना उचित प्राधिकार और बिना बुक किये सामान लेकर चलने वाले यात्री शामिल हैं. पकड़ाये यात्रियों से 06 लाख 21 हजार 560 जुर्माना वसूली की गई. चेकिंग अभियान में 144 टीटीई के अलावा काफी संख्या में आरपीएफ के पदाधिकारी व जवान शामिल थे. इस अभियान का उद्देश्य टिकट काउंटर की बिक्री बढ़ाना, बिना टिकट के यात्रा करने वाले यात्रियों पर लगाम लगाना और यात्रियों को टिकट लेने के लिए प्रेरित करना है.

ओड़िया भाषायी विद्यालयों में समस्याएं को दूर करने की मांग

संवाददाता।रांची

ओड़िया भाषायी विद्यालयों में विभिन्न समस्याओं को दूर करने की मांग को लेकर गोलमुरी उत्कल समाज मध्य विद्यालय और गौड़ सेवा केंद्र खरसावां सरायकेला का एक संयुक्त प्रतिनिधि मंडल राज्य के अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा. इस मौके पर अध्यक्ष अनंत नारायण पाढ़ी ने कहा कि पूर्व में प्रचलित ओड़िया भाषा के विद्यालयों को पुनः चालू किया जाए. इनकी मांगों में ओड़िया बहुन क्षेत्र के मध्य विद्यालयों को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करना, ओड़िया विद्यालयों में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में टेट पास की बाध्यता समाप्त करने, ओड़िया भाषायी स्कूलों को अल्पसंख्यक घोषित करने, पहली से 12वीं तक के विद्यालयों में पुस्तक उपलब्ध कराने तथा शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में सामान्य वर्ग को 43 वर्ष और ओबीसी को 45 वर्ष तक की छूट शामिल है.

डीपीएस में सीबीएसई ने किया रीजनल लेवल साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

संवाददाता।रांची

दिल्ली पब्लिक स्कूल में सीबीएसई द्वारा दो दिवसीय रीजनल लेवल साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है. कार्यक्रम में पटना रीजन में शामिल झारखण्ड के 41 विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई.

प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक जिज्ञासा की व्यापकता और गहराई को दर्शाते हुए प्रदर्शनी के पांच विषयों स्वास्थ्य, जीवनशैली, कृषि, संचार और परिवहन व कम्प्यूटेशनल थिंकिंग पर आधारित कई मॉडलों को प्रदर्शित किया. वहीं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 41 में से 10 विद्यालयों के विद्यार्थियों को दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रदर्शनी के लिए चयन किया जाएगा.

गरीबों और जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

सिमडेगा । भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की सिमडेगा इकाई के तत्वावधान में साईं मंदिर परिसर, कोचेडेगा में गरीब व जरूरतमन्द लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया. इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष सह उपायुक्त सिमडेगा एवं उपाध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी सिमडेगा के साथ साथ चेयरमैन मोतीलाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन संतोष कुमार सिंह, महासचिव मोहन सिंह, सह सचिव नरेश अग्रवाल, सदस्य बसंत प्रसाद व प्रेम गिरि और साईं सेवा समिति के गणपति बड़ाईक और उनके सहयोगी उपस्थित रहे.

सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में वार्षिक खेल दिवस

संवाददाता।रांची

बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम, खेलगांव में सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल का वार्षिक खेल दिवस आयोजित किया गया. जिसमें पिक एंड रन, माई फेवरेट फ्रूट, बैलेंस रेस, थ्री लेग्ड रेस, स्किपिंग रेस, क्रैब रेस, 100 मीटर, 400 मीटर रेस और रिले रेस जैसे खेलों में छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या समिता सिन्हा ने स्कूल पत्रिका "एक्सप्रेशन्स" का विमोचन किया. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीसरी से पांचवीं कक्षा के छात्रों द्वारा प्रदर्शित योग और कराटे की प्रस्तुति थी, जिसमें बच्चों ने अपने ऊर्जावान प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. इसके बाद विजेताओं को पदक, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए. साथ ही "अकादमिक उत्कृष्टता" के लिए बारहवीं के साइंस टॉपर सुजॉय बसाक को "रानादेब चौधरी अवार्ड", कॉमर्स टॉपर निखिल माहेश्वरी को "मीरा चौधरी अवार्ड" जबकि दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सौमिली सारखेल को प्रतिष्ठित "अमला गोस्वामी पुरस्कार" से सम्मानित किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि 10वीं जैप, होटवार के कमांडेंट डी.के. सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय सेना के मेजर प्रवीन बुधवानी, आर्कटेक्ट संदीप झा और आर्मी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अभय कुमार सिंह उपस्थित थे.

प्रतिरोध ईसाई बने आदिवासियों को एसटी सूची से बाहर करने की साजिश, विरोध में आए कई संगठन

डिलिस्टिंग रैली को लेकर बढ़ी तपिश, बढ़ती जा रही जुबानी जंग

कौशल आनंद/बसंत मुंडा।रांची

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विंग जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आगामी 24 दिसंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में डिलिस्टिंग रैली का आयोजन किया गया है. इस रैली के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार से धर्म परिवर्तन करके ईसाई बन चुके आदिवासियों को एसटी सूची से बाहर करने और एसटी को मिलने वाले सभी लाभ और अधिकार से वंचित करने के लिए कानून बनाने की मांग की जाएगी. इस महारैली के मुख्य वक्ता के तौर पर में जनजाति सुरक्षा मंच के संरक्षक पद्मभूषण और पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा, राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ गणेशराम भगत, पूर्व न्यायाधीश मध्य प्रदेश प्रकाश सिंह उईके, सत्येद्र सिंह खेरवार, राजकिशोर हांसदा, संदीप उरांव, मेघा उरांव, पिंकी खोया, अंजली लकडा, ललिता मुर्मू होंगे. मंच के प्रवक्ता सोमा उरांव ने दावा किया है कि इस कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन भी हिस्सा लेंगे. दूसरी ओर इस रैली को लेकर व्यापक स्तर पर विरोध भी शुरू हो गया. खुलकर बयानबाजी हो रही है. विरोध करने वालों का तर्क है कि सभी धर्म परिवर्तन कर चुके आदिवासियों को डिलिस्टिंग किया जाए,. मगर केवल ईसाई बन चुके आदिवासियों का ही क्यों, जो आदिवासी हिंदू, मुस्लिम या अन्य धर्म में गए उन्हें भी डिलिस्टिंग करने की मांग उठनी चाहिए. निशाने पर केवल ईसाई आदिवासी ही क्यों हैं, उन्हें निशाना क्यों बनाया जा रहा है.

क्या कहते हैं विरोध करने वाले लोग

आदिवासी माता-पिता से जन्म लिया व्यक्ति आजीवन आदिवासी : कुलदीप

झारखंड क्रिश्चियन युथ एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप तिर्की ने कहा कि देश संविधान से चलेगा या जनजाति सुरक्षा मंच, आरएसएस भाजपा के एजेंडे से . इनको जाति और धर्म का फर्क मालूम नहीं है. कूवत है तो जो आदिवासियों ने हिंदू, जैन, बौद्ध और अन्य धर्म का अपना लिया है, उनकी भी लिस्टिंग करायें. सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि जो व्यक्ति आदिवासी माता-पिता से पैदा हुआ वह आजीवन आदिवासी है.

आरएसएस की मंशा आदिवासियों की एकता कमजोर करने की : लक्ष्मी मुंडा

आदिवासी समन्वय समिति संयोजक लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा है कि आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा, वनवासी कल्याण केंद्र से संबद्ध जनजाति सुरक्षा मंच की डिलिस्टिंग महारैली असंवैधानिक और आदिवासी समुदाय में विभेद पैदा करने वाला क़दम है. दरअसल इसके पीछे की साजिश यह है कि आदिवासियों को इस विषय पर आपस में लड़ाकर कर उनके ज्वलंत मुद्दों और आदिवासियों के संवैधानिक हक-अधिकारों को हासिल कर लिया जाए.

डीलिस्टिंग मतलब मौलिक अधिकार का हनन : रतन तिर्की

पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की ने कहा कि डिलिस्टिंग का मतलब होता है एसटी सूची से बाहर करना. इसका मतलब हुआ कि धर्म परिवर्तन कर चुके आदिवासियों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करना. उन्होंने इसकी मांग करने वालों को निशाने पर लिया. कहा कि आरएसएस और चर्च दोनों संस्थाएं जरूरत मंद और गरीबों को क्या बांटती हैं.

आईएचएम में हर्षोल्लास के साथ मना क्रिसमस उत्सव

संवाददता ।रांची

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट रांची में शुक्रवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ क्रिसमस गैदरिंग 2023 के साथ क्रिसमस उत्सव मनाया गया. क्रिसमस उत्सव की शुरुआत सेंट पीटर चर्च के फादर प्रदीप मिंज, फादर इरन्यूस, मिशन हॉस्पिटल से फादर जॉर्ज, सिस्टर शैसी, कार्मेल स्कूल से सिस्टर मनीषा एवं सिस्टर रोजरीन द्वारा संस्थान में बनायी गयी चरनी की पवित्रीकरण किया. साथ ही सबों को क्रिसमस संदेश दिया गया. इस दौरान ब्राम्बे चर्च के अध्यक्ष रौशन एमान्वेल तिग्गा, ब्राम्बे चर्च से रजनी तिग्गा, नीली मुंडा, मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, योगेंद्र सिंह, संस्थान के प्राचार्य, शिक्षक, छात्र एवं अन्य गणमान्य मौजूद रहे. इस अवसर पर छात्रों के द्वारा प्रार्थना की गयी एवं क्रिसमस गीत गाए गए.

- यह नीति हमारे हक और अधिकार की पहचान
- बहुतों ने कहा-यह नीति मौलिक अधिकार का हनन
- वर्ष 2000 के पहले से नौकरी करनेवालों का क्या होगा
- ऐसी नीति का क्या फायदा, जो सभी के हक की पुष्टि न करे

1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित, सरकार के फैसले का स्वागत

विद्यार्थियों ने कहा, नीति नियम सब अपनी जगह है

सरकार रिक्तियां निकाले और हमें नौकरी दे

झारखंड विधानसभा में पारित हुए 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक इस समय लोगों की चर्चा में है. लोग अपने-अपने तर्कों के आधार पर इसे सही और गलत ठहरा रहे हैं. लेकिन ज्यादातर लोग इस नीति के समर्थन में हैं और कह रहे हैं कि इस नीति से ही झारखंडियों को उनकी सही पहचान मिली है. वे इस नीति से राज्य में रहने वाले लोगों के हक और अधिकार को बल मिलने की भी बात कर रहे हैं. इस बिल के पारित होने से झारखंडियों के बीच खुशी और उत्साह का माहौल है. दूसरी ओर कई सवाल भी उठ रहे हैं कि यह नीति मौलिक अधिकार का हनन है और यह संपूर्ण झारखंडवासियों के हित की पुष्टि नहीं करती है. उनका कहना है कि इस समय राज्य में बेरोजगारी चरम पर है. इनकी संख्या रोज बढ़ रही है. सरकार विद्यार्थियों को रोजगार देने में अक्षम साबित हुई है और अपनी नाकामियों को छिपाने और चुनावी वर्ष को देखते हुए सरकार यह बिल पास कराई है. नीति कुछ भी बन जाए पर सरकार रिक्तियां निकाले और हमें नौकरी दे. वे कहते हैं कि बहुत से लोग झारखंड गठन यानी वर्ष 2000 से पहले से यहां बसे हैं. जब झारखंड एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया उससे पहले से यहीं नौकरी कर रहे हैं. उन्हें भी स्थानीय मान जाना चाहिए. क्योंकि 1932 के मापदंड से जो बाहर हैं उनकी स्थानीयता खतरे में है. ऐसे में इस बिल को न्यायसंगत कैसे कहा जा सकता है. यह व्यवहारिक और तर्क संगत भी नहीं लगता है. इसलिए इस नीति के अस्तित्व में आने को लेकर वे शंका जाहिर कर रहे हैं. झारखंड विधानसभा ने 1932 आधारित जो स्थानीय नीति विधेयक पारित हुआ है. उसके अनुसार जिनके पूर्वजों का नाम 1932 के खतियान या उससे पहले के सर्वेक्षण में दर्ज है वे स्थानीय माने जाएंगे. थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियां 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित रहेगी. भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा करेगी. साथ ही विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य में सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और रोजगार के प्रमुख हकदार होंगे. विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य के स्थानीय वाणिज्यिक और सांस्कृतिक उपक्रमों जैसे झीलों, नदियों, मत्स्य पालन के भी हकदार होंगे. शुभम संदेश टीम ने इस संदर्भ में युवाओं व नौकरी के लिए प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट.

धनबाद

छात्रों के लिए 1932 से जुड़ी स्थानीय नीति मात्र एक झुनझुना है : कुंदन मिश्रा

धनबाद गोबिंदपुर आसनबनी- (1) के रहने वाले कुंदन मिश्रा का कहना है कि जब तक वर्तमान सरकार इस खतियान आधारित नीति को संकल्प पारित कर लागू नहीं करती है तब तक हम झारखंडी छात्रों के लिए 1932 आधारित स्थानीय नीति मात्र एक झुनझुना है .इससे थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नोकरियों में हम झारखंडी छात्रों को कोई फायदा मिलने वाला नहीं है. यह मात्र एक चुनावी शिगूफा और समय की बर्बादी है . जिसमें हम छात्र फंसने वाले नहीं है . 2024 में हम झारखंडी छात्र सरकार बदलने का काम करेंगे.

इस स्थानीय नीति से छात्र - छात्राओं के अधिकार सुरक्षित रहेंगे : रोहित शर्मा

धनबाद झरिया के रहने वाले रोहित शर्मा ने कहा कि मूल निवासी झारखंडियों के लिए खतियान आधारित नियोजन नीति का होना बहुत ही जरूरी है .इससे खतियानी छात्र – छात्राओं को जो प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें काफी लाभ मिलेगा .बेरोजगारी की समस्या दूर होगी . साथ ही छात्र– छात्राओं के अधिकार भी सुरक्षित रहेंगे.सरकार जल्द से जल्द 1932 खतियान आधारित नियोजन नीति के जरिए झारखंड में तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों का चयन करे.

खतियान के बहाने झारखंडी छात्रों और जनभावनाओं के साथ क्रूर मजाक : बादल

धनबाद सिजुआ के रहने वाले बादल महथा ने कहा राज्य सरकार 1932 खतियान के बहाने झारखंडी छात्रों और उनके जनभावनाओं के साथ क्रूर मजाक कर रही है. सरकार स्थानीय युवाओं को नौकरी देना ही नहीं चाहती .इसलिए इस प्रकार के हथकंडे अपना रही है. अगर सरकार की मंशा सही में स्थानीय नीति के अनुसार युवा बेरोजगारों को नौकरी देने की होती तो वे इसमें आवश्यक संविधान सम्मत सुधार कर भेजती, न कि हु–ब–हू उसी ड्राफ्ट को जिसे पूर्व में राज्यपाल नियमों का हवाला देकर वापस लौटा चुके हैं.

1932 आधारित नीति हमारे लिए काफी लाभकारी साबित होगी : सुकदेव मिश्रा

धनबाद बरवड्डा के रहने वाले सुकदेव मिश्रा ने कहा कि 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेकय पास होने से खतियानी छात्र– छात्रा काफी खुश हैं .यह नीति हमारे लिए काफी लाभकारी साबित होगा . इससे खतियानी छात्र – छात्राएं जो झारखंड की प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नियुक्तियों के लिए अब किसी प्रकार की कोई परेशानी नही होगी .हमारे सीट आरक्षित रहेंगे .

लातेहार

सरकार की स्थानीय नीति का स्वागत, अब हक और अधिकार मिलेंगे : उज्जवल यादव

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे उज्जवल यादव ने कहा कि सरकार के द्वारा लाई गई 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति का स्वागत करना चाहिए. इससे झारखंड के मूल निवासियों को उनका हक व अधिकार मिल सकेगा. जिला की नौकरियों के तृतीय व चतुर्थ वर्ग की नौकरियां उनके लिए आरक्षित रहेगीं. हालांकि जो लोग लंबे समय से झारखंड में रह रहे हैं, उनके लिए भी स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए. आखिर वे भी झारखंड के ही निवासी हैं.

सब के हितों की रक्षा होनी चाहिए : अतुल

सहायक अध्यापक अतुल कुमार ने कहा कि सरकार के स्थानीय नीति में झारखंड के हर वर्ग के हितों की रक्षा होनी चाहिए. यह सही है कि झारखंड में झारखंड के मूल निवासियों को उनका हक और अधिक अधिक मिलना चाहिए. उनके पूर्वज पुरखों से यहां रह रहे हैं, लेकिन जो लोग बिहार अलग होने के बाद यहां बस गये, उनके बच्चों का यहां जन्म हुआ. यहां उन्होंने पढ़ाई लिखाई की. उनके बच्चों के लिए स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि वे भी सम्मान के साथ झारखंड में रह सकें.

मूलवासियों को नौकरी में मिलनी चाहिए प्राथमिकता : वीरेंद्र प्रसाद

सामाजिक कार्यकर्ता वीरेंद्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड में झारखंड के मूलवासियों को उनका असली हक व अधिकार मिलना चाहिए. जिनके पूर्वज पीढ़ी दर पीढ़ी झारखंड में रह रहे हैं, उनके बच्चों को स्थानीय नीति में प्राथमिकता देनी चाहिए. लेकिन इसे लेकर सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है. सरकार झारखंडियों क साथ धोखा कर रही है. सरकार दिखाना तो चाहती है कि वह इस बिल को लागू कराना चाहती है, लेकिन इसके लिए कुछ कर नहीं रही है. सरकार ने इस बिल को बिल्कुल वैसा ही भेजा है, जैसा पहले भेजी थी. इससे सरकार की मंशा स्पष्ट होती है.

सरकार जनता को धोखा दे रही है: बलराम प्रसाद

यह सही है कि झारखंड के मूल वासियों को स्थानीय नीति का लाभ सबसे अधिक मिलना चाहिए. सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाना चाह रही है. यह सही है, लेकिन सरकार की मंशा पर झारखंड वासियों को संदेह है. किसी की भी सरकार रही हो, उसने इस बिल पर अब तक लटाये रखा है और सिर्फ राजनीति की है. अगर सरकार की मंशा सही होती तो इस बिल को संशोधित कर भेजती, लेकिन सरकार ने पुराने बिल को ही विधानसभा में पारित कराया है. सरकार के इस कार्यवाही से झारखंड के युवाओं मे भ्रम की स्थिति है.

जमशेदपुर

आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया चुनाव को लेकर यह नीति लायी है : पूजा

छात्रा पूजा सिंह कहती है कि 1932 के खतियान नीति द्वारा झारखंड की वर्तमान सरकार आने वाले चुनाव में बस अपनी पकड़ बनाना चाहती है. यह समझ नहीं आता कि इतने दिनों से मुख्यमंत्री ने आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया और आज अचानक उनकी हितेषी कैसे हो गई. अमित शाह ने ठीक ही कहा था "इस नीति द्वारा राज्य सरकार झारखंड को दो भागों में बांट रही है" मेरा भी मानना कुछ यही है. अगर यह नीति लागू करनी थी तो इसमें एक पेंच था कि 1932 के खतियान लिस्ट से बाहर रहने वाले लोगों के लिए यह समाधान होना चाहिए कि उनका जन्म झारखंड में होना चाहिए या 2000 से जब झारखंड एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था तब से जो यही नौकरी कर रहे हैं. उन्हें भी स्थानीय मान जाना चाहिए. क्योंकि लिस्ट से जो बाहर हैं उनकी स्थानीयता खतरे में है.

मौलिक अधिकारों का हनन ही है : संजीव

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे संजीव का कहना है कि स्थानीय का मतलब यह नहीं कि जिसके पास 1932 का खतियान है, जो यहां रह रहा है वह भी स्थानीय है. यह फैसला एक तरह से मौलिक अधिकारों का हनन भी है. झारखंड के साथ ही छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी अलग हुए हैं. 1932 का खतियान लागू होने से एक बार फिर से झारखंड 20 वर्ष पीछे चला जाएगा. कई लोगों के पास तो सर्वे और खतियान की कापी भी नहीं होगी. इसका सीधा असर युवाओं पर पड़ेगा. उन्हें नौकरी पाने के लिए और भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा.

शायद बहुत से आदिवासियों के पास भी 1932 के दस्तावेज नहीं : काजल कुमारी

काजल कुमारी कहती है कि यह एक अनुचित निर्णय है इस निर्णय का प्रभाव स्थानीय लोगों को तो मिल जाएगा. लेकिन उनका क्या जो वर्षों से यहां रह रहे हैं जिन्होंने अपने जीवन का पूरा समय इस भूमि को दिया है. उनसे यह अधिकार छीनने के बराबर है. दो राज्यों का अलग हो जाना यह उनके हाथ में नहीं था. ऐसे में कई लोगों को इसका लाभ नहीं मिलेगा. क्योंकि कई लोग झारखंड में बाहर से ही आकर बसे हैं. कई आदिवासी परिवार ऐसे भी हैं जिनके पास 1932 के दस्तावेज तक नहीं है.

बोकारो

अब तक स्थानीय नीति नहीं बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण है : आकांक्षा कुमारी

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के दांतू निवासी आकांक्षा कुमारी का कहना है कि स्थानीय नीति हर राज्य के लिए युवाओं के लिए जरूरी है, क्योंकि इस नीति के तहत ही युवाओं का भविष्य निर्भर करता है. झारखंड गठन के 23 साल बीत जाने के बाद भी इस महत्वपूर्ण नीति का अभी तक नहीं बन पाना यहां के मूल निवासियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. वर्तमान हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार ने कई बार 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का विधेयक विधानसभा से पास तो कर रही है, लेकिन बार बार राज्यपाल इसे लौटा रहे हैं. यह समझ से परे है. किसी भी हाल में 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति बनना जरूरी है. इसके लिए लंबे समय से युवाओं का आंदोलन भी चल रहा है. जल्द से जल्द इसका असर दिखना चाहिए.

थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी मूल निवासियों के लिए हो आरक्षित : कमाल

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के टोंडरा निवासी युवा कमाल हसन ने बताया कि यह बात सोलह आने सच है कि जो भी मूल निवासी हैं, उनके पूर्वजों के नाम 1932 या 1908 के सर्वेक्षण में दर्ज है. जब देश में हर राज्य का अपना डोमिसाइल है तो झारखंड में क्यों नहीं. अगर इसे बनाने में कोई खास तबका विरोध कर रहा है, तो सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई करें. बड़े व ऊंचे ओहदे की नौकरियों की तो बात अलग है, लेकिन थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित होना जरूरी है. रही बात कि अगर मूल निवासियों को किसी कारणवश अगर 1932 के खतियान का दस्तावेज उनके पास मौजूद नहीं है तो गांव समाज के लोगों के द्वारा ग्राम पंचायत की ओर से उनकी पहचान को मान्यता मिलनी चाहिए. झारखंड राज्य बनने के तुरंत बाद यह नीति बन जानी चाहिए थी, लेकिन अब तक नहीं बनने से पिछले 23 सालों में यहां के मूल निवासियों को काफी घाटा हुआ है.

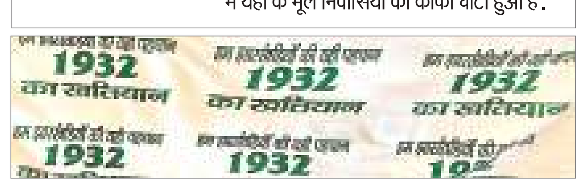

चाईबासा

थर्ड और फोर्थ ग्रेड में स्थानीय की बहाली हो : सनातन पिंगुवा

कोल्हान विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधि सनातन पिंगुवा ने कहा कि सरकार 1932 आधारित स्थानीय नीति को स्पष्ट नहीं किया है. जिस तरह से इन्होंने स्थानीय नीति को बनाया है. उससे यह साबित होता है कि बाहर के लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए. झारखंड में झारखंडियों को ही नौकरी मिले. इसको लेकर स्थानीय नीति बनाना चाहिए. थर्ड और फोर्थ ग्रेड के पद पर स्थानीय लोगों का ही बहाली हो इस पर सरकार गंभीर रहे तो बेहतर होगा.

झारखंड हित के लिए निर्णय लेने की जरूरत: डॉ. मुरारी

कोल्हान विश्वविद्यालय के जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. मुरारी बेध ने कहा कि झारखंड हित के लिए अब निर्णय लेने की जरूरत है. झारखंड के आम जनता ने झारखंड सरकार को चुना है. 1932 के खतियान के तहत जो भी गाइडलाइन तैयार की गई है. उसे अमल करने में ध्यान देने की जरूरत है. यहां तो समय पर अंचल स्तर से भी काम नहीं होता है. झारखंड के तृतीय व चतुर्थ वर्ग की नौकरी में झारखंडियों को ही जगह मिले इस पर सरकार का फोकस होना चाहिए.

सिर्फ बात नहीं, नीति अमल में लाना जरूरी : सुबोध

कोल्हान विश्वविद्यालय के छात्र सचिव सुबोध महाकुड ने कहा कि खतियान आधारित नीति पर सरकार गंभीर नहीं है. इसको लेकर गंभीरता लाने की जरूरत है. 1932 का मामला पहले भी उठा है. लेकिन धरातल में जिस तरह से विधेयक बनना चाहिए उस तरह से यह विधायक नहीं बना है. सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए. जब तक पुनर्विचार नहीं होगा. तब तक इस विधेयक को स्थगित कर देना चाहिए.

चक्रधरपुर

अब रोजगार के मिलेंगे अवसर:प्रकाश गागराई

चक्रधरपुर निवासी छात्र प्रकाश गागराई ने कहा कि झारखंड में स्थानीय नीति विधेयक पास होने से अब रोजगार के रास्ते खुलेंगे. स्थानीय नीति लागू नहीं रहने के कारण पढ़े लिखे युवाओं को नौकरी के लिए दर–दर भटकना पड़ता था. स्थानीय नीति लागू करने की मांग वर्षों से की जा रही थी. कई सरकारी विभागों में नौकरी के पद खाली पड़े हुये हैं, अब राज्य सरकार जल्द से जल्द रिक्त पड़े पदों पर बहाली प्रक्रिया के तहत युवाओं को नौकरी से जोड़े, ताकि राज्य से बेरोजगारी दूर हो सकें.

अब दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा :सुनिता

चक्रधरपुर के जवाहर लाल नेहरु कॉलेज की छात्रा सुनिता कुमारी ने कहा कि राज्य के पढ़े लिखे युवा नौकरी के लिए दर–दर भटक रहे हैं .सरकारी नौकरी नहीं मिलने के कारण मजबूरीवश कम मानदेय पर प्राइवेट कंपनियों में युवाओं को नौकरी करनी पड़ रही है .राज्य के खतिनाधारी युवाओं को ही नौकरी के तलाश में दूसरे राज्य का रुख करना पड़ता था. झारखंड विधानसभा में 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक पास होने से राज्य के युवाओं को लाभ मिलेगा. झारखंड में अब बहाली प्रक्रिया तेज होनी चाहिए.

लंबे इंतजार के बात स्थानीय नीति पास हुई: मनीष

चक्रधरपुर निवासी जवाहर लाल नेहरु कॉलेज के छात्र मनीष हेम्ब्रम ने कहा कि लंबे इंतेजार के बाद झारखंड के विधानसभा में 1932 आधारित स्थानीय नीति पास हुआ है. इसका वर्षों से इंतेजार किया जा रहा था. उन्होंने कहा कि मैं पिछले तीन साल से झारखंड में सरकारी नौकरी के लिए तैयारी कर रहा हूं, लेकिन स्थानीय नीति का मामला उलझा रहने के कारण नौकरी के लिए आवेदन फॉर्म नहीं भर पा रहा था. अब राज्य सरकार से उम्मीद जगी है कि झारखंड में अब स्थानीय युवाओं को नौकरी मिल सकेगी.

बेरमो

जब तक नौकरी नहीं मिलेगी असमंजस की स्थिति : मंटू यादव

मंटू यादव गोमिया प्रखंड अंतर्गत अम्बा टोला गांव के बेरोजगार युवक है. उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा ने 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक को पास किया गया है. यह स्वागत योग्य है लेकिन जब तक स्थानीय नीति के तहत नौकरी मिलना शुरू नहीं हो जाता है तब तक असमंजस की स्थिति बनी रहेगी. यह काम उसी समय हो जाना चाहिए था जब झारखंड राज्य की स्थापना हुई थी. 23 वर्ष गुजर गए. नौजवान युवक अधेड़ उम्र के हो गए। अभी भी खतियान आधारित नीति लागू होती है तो आने वाले पीढ़ी के लिए लाभ होगा.

नियोजन नीति लागू कर प्राथमिकता के आधार पर नौकरी दे : दीपक रविदास

दीपक रविदास गोमिया प्रखंड के करमटिया गांव के रहने वाले हैं और परीक्षार्थी हैं. उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से कॉम्पिटिशन की तैयारी में लगे रहे हैं, लेकिन मुकम्मल स्थानीय नीति लागू नहीं होने के कारण उन्हें झारखंड के निवासी होने का लाभ नहीं मिल पा रहा है. यहां के विद्यार्थी काफी परेशान हैं. साफ सुथरr स्थानीय नीति नहीं होने के कारण सरकार नियोजन के लिए वैकेंसी भी नहीं निकाल रही है. जो वेकैंसी आती भी है तो परीक्षा नहीं हो पाती है. समय गुजरता जा रहा है. सरकार खतियान आधारित नियोजन नीति को लागू कर यहां के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी का अवसर दे.

बहरागोड़ा

तय समय में नीति न बन पाना दुर्भाग्य की बात: राकेश मंडल

विद्यार्थी राकेश मंडल झारखंड का इतने साल बीत जाने के बाद भी सही और कठोर स्थानीय नीति नहीं बन पानी से यहां निवास करने वाले विद्यार्थियों का हक दूसरे राज्य के अभ्यर्थी आसानी से ले लेते हैं. इसलिए सरकार को अभिलंब जितनी भी वैकेंसी निकलती है उसमें स्थानीय के आधार पर ही नियुक्ति करनी चाहिए. वहीं झारखंड के अभ्यर्थी दूसरे राज्य में स्थानीय नीति के कारण सरकारी नौकरियों में प्रवेश नहीं कर पाते हैं.

सरकार अंतिम सेटलमेंट के आधार में तय करें नीति : बादल

विद्यार्थी बादल बेरा का कहना है कि झारखंड के भौगोलिक स्थिति को देखते हुए अंतिम सेटलमेंट के आधार पर स्थानीय नीति तय कर युवाओं को अभिलंब उनका हक देने का काम करें. साथ ही थर्ड तथा फोर्थ ग्रेड सरकारी नियुक्तियों में झारखंड के मूल निवासियों को ही नियुक्ति प्रदान करें. सरकार विधानसभा से बिल पारित कर राज भवन को भेज तो देती है लेकिन बिल को लागू करने में असफल रहती है. इसके लिए सरकार को सही उठाना चाहिए.

सरकार जल्द स्तानीय नीति लागू करें: हार्दिक

विद्यार्थी हार्दिक मुंडा का कहना है कि सरकार बिना समय गंवाए जल्द से जल्द स्थानीय नीति लागू कर सरकारी नियुक्तियों में झारखंड के आदिवासी तथा मूल वासी को अपना अधिकार दे. साथ ही नियोजन नीति भी को भी स्थानीय नीति के साथ जोड़ा जाए. नहीं तो पूर्व की सरकार के जैसे आपस जाने में देर नहीं लगेगी.

गिरिडीह

झारखंड के मूल वासियों को लाभ मिलेगा : शुभम लोहनी

गांडेय प्रखंड के अहिल्यापुर निवासी शुभम लोहनी ने कहा कि 1932 आधारित स्थानीय नीति लागू होने से झारखंड के मूल वासियों को लाभ मिलेगा . इस नीति को बहुत ही पहले लागू करना चाहिए था . इसके लागू होने से राज्य के मूल वासियों को काफी लाभ मिलेगा. उन्होंने कहा कि हेमंत की सरकार ने इस विधेयक को पारित कर राज्यपाल के पास भेज दिया है . इस पर राज्यपाल को भी मुहर लगानी चाहिए .

राज्यवासियों के लिए वरदान साबित होगी : चंदन सिन्हा

डुमरी प्रखंड के युवा चंदन सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना चाह रही है . यह स्थानीय नीति राज्य वासियों के लिए वरदान साबित होगी . झारखंड में कई सरकारें आई लेकिन स्थानीय नीति को लागू नहीं किया जा सका है . हेमंत सोरेन की सरकार ने इस दिशा में एक कारगर पहल शुरू की है .

इसे बहुत पहले लागू होना था: हेमंत कुमार

युवा हेमंत कुमार सिन्हा ने कहा कि 1932 आधारित स्थानीय नीति लागू होना चाहिए . इससे झारखंड के मूलवासियों को काफी लाभ मिलेगा . इसे बहुत पहले लागू कर दिया जाना चाहिए था . इसके लागू होने से युवाओं को नियुक्तियों में काफी लाभ मिलेगा.

बेरोजगारों को लाभ मिलेगा : मो. फैयाज

मो. फैयाज अंसारी ने कहा कि स्थानीय नीति के लागू होने से राज्य के बेरोजगार युवाओं को काफी लाभ मिलेगा . स्थानीय नीति नहीं लागु होने के कारण राज्य के युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं . युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय नीति को लागू करना बहुत ही जरूरी है .

हमारे सहयोगी Lagatar पर मिलीं टिप्पणियां

1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक पास हो जाने से झारखण्ड के सभी जो एक राज्य से दूसरे राज्यों में पलायन को मजबूर हो रहे थे, उसमें कमी आएगी. लोंगो को थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी भी आरक्षित होने से झारखण्ड की एक अलग पहचान होगी और सभी झारखण्डवासियों को सामाजिक उपक्रम जैसे खेत, झील, नदी, मत्स्य पालन के हकदार होंगे.
सत्येन्द्र शर्मा, पिपरवार

पड़ोसी राज्योंम की तर्ज पर झारखंड में भी स्थाजनीय नीति लागू होनी चाहिए. इससे यहां के आदिवासी मूलवासियों को अपना अधिकार मिलेगा. अपने राज्वासियों के हित में निर्णय लेना तो सरकार का कर्तव्यत होना चाहिए.
जुलकर नैल, रांची

इस राज्य के मूलनिवासियों के लिए बहुत जरूरी है. ताकि इनके सामाजिक, आर्थिक, विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है, राज्य के निवासियों के लिए यह बहुत पहले हो जाना चाहिये था. लेकिन कोई बात नही, देर से ही सही कुछ सही काम झारखंड के मूल निवासी के लिए धन्यवाद के पात्र है.
मोहम्मद मुस्ताक, कसमार बोकारो

सरकार 1932 लागू करे या 2032 लागू करे, पहले जो बहाली निकाली गई है. उसका निष्पक्ष परीक्षा ली जाए और बेरोजगारों को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी दे.
मो. लतीफ अंसारी, धनबाद

झारखंड वासियों के लिए एक अच्छी पहल, झारखंड के बेरोजगार यूवकों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे.
अजय कुमार, लातेहार

अगर ऐसा नीति बनाई गई है तो बिल्कुल सही है, क्योंकि इससे झारखंड के युवा जॉब के लिए दर दर की ठोकरे खा रहे हैं, और रोज बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है.
अरविंद कुमार, कोडरमा

खतियानधारी को नौकरी में 90 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए.
जिवन कुमार मंडल, जामताड़ा

अच्छा है, पर संतोषप्रद नहीं.
कृष्णा महतो, बोकारो

यह बिल पास होने से हम लोगो को अपनी पहचान मिली.
विदेश बिद, धनबाद

हां 1932 खतियान के आधार पर ही होना चाहिए.
सुरेन्द्र दास, गिरिडीह

1932 बहुत जरूरी है झारखंड के लिए.
वसंत कुमार वर्मा, सरिया

झारखंड की पहचान, 1932 का खतियान.
रजउर रहमान, रामगढ़

1932 का खतियान सही है. मानो
डीके वैद्य, दुमका

1932 लागू होना बहुत जरुरी है.
जमशेद अंसारी, देवघर

1932 खतियान लागू हो.
सुरेश प्रसाद यादव, गिरिडीह

सही है, बहुत अच्छा.
ललन कुमार मेहता, कोडरमा

बहुत ही सही हुआ है.
सोमोट मार्डी

यही जरुर होना चाहिए
गजेन्द्र महतो, चक्रधरपुर

बेस्ट रहेगा.
एस कुमार, रांची

अच्छा है.
सागी टुटी, खूंटी

यह मात्र एक लॉलीपॉप है. झारखंड के जनताओं के लिए. एक तरफ जहां प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति में ग्रेड 4 का वेतनमान लाती है जबकि टेट 2013 पर आधारित ली गई है और बीच में ही आचार्य का विज्ञापन लाती है. ठीक उसी तरह है जिस तरह फुटबॉल के एक मैच के दरमियान बीच में ही नया नियम बदल दिया जाता है. क्या सही में ऐसा होता है. शायद नहीं. जब सभी विधायक और मंत्री अपने वेतनमान बढ़ाने की बात करते हो तो इसमें पक्ष और विपक्ष दोनों एक साथ मिल जाया करते हैं. सभी नियमों को ताक में रखकर सभी काम आसानी से कर लिया जाता है. लेकिन जब जनता की बारी आती हो तो कहीं न कहीं वोट बैंक के लिए एक लॉलीपॉप तैयार किया जाता है जो झारखंड की जनता की डिमांड के अनुसार वैसी लॉलीपॉप को लाया जाता है जो एक मास की डिमांड हो.
दानियल बारका मुर्मू, बोकारो

जिस व्यक्ति के पूर्वजों का 1932 खतियान में नाम सम्मिलित है एवं जिनके खतियान में नाम नहीं है, उसे ग्राम सभा द्वारा पहचान किया जाए.
रमेश कुमार महतो, रांची

दूसरे राज्यों में वहीं नीति लागू है. वही चल रहा है. तो झारखंड में क्यों नहीं लागू होगी. जय झारखंड.
कमल हेंब्रम, जामताड़ा

हर राज्य का अपना स्थायी और नियोजन नीति होती है, झारखण्ड राज्य में भी अन्य प्रदेशों से काफी लोग रोजगार या व्यापार करने के लिए आए थे, उनके पास 1932 या उससे पहले का खतियान है,तो उन्हे स्थाई निवासी माना जाना जाएगा, चलो 1932 न सही,1964 का खतियान ही निकालो,उसे भी स्थाई निवासी माना जाना चाहिए.
किरण कुमार बिरुआ, चाईबासा

झारखण्ड के आदिवासियों मूलवासियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा और हित में 1932 आधारित स्थानीयता लागू करना अति आवश्यक है. अविलंब लागू हो.
राम कुमार मांझी, बोकारो

बहुत अच्छा निर्णय, हम इसका समर्थन करते हैं.
रीता दास, चाईबासा

हमलोग दूसरे राज्यों के छात्रों को घुसने नहीं देंगे.
मिनाक्षी, बोकारो

स्वीकार करने लायक नहीं,
विश्वनाथ महतो, जमशेदपुर

खतियाधारियों के लिए यह बहुत अच्छा है.
छोटो सेरेन, साहिबगंज

स्थानीय नीति अंतिम सेटेलमेंट 1964 होना चाहिए.
दिनेश कुमार तुंबलिया, चाईबासा

में इस निर्णय को लेकर सहमत हूं, 1932 जिनदवाद.
सुराई मारडी, डुमरिया

सरकार की नीति ठीक है.
सचिदानंद महतो, डालटनगंज

खतियानी रैयत के वंशज.
सुनील कुमार सिन्हा, पलामू

जोहार झारखंड
सकेन्द्रा एमएस, रांची

मुझे नौकरी चाहिए.
शुभम केसरी, बोकारो

1032 होना चाहिए था.
शिवराज, चाईबासा

सहमत हैं.
ललिता लिंडा, रांची

सही है.
धानी महतो, चतरा

प्रीति,
धनबाद

1932 के खतियान पर झारखंडी को नौकरी में लाना और बाहर के लोगों के लिए रास्ता बंद कर देना चाहिए. ताकि यहां के बच्चे भी अपने पढ़ाई का उपयोग कर सकें.
पुनित कुमार सिंह,गढ़वा

सरकार ने अपना पल्ला झाड़ने के लिए बस एक और जाल फेका है. पिछले पांच वर्षो से यही तो हो रहा है और अगर लागू हो भी गया तो दूसरे राज्यों से विस्थापित होकर बसे या बिहार जिसका हिस्सा खुद झारखंड रहा है उन बिहार वाशियो का क्या होगा. जो पिछले 40–50 वर्षो से रह रहे हैं? मेरा मानना है कि आरक्षण की जगह शिक्षा स्वास्थ्य और विद्यालय को ठीक करने में लगाया जाए तो ज्यादा बेहतर होगा.
अनिल कुमार चौरसिया, जमशेदपुर

लोकप्रिय सरकार जनता की सरकार को बहुत बहुत धन्यवाद. यह बहुत ही अच्छा फैसला, इससे झारखंड के मूलवासी , आदिवासी के लिए यह बहुत ही बड़ा और अच्छी पहल है. झारखंड के लोगों को अब एक पहचान मिलेगी, जिसके हाथ में खतियान उसी की यहां जलसंसाधन , खान खानिंज , जंगल पानी पर हक होगा. अब इंसाफ होगा.
जैकी यादव, झुमरीतिलैयै, कोडरमा

1932 के खतियान को लागू किया जाए. और झारखंड के स्थानीय उम्मीदवारों को 90 प्रतिशत की भागीदारी यहां के सरकारी या गैर सरकारी नौकरी में दिया जाए. जिससे यहां के युवाओं को जॉब मिल सके.
कपिल कुमार, कोडरमा

यह विधेयक जल्द से जल्द लागू कर झारखंड के मूलवासी और आदिवासी के हित में है. तभी झारखंड अलग राज्य की सार्थकता सिद्ध होगी.
राम कुमार प्रसाद, बोकारो

स्थानीय नीति लागू होने से थोड़ा हक, जिम्मेदारी और नौकरी मिलेगी.
संजय कुमार, गिरिडीह

एक नंबर काम हुआ है. जो बिना खतियान के तीसरी और चतुर्थ श्रेणी में जॉब कर रहे है उनके लिए भी.
विक्की तिवारी, डालटनगंज

1932 लागू करना बहुत ही अच्छा बात है. थार्ड और फोर्थ का जॉब भी लागू होना झारखंड के लोगो के लिए बहुत बड़ी बात है.
सुभाष कच्छप, रांची

मैं बिल पारित होने के लिए झारखंड सरकार को धन्यबाद देता हूं.
अलोक राज ठाकुर, गढ़वा

झारखंड सरकार को बिल पास करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद.
रतन ठाकुर, रांची

सरकार केवल यह बिल लाती है और जनता को ठगती है.
कुंदन सिन्हा, हुसैनावाद

स्थानीय नीति अव्यवहारिक है.
विद्यासागर, जमशेदपुर

झारखंडी की सही पहचान.
हरीश महतो, धनबाद

सराहनीय कदम है.
बाल किशुन महतो, रामगढ़

1932 का खतियान झारखंड के हित में सही हैं.
रंजीत कुमार मेहता, गढ़वा

वेरी गुट.
अरुण पासवान, पलामू, डालटनगंज

सही नहीं है.
सोनू, रांची

बहुत अच्छा.
लखन मुर्मू, धनबाद

गुड
प्रीति कुमारी, देवघर

यह झारखंडियों के लिए सबसे अच्छा विधेयक है. जिससे झारखंडियों का कल्याण हो सकता है .इससे झारखंड राज्य का विकास होगा तथा झारखंड देश में इकोनामिक की दृष्टि से प्रथम स्थान होने में कामयाब होंगा.
राजेश कुमार, मेदिनीनगर

अच्छा है पर झारखंड के सभी विभागों में कांटेक्ट पर काम करने वाले सभी कोलेजों में, सभी विश्वविद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के जो हालात हैं, उसे शब्दों में बता नहीं सकता, इतनी कम सेलरी है कि उन लोगों का घर मुसकिल से 15 दिन भी नहीं चलता, उससे अच्छा तो रिक्शा चालक और मजदूर कमा लेते हैं, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन 10000 है. जिसमें जीएसटी, पीएफ, ईएसआईसी सब काट कर 6000 मिलता है. जिससे घर चलाना पड़ता है. अच्छा ही करना चाहते हैं तो सबसे पहले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 18000 तत्काल करे, धन्यवाद
अजय राम, रांची

सर आपका निर्णय स्वागत योग्य है. कहीं न कहीं हमारी यह मांग झारखंड में बहुत पहले से हो रहा था. परंतु एक बात है कि जमशेदपुर का जो सर्वे हुआ है वह 1964 के आधार पर हुआ है. तो इस क्षेत्र के लोगों का हक किसी प्रकार मिलेगा. इस संबंध में हमें स्पष्ट करें.
मो. शक्ति अंसारी, जमशेदपुर

यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारी सरकार देशहित के लिए काम कर रही है. हमारे झारखंडी भाइयों के लिए इससे अच्छी बात और क्या है. हमारी सरकार आगे भी अच्छा काम करेगी.
ओम उरांव, बुंडु

मेरा जॉब नहीं हो रहा है. मैं आपको कोटि कोटि नमन करता हूं, ताकि मेरी नौकरी हो जाए.
बुधराम उरांव, लोहरदगा

मानिए सीएम हेमंत सोरेन बहुत ही साहसिक काम किया है. बहुत बहुत आभार, जोहार
रामदेव महतो, गोला

बहुत अच्छी पहल है. इससे राज्य के वंचित मूल निवासियों को फायदा होगा.
शिव शंकर, कोडरमा

जब तक 1932 आधारित स्थानीय नीति लागू नहीं होगी, तब तक अलग राज्य बनने का उद्देश्य अधूरा रहेगा.
ब्रजमोहन पाठक, धनबाद

लागू हो पाये तो झारखंडी, मूलवासियों को फायदा मिल पायगा. अन्यथा काफी देर हो जायगी.
अनिल साव, कोडरमा

सरकार अपना समय पास कर रही है. यह सरकार नौकरी देने में अक्षम है. समय पर परीक्षा नहीं होने से बहुत से छात्रों की उम्र पार हो जा रही है.
राहुल कुमार सिंह, गढ़वा

झारखंड में सही निर्णय.
विनोद कुमार मेहता, हजारीबाग

वेरी गुट पॉलिसी इन झारखंड.
विनोद कुमार मेहता, हजारीबाग

गुड लक.
जगदीश कुमार भगत, सरायकेला

1932 का खतियान झारखंड की पहचान है.
सत्येन्द्र कुमार चौरसिया, बोकारो

सही निर्णय.
धनराज कुंभकार, सरायकेला

सही है.
तरुण कुमार दत्ता, बहरागोड़ा

सही निर्णय.
कीर्ती, रांची

सही है.
सुजीत गोड्डा

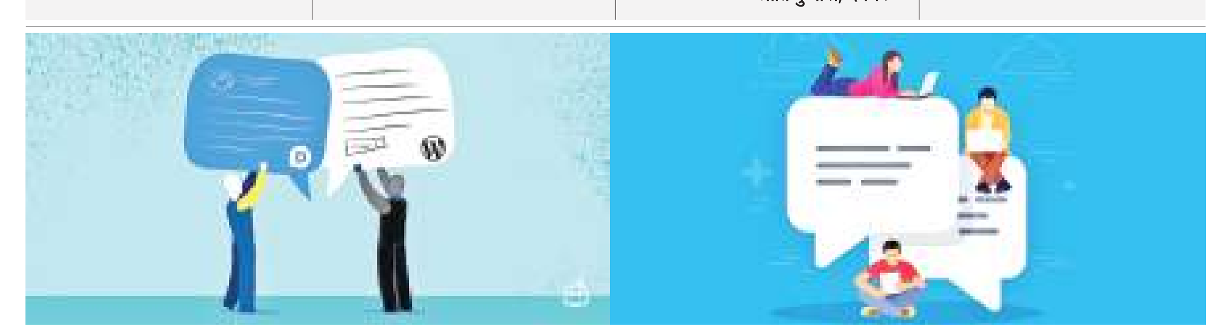

नए वायरस का दस्तक

कोरोना के नए वायरस के फिर से दस्तक देने के प्रति अभी से सावधान होने की जरूरत है. केंद्र सरकार ने भी कहा है कि ज्यादा चिंता की बात नहीं है, लेकिन सावधान रहना जरूरी है. देश ने दो बार कोविड महामारी की भयावहता का सामना किया. दूसरे कोविड के समय तो जिस तरह ऑक्सीजन गैसों की कमी हुई और देश ने मौतों की भयावहता को देखा, उसे ध्यान में रखते हुए तथ्यों को गंभीरता से लेने की जरूरत है. अभी कुछ समय तक हम सुनते आ रहे थे कि चीन, मलेशिया, सिंगापुर व इंडोनेशिया आदि देशों में कोरोना के नये वायरस का संक्रमण पाया गया है, लेकिन अब जब इस वायरस ने देश के कुछ राज्यों में दस्तक दे दी है तो देशवासियों का चिंतित होना स्वाभाविक है. यह दुखद संयोग ही है कि एक बार फिर केरल में नये कोरोना वायरस जेएन.1 के सौ से अधिक मामले प्रकाश में आए हैं. कुछ मौतों की भी बात कही जा रही है. वहीं केरल सरकार का कहना है कि वहां चिकित्सा तंत्र सक्रिय व जवाबदेह है और सावधानी से जांच-पड़ताल में संक्रमण के मामले उजागर हुए हैं. एक जीनोम सीक्वेंसिंग से नये वायरस की पहचान हो सकी है. निस्संदेह, ऐसी सक्रियता व सजगता देश के हर राज्य में जरूरी है. एक हकीकत है कि कोरोना के विषाणु को सदा के लिए समाप्त नहीं किया जा सकता. उर्वरा परिस्थितियों में वह अपना रूप बदलकर सामने आ जाता है. ऐसे में यदि हम साफ-सफाई के साथ सावधानी से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करेंगे तो संक्रमण से सुरक्षित रह सकेंगे. विडंबना यह है कि लोगों ने मान लिया कि कोरोना वायरस सदा-सदा के लिए देश से चला गया. उसके बाद तमाम लापरवाही हम बरतने लगे हैं. दरअसल, 2019 में जब कोरोना वायरस पहली-पहली बार फैला था तो यही सर्दियों का मौसम था. आमतौर पर लोग वैसे भी इस मौसम परिवर्तन के दौरान सर्दी-जुकाम से पीड़ित होते हैं, लेकिन यदि हम खानपान से लेकर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं तो अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं. जो हमें वायरस से मुकाबले की ताकत देगी. हमारी स्वास्थ्य सेवाओं के नियामकों को अतीत में हुए नुकसान से सबक लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है. आम लोगों को ज्यादा भीड़-भाड़ वाले इलाकों से परहेज करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है. किसी तरह के लक्षण दिखायी देने पर स्वास्थ्य विभाग को सूचित करके जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए. ऐसे मामलों को छिपाने से संक्रमण के तेजी से प्रसार की आशंका लगातार बनी रहती है. राज्य सरकारों को सतर्क रहते हुए जांच का दायरा बढ़ाना चाहिए और नागरिकों से बचाव के उपाय अपनाने का आग्रह करना चाहिए. निस्संदेह, परहेज व सावधानी से ही हमारा बचाव संभव है. साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाने और अतीत के हादसों से सबक लेने की भी जरूरत है.

> एक जीनोम सीक्वेंसिंग से नये वायरस की पहचान हो सकी है. निस्संदेह, ऐसी सक्रियता व सजगता देश के हर राज्य में जरूरी है. एक हकीकत है कि कोरोना के विषाणु को सदा के लिए समाप्त नहीं किया जा सकता.

सुभाषित

दीर्घा वै जाग्रतो रात्रिः दीर्घं श्रान्तस्य योजनम्।
दीर्घो बालानां संसारः सद्धर्मम् अविजानताम्।।

रात भर जागने वाले को रात बहुत लंबी मालूम होती है. जो चलकर थक गया हो, उसे एक योजन (चार मील) का अंतर भी बहुत दूर लगता है. उसी प्रकार धर्म का जिन्हें ज्ञान नहीं है, उन्हें जिन्दगी बहुत दीर्घ लगती है.

शिक्षा को लेकर कुछ उलझे हुए सवाल

इस सृष्टि में प्रत्येक मनुष्य का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक वस्तु तक का अपना विशिष्ट व्यक्तित्व है. एक ओर जहां उसमें कुछ समानताएं होती हैं, जिनके आधार पर हम उसकी जातिवाचक संज्ञा का निर्धारण करते यानी यह पहचानते हैं कि वह वस्तु क्या है, वहीं उसकी कुछ अपनी विशिष्टता भी होती है, जिसके आधार पर हम उसकी व्यक्तिवाचक संज्ञा का निर्धारण करते यानी एक समूह विशेष से संबंधित मानते हुए भी उसकी अपनी विशिष्टता को पहचानते हैं.

• देश-काल

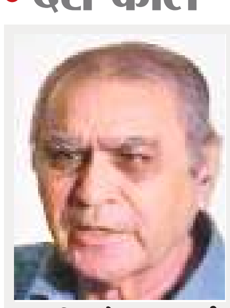

नंदकिशोर आचार्य

शिक्षा को लेकर सबसे उलझा हुआ सवाल यह है कि अपनी प्रक्रिया और लक्ष्यों में वह जिसके प्रति सर्वाधिक उत्तरदायी होती है, स्वयं उसका उसकी प्रक्रिया के निर्णय और संचालन में कोई योगदान या सहभागिता नहीं होती. शिक्षा से संबंधित सारे विचार-विमर्श में यह एकमत से स्वीकार किया जाता है कि उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी बालक या शिक्षार्थी के प्रति है. यह शिक्षा का प्रयोजन बालक में अंतर्निहित स्वतंत्रता, विवेक, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के अभिव्यक्त होने की प्रक्रिया बनना है, जो सभी शिक्षा दर्शनों को स्वीकार्य है. तो इसके लिए अनिवार्य हो जाता है कि अपनी व्यवस्था और प्रक्रिया में वह संबंधित बालक के अपने वैशिष्ट्य अर्थात् उसकी सृजनशीलता की विशिष्टता को न केवल समाहित करे, बल्कि उसे ही अपने केन्द्र में रखे. लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा होता कभी नहीं है- बल्कि विडंबना यह है कि इसके विपरीत प्रचलित सभी प्रकार की शिक्षा-प्रक्रियाएं अपने लिए संसाधन जुटाने वाली शक्तियों और संस्थाओं के प्रयोजनों को ही केन्द्र में रखती हैं. इस प्रक्रिया में वह बालक के अपने विशिष्ट व्यक्तित्व की न केवल उपेक्षा बल्कि उसका दमन करती हुई उसे संसाधनदाता के प्रयोजनों के अनुकूल बनाने की कोशिश करती हुई पायी जाती है.

इस सृष्टि में प्रत्येक मनुष्य का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक वस्तु तक का अपना विशिष्ट व्यक्तित्व है. एक ओर जहां उसमें कुछ समानताएं होती हैं, जिनके आधार पर हम उसकी जातिवाचक संज्ञा का निर्धारण करते यानी यह पहचानते हैं कि वह वस्तु क्या है, वहीं उसकी कुछ अपनी विशिष्टता भी होती है, जिसके आधार पर हम उसकी व्यक्तिवाचक संज्ञा का निर्धारण करते यानी एक समूह विशेष से संबंधित मानते हुए भी उसकी अपनी विशिष्टता को पहचानते हैं. यह विशिष्टता कभी सुपरिभाषित और विश्लेषित-व्याख्यायित होती है तो कभी अनुभूत. लेकिन इस विशिष्टता के आधार पर ही हम करोड़ों बच्चों में से प्रत्येक बच्चे को वैसे ही अलग से पहचान लेते हैं, जैसे एक चरवाहा बकरियों या भेड़ों के एक बड़े समूह में प्रत्येक बकरी या भेड़ को अलग-अलग पहचान पाता है. जिन आधारों पर यह पहचान संभव होती है, वे सब मिलकर उसके विशिष्ट व्यक्तित्व की रचना करते हैं. यह माना जाता है कि एक ही पेड़ से उगने वाली असंख्य पत्तियों या टहनियों, फूलों आदि में प्रत्येक की अपनी विशेषता होती है, जो उसे अपनी ही जाति की अन्य वस्तुओं से अलग करती है. कोई पत्ती किसी दूसरी पत्ती की प्रतिकृति नहीं हो सकती, उससे पूरी तरह नहीं मिलती, क्योंकि प्रकृति ने प्रत्येक पत्ती तक को उसका विशिष्ट व्यक्तित्व दिया है. ठीक यही बात मानव-समाज के बारे में भी कही जा सकती है. प्रकृति ने प्रत्येक मनुष्य को विशिष्ट व्यक्तित्व दिया है. किसी व्यक्ति की अंगुलियों की छाप किसी दूसरे व्यक्ति से नहीं मिलती, यह तो सभी जानते हैं. लेकिन अब तो यह भी संभव हो गया है कि किसी भी मनुष्य के शरीर के किसी हिस्से–उसके दांत या बाल आदि के आधार पर उसके पूरे व्यक्तित्व की पहचान हो सके.

इसका अर्थ यह हुआ कि मनुष्य जाति के सभी सामान्य गुणों को समाहित करते हुए भी उसका एक अपना विशिष्ट व्यक्तित्व है और स्पष्ट है कि जो बात दैहिक स्तर पर सच है, वही मानसिक और बौद्धिक स्तर पर भी, क्योंकि न केवल आधुनिक विज्ञान के अनुसार भावनाएं और विचार एक भौतिक-रासायनिक प्रक्रिया की उपज हैं, बल्कि अध्यात्म-विज्ञान के अनुसार भी मन और बुद्धि भौतिक प्रक्रियाओं से संबंधित हैं. गीता में अष्टधा प्रकृति की व्याख्या करते हुए पांचों ज्ञानेन्द्रियों के साथ-साथ मन, बुद्धि और अहंकार को भी प्रकृति ही माना है, जबकि आत्मा प्रकृति नहीं है- यदि कोई उसका अस्तित्व मानता भी हो तो. तात्पर्य यह कि प्रत्येक मनुष्य का वैशिष्ट्य प्राकृतिक यानी विज्ञानसम्मत है. वह एक समूह का सदस्य भी है और एक विशिष्ट व्यक्ति भी.विशिष्ट का तात्पर्य अधिक अधिकार नहीं, बल्कि किसी भी व्यक्ति की स्वतंत्रता और सृजनशीलता के विशिष्ट स्वरूप की अभिव्यक्ति की प्रक्रिया, जो अनिवार्यतः किसी अन्य के वैशिष्ट्य के अधिकार का भी सम्मान करती हो. इन अर्थों में वैशिष्ट्य भी सामान्य गुणों की गणना में सम्मिलित हो जाता है. यानी मनुष्य होने का अर्थ ही एक विशिष्ट मनुष्य हो जाना है. अभी कुछ अरसा पहले प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर यशपाल ने एक बातचीत में शिकायत की थी कि विज्ञान की शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी अब डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं और बुनियादी विज्ञान से संबंधित शोध में उनकी कोई रुचि नहीं है. दूसरे शब्दों में कहें तो ज्ञान का प्रयोजन अब सत्य की खोज नहीं, बल्कि कुशलता में वृद्धि करना है. बुनियादी विज्ञान के बजाय तकनीक में अधिक रुचि इसी बात को दर्शाती है. लेकिन यह सब इसलिए है कि हमारी अर्थव्यवस्था और उससे संचालित शिक्षा-प्रक्रिया शिक्षार्थी के विशिष्ट व्यक्तित्व को नहीं, बल्कि बाज़ार को केन्द्र में रखती है, जिसका परिणाम यह होता है कि वह शिक्षार्थी की अंतर्निहित प्रतिभा और सृजनात्मकता के वैशिष्ट्य को उजागर करने की प्रक्रिया होने के बजाय उस वैशिष्ट्य को बाज़ार के एक औसत एजेंट में बदलने की प्रक्रिया हो जाती है. इस शिक्षा व्यवस्था की एक कठिनाई यह भी है कि माता-पिता या स्वयं द्वारा गलत चयन कर लिये जाने के परिणामों को सुधारने के लिए भी वह बच्चे को बाद में कोई अवसर नहीं देती- बल्कि अक्सर शिक्षार्थी भी आर्थिक सुरक्षा के चलते उसमें कोई परिवर्तन नहीं चाहता, क्योंकि वह देखता है कि उसका वैशिष्ट्य उसे उतनी आर्थिक सुविधा नहीं दे सकता, जितना उसका औसत करियर. आखिर एक औसत इंजीनियर, डॉक्टर या प्रबंधक भी एक प्रथम श्रेणी के वैज्ञानिक, लेखक, दार्शनिक या कलाकार से अधिक आर्थिक सुरक्षा में रहता ही है. लेकिन सवाल यह है कि शिक्षार्थी के वैशिष्ट्य को पल्लवित-पुष्पित होने देने के बजाय उसे एक औसत एजेंट बनाकर शिक्षा किसका वास्तविक प्रयोजन पूरा कर रही है : अपना, शिक्षार्थी का या बाज़ार का?

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

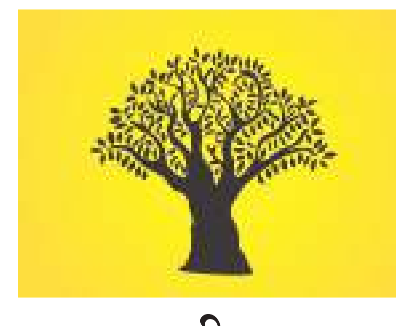

ध्यान की साधना

एक व्यक्ति ने किसी साधु से कहा, 'मेरी पत्नी धर्म-साधना-आराधना में बिलकुल ध्यान नहीं देती. यदि आप उसे थोड़ा बोध दें तो उसका मन भी धर्म-ध्यान में रत हो.' साधु बोला, 'ठीक है.'अगले दिन प्रातः ही साधु उस व्यक्ति के घर गया. वह व्यक्ति वहां नजर नहीं आया तो साफ सफाई में व्यस्त उसकी पत्नी से साधु ने उसके बारे में पूछा. पत्नी ने कहा, 'वे चमार की दुकान पर गए हैं.' पति अन्दर के पूजाघर में माला फेरते हुए ध्यान कर रहा था. उसने पत्नी की बात सुनी. उससे यह झूठ सहा नहीं गया. त्वरित बाहर आकर बोला, 'तुम झूठ क्यों बोल रही हो, मैं पूजाघर में था और तुम्हें पता भी था.' साधु हैरान हो गया. पत्नी ने कहा- 'आप चमार की दुकान पर ही थे, आपका शरीर पूजाघर में, माला हाथ में किन्तु मन से चमार के साथ बहस कर रहे थे.' पति को होश आया. पत्नी ठीक कह रही थी. माला फेरते-फेरते वह सचमुच चमार की दुकान पर ही चला गया था. कल ही खरीदे जूते क्षति वाले थे, खराब खामी वाले जूते देने के लिए, चमार को क्या क्या सुनाना है वही सोच रहा था. और उसी बात पर मन ही मन चमार से बहस कर रहा था. पत्नी जानती थी उनका ध्यान कितना मग्न रहता है. वस्तुतः रात को ही वह नये जूतों में खामी की शिकायत कर रहे थे, मन अशान्त व असन्तुष्ट था. प्रातः सबसे पहले जूते बदलवा देने की बेसब्री उनके व्यवहार से ही प्रकट हो रही थी, जो उनकी पत्नी की नजर से नहीं छुप सकी थी.साधु समझ गया, पत्नी की साधना गजब की थी और ध्यान के महत्व को उसने आत्मसात कर लिया था. निरीक्षण में भी एकाग्र ध्यान की आवश्यकता होती है. पति की त्रुटि इंगित कर उसे एक सार्थक सीख देने का प्रयास किया था. धर्म-ध्यान का मात्र दिखावा निरर्थक है, यथार्थ में तो मन को ध्यान में पिरोना होता है. असल में वही ध्यान साधना बनता है. यदि मन के घोड़े बेलगाम हो तब मात्र शरीर को एक खूँटे से बांधे रखने का भी क्या औचित्य? आप दुनिया को दिखाने के लिए पूजा करते रहें, ध्यान साधना करते रहें, लेकिन वास्तव में आपका मन किन्हीं और प्रयोजनों के भंवर जाल में भटकता रहे तो उस पूजा और ध्यान या साधना का कोई अर्थ नहीं रह जाता. इसलिए ध्यान और साधना के लिए एकाग्रता का होना आवश्यक है.

अंधेरा केवल वहीं नहीं है

• समाज

प्रेम कुमार मणि

कट्टरता, असहिष्णुता या फिर अज्ञान किसी खास जगह या जमात की चीज नहीं है. यह कहीं भी हो सकता है. हमारी पौराणिकता में रावण बहुत विद्वान माना गया है. लेकिन वह नायक नहीं, खलनायक है. वह विद्वान जरूर था, लेकिन दम्भी और असहिष्णु था, ऐसी लोकमान्यता है, और इसीलिए उसकी विद्वत्ता के बावजूद उसे जनमत ने नायक स्वीकारने से इंकार कर दिया. और अपने हालिया इतिहास के गांधी को लें,तो कोई उन्हें विद्वान नहीं मानता. तिलक, गोखले, फ़िरोज़शाह मेहता, राजगोपालाचारी, नेहरू , जिन्ना, अंबेडकर, सुभाष सब उनकी अपेक्षा कहीं अधिक काबिल थे, लेकिन भारतीय जनमन ने मोहनदास गांधी को नायक के रूप में स्वीकार किया और महात्मा कहा. यह शायद इसलिए कि गांधी ने जनमन के साथ अपना एक तादात्म्य बना लिया था. जनमन को छोड़ कर आगे बढ़ने में विश्वास उन्होंने नहीं किया. इसलिए बाज़ दफा वह जनता की तरह ही रूढ़िवादी और पिछड़े दिमाग के दीखते हैं. आम्बेडकर ने सही आकलन किया है कि गांधी आधे संत और आधे राजनीतिक हैं.(आम्बेडकर स्वयं आधे विद्वान और आधे राजनीतिक थे.) मेरा मानना है अंबेडकर का आकलन गलत नहीं था. गांधी अपनी सुविधा से आकलन करते और निर्णय लेते थे. प्रथम विश्वयुद्ध के दौर में उन्होंने अपने संतत्व को आगे कर दिया और कहा ब्रिटेन अभी युद्ध में उलझा हुआ है, और ऐसे में जब शत्रु मुश्किल में हो उस पर हमला नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने न केवल होमरूल का समर्थन नहीं किया, बल्कि अपनी अहिंसा नीति को ताखे पर रख ब्रिटिश फ़ौज में हिन्दुस्तानियों को शामिल करने की मुहिम चलाई. एक समय युद्ध सहयोग केलिए ब्रिटिश सरकार ने उन्हें कैसरेहिंद की उपाधि से भी नवाजा. लेकिन वहीं गांधी दूसरे विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सरकार के पुरजोर अनुरोध (क्रिप्स मिशन प्रस्ताव) के बावजूद युद्ध की मुसीबत में फंसे शत्रु के खिलाफ अपना राजनीतिक जिहाद (भारत छोडो आंदोलन) शुरू कर देते हैं. गांधी दोनों में से एक जगह तो गलत जरूर ही थे, लेकिन क्या इस पर कोई विचार करना चाहता है? मेरा विवेक कहता है इन सब तरह के नजरिये को देखो और इसके उपरांत एक अपना नजरिया विकसित करो. सावरकर थे तो इसलिए कि 1905 के बंगभंग प्रतिकार आंदोलन के दौर में ढाका में जमींदार मुसलमानों द्वारा मुस्लिम लीग का गठन हुआ. 1916 के लखनऊ सम्मेलन में सांप्रदायिक आधार पर केंद्रीय धारासभा में सीटें देने का प्रस्ताव स्वीकार हुआ. खिलाफत आंदोलन हुआ. इन सब के बाद हिंदुत्व की राजनीति का विकास स्वाभाविक था. यह घटनाक्रम यदि बीस साल पहले घटित होता तो सावरकर 1857 विषयक अपनी किताब भिन्न नजरिए से लिखते या फिर नहीं लिखते. अंग्रेजों का मानना था कि 1857 का विद्रोह मुख्यतया पदच्युत मुसलमान शासकों का विद्रोह था. जैसे-जैसे देश में लोकतान्त्रिक भावनाएं मजबूत होने लगीं, मुसलमानों के कुलीन तबके में यह भावना उभरने लगी कि अंग्रेजो के जाने के बाद उनका नहीं हिन्दुओं का राज आएगा. इसी भावना ने अंततः पाकिस्तान का बीजारोपण किया. एक छोटे हिस्से में ही सही मुस्लिम राज होना चाहिए. हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है. इस दौर में हिंदुत्व और हिन्दू राष्ट्र का विचार उभरना अस्वाभाविक नहीं था. सावरकर इसी भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्हें इतिहास के अनुक्रम से हटाना और नकारना मुश्किल होगा. अब उन्होंने अंग्रेजों से मुआफी मांगी कि आर्थिक मदद ली, जैसी जानकारियां उनके महत्व को कम नहीं करेंगी. कुछ लोगों ने बहुत समय तक अंबेडकर के बारे में यही प्रचारित किया कि वह एक दिन केलिए भी जेल नहीं गए और ब्रिटिश सरकार के हिमायती रहे. यह गलत भी नहीं है. अंबेडकर के लिए आज़ादी का मतलब वह नहीं था, जो सवर्ण हिन्दू या असरफ मुस्लिम के लिए था. उन्होंने दलित नजरिए से आज़ादी को देखा और उसकी व्याख्या की. देर से ही सही उन्हें भारत को स्वीकारना पड़ा. भगत सिंह को आज़ादी के बहुत समय बाद तक हमने स्वतंत्रता सेनानी नहीं माना था.मैं चाहूंगा कि हमारे विद्वान और आमजन भारतीय इतिहास की एक विवेकशील समझ विकसित करें. हमें अपनी खासियतों के साथ अपनी कमजोरियों को भी देखना चाहिए. हम सचमुच इतने गांधीवादी हो जाते हैं कि सुभाष, अंबेडकर, जिन्ना, सावरकर सबको भूल जाते हैं.

> प्रथम विश्वयुद्ध के दौर में उन्होंने अपने संतत्व को आगे कर दिया और कहा ब्रिटेन अभी युद्ध में उलझा हुआ है, और ऐसे में जब शत्रु मुश्किल में हो उस पर हमला नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने न केवल होमरूल का समर्थन नहीं किया, बल्कि अपनी अहिंसा नीति को ताखे पर रख ब्रिटिश फ़ौज में हिन्दुस्तानियों को शामिल करने की मुहिम चलाई.

क्या मथुरा-काशी पर 2024 का चुनाव लड़ेंगे

• सामयिकी

पुष्परंजन

मथुरा-काशी में जो बाक़ी है, वह अदालत के हवाले है. 2024 का चुनाव अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर लड़ेंगे, या कि मथुरा-काशी में विवाद को बढ़ाकर? इस रणनीति पर सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक गरमाया हुआ है. 15 दिसंबर 2023 को जुमे का दिन था, जब मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है. सर्वोच्च अदालत ने सर्वे रोकने से मना किया है. सुप्रीम कोर्ट में 9 जनवरी 2024 को इस मामले की अगली सुनवाई होगी. 24 दिनों में क्या उत्तर प्रदेश शासन सर्वे करा लेगा? बाहर से चाहे न दिखे, मगर अंदर ही अंदर तैयारी है. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के कोर्ट कमिश्नर सर्वे को मंजूरी दी थी. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के शाही ईदगाह परिसर के सर्वे के वास्ते अदालत की निगरानी में एक एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति की मांग स्वीकार कर ली थी. हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने बताया, 'एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति हम जारी कर रहे हैं. एएसआई सर्वे कब से होगा, कितने लोग इसमें शामिल होंगे, ये सब 18 दिसंबर को तय होना था, जिसपर रोक के वास्ते मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया हुआ था. सर्वोच्च अदालत ने मथुरा में श्रीकृष्ण का जन्मस्थान के सर्वे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया, जिसके लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था. साठ के दशक में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और ट्रस्ट शाही ईदगाह मस्जिद के बीच विवाद अदालत में लंबित था. 1968 को दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया. इस समझौते में जमीन के कुछ हिस्से को ट्रस्ट शाही ईदगाह मस्जिद को दे दिया गया. उस क्रम में ज़मीन के कुछ हिस्से से वहां बसे घोसी मुसलमानों आदि को हटाया गया, और वो हिस्सा मंदिर के इस्तेमाल में आया. हिंदू याचिकाकर्ताओं के अनुसार, समझौता करने वाली सोसाइटी को इसका कोई अधिकार नहीं था, और ये समझौता ही अवैध है. इस समझौते में श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट को भी पक्षकार नहीं बनाया गया था. ईदगाह मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर जेड हसन ने भी बयान दिया कि 1968 के समझौते में साफतौर पर इलाके को बांटा हुआ है, चुनांचे उसमें विवाद की कोई गुंजाइश ही नहीं है. किंतु, क़ानून हाथ में है तो आप कुछ भी कर सकते हैं. इस इलाक़े में हिंदू-मुसलमान प्रेम सद्भाव से रह रहे हैं. वे चाहते हैं कि मथुरा में शांति बनी रहे. मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले ज़फरयाब जिलानी बताते हैं कि 1968 में शाही ईदगाह मस्जिद समिति व कृष्ण भूमि ट्रस्ट के बीच समझौता हुआ था, और मस्जिद के प्रबंधन का अधिकार मुस्लिम समिति को सौंप दिया गया था. बाबरी मस्जिद विध्वंस के छह माह बाद वृंदावन निवासी मनोहरलाल शर्मा ने 1968 में हुए समझौते को रद्द करने के वास्ते मथुरा ज़िला अदालत में याचिका दायर की. साथ ही 1991 में बने पूजा स्थल संरक्षण क़ानून को भी चुनौती दी गई. इस अदालती लड़ाई का 'द एंड' फिलहाल नहीं दीखता. 2024 चुनाव तक भी नहीं. श्रीकृष्ण विराजमान की ज़मीन पाने के वास्ते हिंदू पक्षकार ऊपरी अदालत में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व शाही ईदगाह ट्रस्ट प्रबंध समिति के विरुद्ध अपील में चले गये. कोर्ट में 18 दावे-प्रतिदावे लंबित हैं. यह महत्वपूर्ण है कि 12 जून 2020 को 'पूजा स्थल संरक्षण क़ानून 1991' को एक हिंदू संगठन, 'विश्व भद्र पुजारी पुरोहित महासंघ' ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. इस एक्ट में कहा गया है कि 15 अगस्त 1947 को जो पूजा स्थल जिस धर्म का था, वह उसी धर्म का बना रहेगा. हिंदू संगठन मथुरा-काशी विवाद छेड़ने से पहले 'पूजा स्थल संरक्षण क़ानून 1991' को जैसे भी निरस्त कराना चाहेंगे. अब इसे प्रधानमंत्री मोदी का प्रारब्ध कहें या प्रबल कालचक्र, भूमिपूजन से लेकर भव्य मंदिर निर्माण का सेहरा स्वयं के सिर बांध लिया. राम मंदिर आंदोलन के सारे शूरवीर, भल्लाल देव एक कोर्ट के निर्णय से नेपथ्य में जा चुके. 'हम मंदिर वहीं बनाएंगे-तारीख नहीं बताएंगे'ऐसी तंज़तारी अब कोई संघ प्रमुख मोहन भागवत पर नहीं करेगा. अयोध्या में मंदिर स्थापना के संकल्प को मोहन भागवत और मोदी ने पूरा किया. मोदी और मोहन भागवत की जोड़ी काशी और मथुरा का 'हिंदू हृदय सम्राट'फ़िर किसी को बनने दें, इसमें संदेह ही है. राम मंदिर निर्माण और काशी-मथुरा की झांकी से 2024 की चुनावी नैया बीजेपी पार कर लेगी? सवाल बीच बहस है. निश्चित रूप से काशी-मथुरा को अगले कुछ महीनों में चुनावी झांकी बनाने के काम आना है.

> इस अदालती लड़ाई का 'द एंड' फिलहाल नहीं दीखता. 2024 चुनाव तक भी नहीं. श्रीकृष्ण विराजमान की ज़मीन पाने के वास्ते हिंदू पक्षकार ऊपरी अदालत में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व शाही ईदगाह ट्रस्ट प्रबंध समिति के विरुद्ध अपील में चले गये. कोर्ट में 18 दावे-प्रतिदावे लंबित हैं.

मीडिया में अन्यत्र

ट्रंप की दावेदारी पर रोक

अमेरिकी राज्य कोलोराडो के सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फिर से दावेदारी पर रोक लगा दी है. उसने यह फैसला इस आधार पर दिया है कि उन्होंने 'विद्रोह या बगावत' में संलिप्त होने से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया. चार बनाम तीन से हुए फैसले में अदालत ने पाया कि ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 को प्रदर्शनकारियों को उकसाने में जो भूमिका निभायी, उसके चलते वह अगले साल कोलोराडो में चुनावी बैलेट पर रहने के योग्य नहीं हैं. इन प्रदर्शनकारियों के एक हिस्से ने वॉशिंगटन में यूएस कैपिटल की इमारतों पर हमला किया था. यह फैसला राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को बैलेट से हटाने के लिए देश के 14वें संशोधन की धारा 3 के इस्तेमाल की ऐतिहासिक नजीर कायम करता है. इस मामले में जिसके खिलाफ इसका इस्तेमाल किया गया है, वह एक बड़े अंतर से सबसे लोकप्रिय रिपब्लिकन उम्मीदवार है और जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. इस धारा ('विद्रोह-संबंधी प्रावधान') के तहत, अमेरिकी संविधान के खिलाफ विद्रोह या बगावत में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक पद की दावेदारी की इजाजत नहीं दी जायेगी. इसमें कांग्रेस, सेना, और संघीय व राज्य सरकार के पद शामिल हैं. 14वें संशोधन को 1868 में औपचारिक मंजूरी मिली थी. इसे कुछ हद तक इसलिए लाया गया, ताकि पूर्व कॉन्फेडरेट्स (वे लोग जो गुलामी प्रथा बनाये रखने के लिए अमेरिकी गृहयुद्ध में यूएस से अलग होने के लिए लड़े थे) को कांग्रेस में प्रवेश करने और उस सरकार से सत्ता छीनने से रोका जा सके, जिससे वह पहले लड़ चुके थे. विडंबना है कि मतपत्रों से होने वाले मतदान से जुड़ी चुनावी धांधली के अपुष्ट आरोपों के आधार पर वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण रोकने की कोशिश में ट्रंप की भूमिका के लिए, गृहयुद्ध के बाद जैसा ही तर्क अब उनके खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है. कोलोराडो के फैसले ने एक जिला अदालत के पूर्व निर्णय को पलट दिया. उसमें ट्रंप को चुनाव लड़ने से रोकने से इस आधार पर इनकार किया गया था कि यह साफ नहीं है कि 14वें संशोधन के तहत राष्ट्रपति का पद आता है या नहीं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चक्र/चक्कर

हमने गांव के पनघट पे भाई देखी थीं पनहारियां, चक्कर खा गये हम तो रे भइया, देख शहर की नारियां. सन् 1972 में एक फिल्म आयी थी-एक बेचारा. यह गाना उसी फिल्म का है, जिसे मुकेश ने गाया है. फिल्म का नायक गांव से शहर आया तो यहां की नारियों को देखकर चक्कर खा गया. यह चक्कर क्या है? कहीं यह चक्र का तद्भव रूप तो नहीं है? जैसे कहते हैं-काल का चक्र हमेशा घूमता रहता है. इसे समझने के लिए हमें शब्दकोश का सहारा लेना पड़ता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार चक्र संस्कृत मूल का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है घुमनेवाली वस्तु, पहिया. इसे चक्का भी कहते हैं. चक्र के और भी अनेक अर्थ हैं. जैसे वृत्ताकार पथ, परिधि, परिक्रमा, चक्कर, समय और समाज के संदर्भ में वह अवधि, जिसमें कुछ घटित हो और भविष्य की पुनरावृत्ति हो. पुराणों के अनुसार चक्र एक प्राचीन अस्त्र है. जैसे भगवान विष्णु का चक्र, सुदर्शन चक्र, गोल दायरा, वृत्त, नदी या समुद्र में उठनेवाली भंवर, वीरतापरक कार्यों एवं अदम्य साहस के लिए सैनिकों को दिया जानेवाला पदक, हठयोग की एक मुद्रा, हथेलियों या पादतल की वृत्ताकार रेखाएं, साजिश, छल, षड्यंत्र, मीन, मेष,तुला आदि बारह राशियों का समूह को भी चक्र कहा जाता है. चक्कर हिंदी का तद्भव रूप है. इसका मतलब है किसी के चारों ओर मंडलाकार घूमना, परिक्रमा, आवृत्ति, फेरा, मंडल, घेरा, पहिए की तरह अक्ष पर घूमना, घुमावदार या गोलाकार मार्ग, लकड़ी या लोहे का पहिया या पहिए जैसी चीज, कुम्हार का चाक, चक्र, किसी रोग आदि के कारण सिर में होनेवाला घुमाव, हैरानी, परेशानी, झंझट, बखेड़ा, रहस्य, गड़बड़, भंवर. आप तो समझ ही गए होंगे कि एक बेचारा फिल्म के गाने में चक्कर शब्द का प्रयोग गीतकार आनंद बक्शी ने किया है.

कच्छप नीति अपनाओ, सदा सुखी रहो

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

हे मनुष्यो! मैं सर्वदा सुखी रहने वाला संसार का एकमात्र जीव हूं. मैं कवच के साथ ही जन्म लेता हूं. अपनी खोल से बाहर मैं तभी निकलता हूं, जब भूख लगती है. सादा भोजन करता हूं. विचार तो उच्च है ही. यही मेरे जीवन के मूल मंत्र है. आपको भी मेरी नीति का पालन करना चाहिए. संसार सुखों का घर है. सुस्ती सुखों का कारण है. कच्छप नीति ही सर्वोत्तम नीति है. मित्रो, मेरी पहली नीति है सुस्ती परमं सुखं. अपना कवच बना लो. कवच चाहे धन का हो, विद्या का हो, ज्ञान का हो, अधिकारों का हो या राजनीति का या वंश का हो. अपने कवच में ही पड़े रहो. संसार अपनी गति से चल रहा है. यह तुम्हारे हस्तक्षेप से आंदोलित नहीं होगा. संसार की गति और मति में बाधा डालने वाले तुम होते कौन हो? किसी की लाज लुटी, लुटने दो. किसी का घर जला जलने दो. सड़क के किनारे किसी बेबश के साथ बलात्कार हो रहा हो, तुम अपने ऑफिस जाओ. भरी सभा में द्रोपदी की लाज लुट गई. वहां किसी ने कुछ नहीं किया. जानते हो क्यों ? क्योंकि सभी वहां बुद्धिजीवी थे. यदि वह कोल-भीलों की सभा होती तो दुशासन की बांह उखाड़ने के लिए किसी महाभारत की प्रतीक्षा नहीं करती. सुविधाभोगी मध्यमवर्ग युगों से संसार की शोभा बढ़ाता आया है. किसी के घर में आग लगे तो सबसे पहले अपने घर की बाल्टी छुपा दो. कहीं कोई आग बुझाने के लिए ले गया और बाल्टी गुम हो गई तो क्या करोगे ? कभी भी पराई आग में मत कूदो. दीर्घायु होने और सुख से रहने के लिए यह मंत्र सबसे अधिक उपयोगी है. मानवो, तुम सृष्टि के सबसे अधिक चालाक जीव अपने को मानते हो लेकिन तुमलोगों में भी मूर्खों की संख्या बहुत अधिक है. तुम्हारे शास्त्र कहते रहे हैं कि मानव योनि चौरासी लाख योनियों के बाद मिलती है फिर भी लोग सुख से जीना छोड़कर शहीद होने निकल पड़ते हैं. बुद्ध ने तो सुना है कि राजपाट का त्याग करके संसार को सुधारने का बीड़ा ही उठा लिया. उसने अपने पिता का राज तो डुबोया ही, अपने पुत्र का कैरियर भी ले डूबा. उसी तरह ईसा को सूली पर चढ़ा दिया गया. गांधी ने गोली खा ली. साहब यह समझदारी नहीं है. कुत्ता सृष्टि के आरंभ से लेकर आज तक आदमी का प्रधान मित्र हैं. पहले वह शिकार के लिए आगे चलता था अब मार्निंग वाक के लिए. चलता आगे ही है. केवल दुम हिलाने की अपनी कला के बदौलत. यदि एक कुत्ता इतना व्यावहारिक हो सकता है तो एक आदमी क्यों नहीं. दुम यदि भगवान ने नहीं दी तो जीभ तो दी है. उससे तो दुम से अधिक काम लिया ही जा सकता है. चमचागिरी शब्द को बदनाम कर दिया गया है लेकिन यह व्यावहारिक समझदारी का ही दूसरा नाम है.

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

तुम मुझे यूं भुला न पाओगे...

24 दिसंबर का दिन देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में विस्मृत नहीं किया जा सकता क्यूंकि इसी दिन वर्ष 1924 में विश्व प्रसिद्ध गायक मोहम्मद रफ़ी साहब का जन्म अमृतसर के निकट कोटला सुल्तान सिंह गांव में हुआ था. हाजी अली मोहम्मद के घर यह छठे पुत्र का जन्म था जिसे मोहम्मद रफ़ी का नाम दिया गया. परिवार में सब उन्हें प्यार से फ़िकू पुकारने लगे. बचपन में ही रफ़ी साहब का संगीत प्रेम परिवार को दिखने लगा, जब वह गांव के एक फ़कीर की आवाज़ की नक़ल करने लगे तथा उसके साथ बैठकर जब-तब गाना भी सुनने लगे. चूंकि उन दिनों उनके धर्म में संगीत-नृत्य को और अधिक निषिद्ध समझा जाता था, अतः परिवार से इस दिशा में उन्हें कोई प्रोत्साहन नहीं मिल सका. लेकिन विधना ने तो उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था. उनके बहनोई मोहम्मद हामिद ने संगीत के प्रति उनकी लगन और सुरीले गले की गुणवत्ता को पहचानने में भूल न की और गुपचुप तरीके से वह उन्हें इस दिशा में हर तरह की मदद देने लगे. परिवार के विरोध के बावजूद गांव के फ़कीर के साथ संगीत की बैठकें बदस्तूर जारी रहीं.

इन उस्तादों ने तरासा

वर्ष 1935-36 में उनके पिता लाहौर जाकर बस गए और वहीं सैलून का काम उन्होंने प्रारंभ कर दिया. इधर रफ़ी साहब अपनी संगीत साधना में लगे रहे. बाद में ये पूरा परिवार भी लाहौर चला गया. मौका मिलते ही रफ़ी के बहनोई हामिद ने उन्हें उस्ताद बरकत अली ख़ान, उस्ताद अब्दुल वाहिद ख़ान, उस्ताद फिरोज़ निजामी और पंडित जीवनलाल मट्टू जैसों की सानिध्य में पहुंचा दिया. रफ़ी की प्रतिभा को पहचान इन उस्तादों ने भी उन्हें तरासने में तरह-तरह से मदद की. रफ़ी को आगे बढ़ना था इसीलिए शायद तकदीर भी उनका भरपूर साथ देती रही.

ऐसे मिला सहगल का मंच

1937 में जब वह मात्र 13 वर्ष के थे, उन्हें उन दिनों के सुपरस्टार गायक के. एल. सहगल साहब के एक कार्यक्रम में अपने बहनोई के साथ जाने का मौका हाथ लगा. यहीं उनकी क़िस्मत साथ दे गई और बिजली कट जाने के कारण सहगल साहब ने मंच पर गाना बंद कर दिया. जब कुछ देर होने लगी तो हामीद ने जाकर सहगल साहब से विनती की कि रफी बिना माइक के भी ऊंचे सुर में गा सकते हैं तो मात्र दर्शकों, श्रोताओं का मनोरंजन करने के लिए उन्हें बिजली कटे रहने तक मंच से गाने की अनुमति दी जाए. सहगल साहब ने यह अनुमति दे दी. रफी साहब ने मंच पर बिना माईक गाया और साबित कर दिया कि वो प्रतिभा की खान हैं, क्योंकि श्रोताओं ने भी भरपूर सराहना की और स्वयं सहगल साहब भी बहुत प्रभावित हुए. इसके बाद सहगल साहब ने हामिद से कहा कि जब मौका मिले इसे लेकर मेरे घर आना, इसको मदद की जाएगी.

'सोनिये नी हीरिये नी'

1944 में पंजाबी के संगीतकार श्याम सुंदर ने इन्हें पहली बार अपनी फिल्म 'गुल बलोच' में पार्श्वगायन का मौका दिया. गाने के बोल थे 'सोनिये नी हीरिये नी' जिसमें उनके साथ जीना बेग़म की आवाज़ थी. हालांकि अब यह रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है. गायन के क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए रफी साहब को लेकर हामिद 1944 में स्थाई रूप से मुंबई आ गए. मुंबई आने पर शायर तनवीर नक़वी के माध्यम से उनका संपर्क अब्दुल रशीद कारदार, महबूब ख़ान तथा नज़ीर आदि जैसी बड़ी-बड़ी फिल्मी हस्तियों से हुआ. शुरू में उन्हें उस समय के प्रसिद्ध पार्श्वगायकों यथा; के.एल.सहगल के साथ 'शाहजहां' फिल्म में 'मेरे सपनों की रानी रूही' तथा तलत महमूद के साथ 'नदिया में उठा है शोर चाहिए घटा घनघोर' आदि गानों में कोरस गायक के रूप में मौका दिया गया. लेकिन इन कोरस गीतों में भी उस समय के चर्चित संगीतकार नौशाद साहब ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उनके निर्देशन में रफी साहब की आवाज़ में पहला गीत 'हिंदुस्तान के हम हैं' रिकॉर्ड कराया. बाद में उन्होंने श्याम और अलाउद्दीन के साथ कारदार की फिल्म 'पहले आप' के लिए 1946 में भी गीत रिकॉर्ड कराया. इसी समय 1945 में 'गांव की गोरी' फिल्म में गाया उनका गीत 'अजी दिल हो काबू में' भी चर्चित हुआ जिसे रफ़ी साहब सही अर्थों में अपना पहला हिंदी गीत मानते थे. 1945 में रफी साहब का विवाह भी हुआ. 'लैला मजनूं' आदि जैसी फिल्मों में रफ़ी साहब ने अपने गीतों पर छोटी-मोटी भूमिकाएं भी की. नौशाद के संगीत निर्देशन में फिल्म 'अनमोल घड़ी' में इनका गाया हुआ गाना 'तेरा खिलौना टूटा बालक' अत्यंत लोकप्रिय हुआ. प्रसिद्ध गायिका नूरजहां के साथ नौशाद के संगीत निर्देशन में फिल्म 'जुगनू' का गीत 'बदला वफ़ा का बेवफाई के सिवा क्या है' ने उन्हें देशभर में ख्याति दिला दी. देश विभाजन के उपरांत रफी भारत में ही रह गए और 1948 में महात्मा गांधी की हत्या हो जाने के बाद गांधी की स्मृति में राजेंद्र कृष्ण द्वारा रचित गीत 'सुनो सुनो ए दुनिया वालों, बापू की ये अमर कहानी' गाकर देश के प्रसिद्ध स्थापित गायक बन गए. इसके पश्चात् रफ़ी साहब ने पीछे मुड़कर न देखा. उनके बहनोई हमीद अब उनके सचिव के रूप में काम करने लग गए थे. उसके पश्चात् नौशाद, श्याम सुंदर, हुस्न लाल भगत राम, कल्याण जी आनंद जी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, शंकर जयकिशन, ओ.पी. नैयर, मदन मोहन, रोशन, एस.डी. बर्मन, आर.डी. बर्मन जैसे अनेक प्रतिष्ठित संगीतकारों के साथ गीत गाकर रफ़ी अमर हो गए. रफ़ी साहब एक धार्मिक प्रवृत्ति के सज्जन और मददगार व्यक्ति थे.

विवादों की यह कहानी

आमतौर से किसी विवाद में नहीं पड़ते थे. लेकिन लता मंगेशकर जी के साथ उनका एक विवाद हुआ. लता जी गानों पर रॉयल्टी भी चाहती थीं और रफ़ी साहब इसे इसलिए उचित नहीं मानते थे कि एक ही काम के दो बार पैसे नहीं लिए जाने चाहिए. फिर बी. आर. चोपड़ा साहब से भी अनबन हो गई हो गई और उन्होंने अपनी फिल्मों में रफ़ी साहब से काम लेना बंद कर दिया, इस दावे के साथ कि वो नया रफ़ी पैदा कर देंगे. पर न तो ये संभव न ऐसा हो सका.

पद्मश्री, 6 फिल्मफेयर अवार्ड

रफ़ी साहब को छह बार फिल्मफेयर अवार्ड मिला. भारत सरकार से पद्मश्री का सम्मान भी मिला. दो बार उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी गायन के लिए दिया गया. उन्होंने हिंदी, पंजाबी, उर्दू, बंगला, मराठी, भोजपुरी, फारसी, अंग्रेजी, सिंधी, कन्नड़, तथा तेलुगू आदि अनेक भाषाओं में लगभग 28000 गाने गाए जिससे उनका नाम 'गिनेस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड्‌र्स' में दर्ज हुआ.

उतार-चढ़ाव का अफसाना

रफ़ी साहब की विशेषता यह थी कि शास्त्रीय संगीत में भी उन्हें दक्षता प्राप्त थी. इसीलिए उन्होंने बसंत बिहार, बैजू बावरा, कोहिनूर आदि जैसी अनेक फिल्मों में एक से एक शास्त्रीय गीत दिए हैं, जो आज भी लोगों में बहुत ही लोकप्रिय हैं. इसी समय 'आराधना' फिल्म में किशोर कुमार साहब का गाया हुआ एक गीत 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' इतना अधिक लोकप्रिय हुआ कि इसी के बाद से रफी साहब की मांग फ़िल्मों में बिल्कुल कम हो गई और किशोर कुमार ही सबसे अधिक लोकप्रिय गायक हो गए. यह बहुत बुरा दौर रहा उनके लिए. किंतु उनकी प्रशंसिका रही संगीत निर्देशक उषा खन्ना जी ने उनके लिए फिर एक गीत ' तू इस तरह से मेरी ज़िंदगी में शामिल है' स्वरबद्ध किया और रफी साहब का यह गाना सुपरहिट हुआ. किंतु तक़दीर को कुछ और ही मंजूर था. अचानक 31 जुलाई 1980 को हृदयाघात होने के कारण इनको अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उन्हें बचाया न जा सका और महज 56 वर्ष की अल्प आयु में इनका अवसान हो गया. पूरी दुनिया शोकाकुल हो गई. आज उनकी जन्म तिथि पर उनकी कमी महसूस करते हुए, उन्हें दिल से याद करते हुए हम उन्हें हार्दिक बधाइयां और शुभकामनाएं देते हैं और हम उन्हें आश्वस्त भी करते हैं कि सचमुच हम भी उन्हें कभी भूल नहीं पाएंगे. उन्हीं का गाया हुआ यह गीत मन में एक टीस भी उत्पन्न करता है :

जाने वाले कभी नहीं आते, जाने वालों की याद आती है

हस्ताक्षर

सिनेमाघरों की रौनक बढ़ने की उम्मीद देता 2023

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

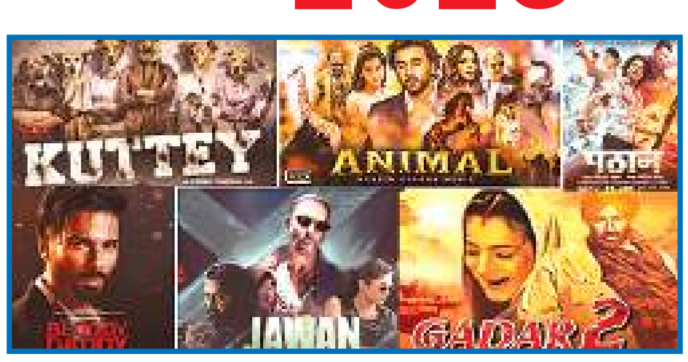

हिंदी सिनेमा के साल की शुरुआत 'कुत्ते' और अंत 'एनिमल' से होना, कोई संयोग नहीं हो सकता. इसमें हिंदी सिनेमा के स्वभाव में आ रहे बदलाव की झलक सहज ही महसूस की जा सकती है. सच यह भी है कि शुरुआत और अंत की दोनों ही फिल्में लगभग एक ही तरह के अंधकार, अश्लीलता, गाली गलोज, हिंसा और विभत्सतता में एक दूसरे से प्रतियोगिता करते नजर आयी. उल्लेखनीय यह भी कि दोनों ही फिल्में हिंदी सिनेमा में दस्तक देती नई पीढी का भी प्रतिनिधित्व करती हैं. 'कुत्ते' विशाल भारद्वाज के 28 वर्षीय बेटे आसमान भारद्वाज के निर्देशन में बनी थी, जबकि 'एनिमल' 40 वर्षीय फिल्मकार संदीप रेड्डी वंगा की दूसरी हिंदी फिल्म थी. संदीप वंगा जैसे फिल्मकारों को हिंदी सिनेमा की शालीनता और स्वभाव भंग करने की यह हिम्मत हमने ही दी है, क्या आश्चर्य कि इस हिम्मत की हम हौसला आफजाई भी कर रहे हैं. 700 करोड रुपए से अधिक के कलेक्शन के साथ 'एनिमल' से हिंदी सिनेमा के बाक्स आफिस के तमाम रिकार्ड को तोडने की उम्मीद भी की जा रही है.

2023 हिंदी सिनेमा के लिए अपनी संवेदना, सहजता और स्वभाव से मुक्ति के वर्ष के रुप में याद किया जा सकता है. वर्ष की तीन सबसे सफल फिल्मों को देखें तो सभी देश की संवैधानिक व्यवस्था को पूर्णतः खारिज करती दिखती है. साल की सबसे सफल फिल्म कही जाने वाली 'जवान' की कहानी बड़ी सीधी सी लगती है, एक व्यक्ति है, जो पांच लडकियों के साथ मिल कर एक मेट्रो ट्रेन का अपहरण कर लेता है, जिसमें एक उद्योगपति की बेटी भी है, वह उद्योगपति से फिरौती में मोटी रकम लेता है, इसलिए कि उस उद्योगपति ने भी गलत धंधे से कमाई की है. फिरौती में मिले धन को आत्महत्या के लिए मजबूर किसानों के खाते में डाल देता है. सरकारी अस्पतालों के हालात सुधारने के लिए वह स्वास्थ्य मंत्री का अपहरण कर लेता है, और पांच घंटे में व्यवस्था सुधर जाती है. फिल्म की कहानी की तरह 'जवान' का संदेश सीधा और स्पष्ट है कि आपको देश के हालात सुधारने हैं तो संवैधानिक व्यवस्था ध्वस्त करनी पडेगी. यहां भी पिता का बदला लेने के लिए नायक राबिनहुड बना दिखता है. ऐसा ही कुछ अराजकता 'एनिमल' में भी पिता के नाम पर ही नायक फैलाता दिखता है. 'एनिमल' देखते हुए लगता हम किसी और लोक में रह रहे, जहां कोई कानून नहीं चलता, सिवा ताकत और पैसे के. कमाल कि 'एनिमल' में तो पुलिस, कोर्ट जैसी कोई चीज दिखती ही नहीं, जो एक सभ्य समाज में रहने का भ्रम भी दे. 'पठान' कहने को एक थ्रिलर है, लेकिन यहां भी एक पूर्व रा एजेंट को आतंकवादियों के साथ मिलकर काम करते दिखाने में संकोच नहीं किया जाता. जून में रिलीज अली अब्बास जफर की 'ब्लडी डैडी' में भी हिंसा और अराजकता का कुछ ऐसा ही अतिरेक मिलता है, जहां 'एनिमल' के विपरीत एक पिता अपने अपहृत बेटे को बचाने के लिए सारी हदें तोडता दिखता है. प्रौढ अभिनेताओं पर भरोसा ही माना जा सकता है कि इस वर्ष पिता पुत्र की कहानी सिनेमा के केंद्र में रही, जिसमें गुलमोहर जैसी फिल्म भी शामिल हैं, और 'गदर2' जैसी भी. अगस्त में रिलीज गदर 2 से जिस ऐतिहासिक सफलता को दुहराने की उम्मीद थी, उस पर पूरी तरह खरी उतरी, और सनी देओल की लंबे अर्से बाद वापसी हुई. 'गदर2' ने यह भी साबित किया कि 'गदर' की सफलता कोई संयोग नहीं थी, विभाजन के हादसे की सिनेमा की चुप्पी का जवाब का है यह.

सुखद कि कोरोना के लंबे प्रभाव से इस वर्ष बाक्स आफिस मुक्त होता दिखा. बाक्स आफिस पर मिली लगातार सफलता ने हिंदी सिनेमा की हौसला आफजाई की. 'जवान' और 'पठान' के बारे में तो कहा जाता है, इन्होंने 1000 करोड़ से ऊपर की कमाई की. कमाल 'द केरल स्टोरी' जैसी कम बजट में बनी फिल्म ने किया, जिसने माउथ पब्लिसिटी के बल पर 300 करोड़ से अधिक की कमाई की. उम्मीद कर सकते हैं सफलता का यह दौर सिनेमाघरों की कम हो रही रौनक को बढ़ाने में सफल होगा.

फिर दूल्हा बनेंगे 56 साल के अरबाज

मलाइका संग तलाक और जॉर्जिया एंड्रियानी संग ब्रेकअप के बाद 56 साल के अरबाज खान 24 दिसबंर को गर्लफ्रेंड शौरा खान संग निकाह करने वाले हैं. शौरा एक प्रोफेशनल सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं. अरबाज और शौरा की पहली मुलाकात एक्टर की अपकमिंग फिल्म 'पटना शुक्ला' के सेट पर हुई थी. खबर है कि अरबाज-शौरा के निकाह में सिर्फ दोनों के परिवारवाले और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे.

गले मिले अभिषेक-सलमान

ऐश्वर्या और अभिषेक के तलाक की खबरों के बीच एक तस्वीर इन दिनों वायरल हो रही है जिसमें सलमान अमिताभ और अभिषेक को गले लगाते नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर को देखकर यूजर्स हैरान हैं.

क्या है मामला

21 दिसंबर को फिल्ममेकर आनंद पंडित के बर्थडे पार्टी में बॉलीवुड के जाने-माने सितारे शामिल हुए. अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन स्टेज पर थे. तभी सलमान भी वहां पहुंचे. उन्होंने अमिताभ की तरफ पहले हाथ बढ़ाया और फिर दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया. ये तस्वीर व वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गए. दरअसल सलमान के ब्रेकअप के बाद जब ऐश्वर्या ने अभिषेक की ओर कदम बढ़ाया, बच्चन फैमिली से सलमान के रिश्ते में खटास आ गई. इसके बाद शायद पहला मौका है जब ऐसी तस्वीर सामने आई है.

नए साल में ओटीटी पर देखें ये 5 ब्लॉकबस्टर फिल्में

साल 2024 में कई हिंदी सिनेमा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होंगी. इनमें एनिमल, डंकी, सैम बहादूर, 12वीं फेल जैसी जबरदस्त फिल्मों के नाम शामिल हैं. ये वही फिल्में हैं जो वर्ष 2023 के आखिरी में बॉलीवुड की सौगात रही हैं और जिनका जादू अब भी दर्शकों के सिर चढ़ कर बोल रहा है. अब ये फिल्में नए साल में ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार हैं.

एनिमल

रणबीर कपूर और बॉबी देओल की फिल्म 'एनिमल' बाप-बेटे के अटूट प्यार की कहानी है. रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, और तृप्ति डिमरी भी फिल्म में अहम भूमिका में नजर आते हैं. जानकारी के मुताबिक नेटफिलक्स पर यह 26 जनवरी को रिलीज होगी.

'12वीं फेल'

एक आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की कहानी है. यह अनुराग पाठक के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है. विक्रांत मैसी, मेधा शंकर, संजय बिश्नोई और हरीश खन्ना मुख्य भूमिका में हैं. जनवरी 2024 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इसके रिलीज होने की चर्चा है.

टाइगर 3

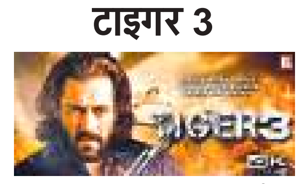

इस फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ, इमरान हाशमी, रेवती, आशुतोष राणा, रणवीर शौरी, रिद्धि डोगरा और विशाल जेठवा हैं. चर्चा है कि यह फिल्म नए साल 2024 के आसपास प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी.

सैम बहादुर

भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित इस फिल्म में विक्की कौशल, फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा आदि हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 26 जनवरी 2024 को जी 5 पर रिलीज होगी.

अमर सिंह चमकीला

दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा की यह फिल्म 2024 के शुरुआत में नेटफिलक्स पर रिलीज होगी. इम्तियाज अली निर्देशित यह फिल्म दिवंगत पंजाबी गायक अमर सिंह चमकिला के जीवन पर आधारित है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में दो बैल समेत एक की मौत

पूर्वी चंपारण। जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोतिहारी पकड़ीदयाल सड़क स्थित मसान चौक पर शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई. जबकि इस घटना में दो बैल को भी अपनी जान गंवानी पड़ी. वही एक व्यक्ति गंभीर अवस्था में इलाजरत है. पुलिस के मुताबिक सुबह घने कोहरे के बीच सड़क से गुजर रही बांस लदी बैल गाड़ी में हाइवा ने ठोकर मार दिया, जिसमें बैल गाड़ी पर सवार एक व्यक्ति और दो बैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया.

मोहन भागवत पहुंचे महर्षि मेंही आश्रम

पटना। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार सुबह ट्रेन से भागलपुर पहुंचे. नवगछिया स्टेशन से वे सड़क मार्ग से महर्षि मेंही आश्रम आये. आश्रम पहुंचते ही साधु-संतों और अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा के पदाधिकारियों ने तिलक लगाकर और मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत किया. संघ प्रमुख कुप्पाघाट में 6 घंटे तक रुकेंगे, जहां साधु-संतों के साथ मुलाकात के साथ आचार्य श्री हरिनंदन परमहंस जी महाराज का कुशल क्षेम जानेंगे. इस दौरान संघ प्रमुख महर्षि मेंही पर आधारित फिल्म के ट्रेलर रिलीज करेंगे. भागवत के आगमन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं.

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अररिया। अररिया महिला थाना पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी मो हसरत को गिरफ्तार कर लिया है. थानाध्यक्ष मेनका रानी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी मो. हसरत को बैरगाछी ओपी थाना क्षेत्र के फरासुत गांव से गिरफ्तार किया. मो. हसरत पर महिला थाना में प्राथमिकी कांड संख्या 47/2023 दर्ज है. जिसमें उनके ऊपर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है. पुलिस की गिरफ्तारी के भय से वह काफी समय से फरार था. मिली सूचना के बाद महिला थाना पुलिस ने उसे उनके गांव से गिरफ्तार किया.

राज्यपाल मौलाना मजहरूल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय के सीनेट की हुई बैठक

एजेंसियों से शिक्षकों का चयन सही नहीं : राज्यपाल

विशेष संवाददाता ।पटना

राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा है कि विश्वविद्यालयों में एजेंसियों के जरिये अतिथि शिक्षकों का चयन उचित नहीं है. इससे शिक्षा का स्तर गिरेगा. आर्लेकर ने मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विवि (पटना) के सीनेट की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उपर्युक्त बात कही. उन्होंने कहा कि इस पद्धति से शिक्षकों को उपलब्ध कराने से कुछ लोगों का हित हो सकता है लेकिन शिक्षा प्रणाली के लिए यह सही नहीं है. हालांकि एजेंसी के बारे में मुझे कोई पत्र नहीं मिला है. इससे पूर्व बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस विवि के उद्देश्यों को पूरा करने में सब लोग सहयोग करें. इसे ऊंचाई पर ले जाने की जिम्मेदारी हम सब की है. उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में बजट और अकादमिक विषयों पर विचार-विमर्श के लिए सीनेट की अलग-अलग बैठकें होनी चाहिए. बैठक विवि के शैक्षिक विषयों पर विचार करने के लिए आयोजित किया गया था. बैठक में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020' पर व्याख्यान दिया. विवि के विभिन्न अकादमिक विषयों पर सीनेट के सदस्यों ने भी अपने विचार रखे. इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल. चोंग्थू, मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विवि के कुलपति मो. आलमगीर, कुलसचिव एवं सीनेट के सदस्यगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे.

आओ जानें

दीघा-सोनपुर रेल-सह-सड़क पुल

- दीघा-सोनपुर रेल-सह-सड़क पुल अथवा जे पी सेतु (लोकनायक जय प्रकाश नारायण सेतु), गंगा पर बना पुल है जो पटना और सोनपुर को जोड़ता है.
- इसकी लंबाई 4,556 मीटर है, 4,556 मीटर (14,948 फीट) लंबाई का यह पुल भारत में असम में बोगीबील ब्रिज के बाद दूसरा सबसे लंबा रेल-सह-सड़क पुल है.
- दीघा-गांधी मैदान सड़क से दीघा सड़क सेतु की दूरी 1.7 किलोमीटर है, दीघा सह संपर्क पथ छह लेन का है.
- दीघा सड़क सेतु के 2.56 कि॰मी॰ लंबे सोनपुर एप्रोच के लिए जमीन मालिकों की आपसी सहमति से उनकी जमीन का 99 साल के लिए अनवरत लीज पर एग्रीमेंट किया है
- 2.56 कि॰मी॰ सोनपुर एप्रोच में सारण जिला के गंगाजल, चौसिया, भरपुरा और सुलतानपुर गांव की जमीन है.

सहरसा के सदर थाना क्षेत्र में हुआ हादसा

रील्स बनाने के चक्कर में गयी युवक की जान

संवाददाता।सहरसा

आजकल युवाओं में इंस्टाग्राम पर रील्स बनाने का जुनून सर चढ़कर बोल रहा है. इसके चक्कर में वो अपनी जान के साथ-साथ दूसरों की जान भी दांव पर लगा रहे हैं. सहरसा के सदर थाना क्षेत्र के रामफल साह टोला में ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां रील्स बनाने के दौरान धर्मेंद्र कुमार की जान चली गयी. वहीं साइकिल सवार समेत तीन लोग घायल हो गये. घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना के सब इंस्पेक्टर सुजाता रानी, प्रशिक्षु पुअनि कर्मवीर सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गये.

हवाई अड्डा इलाके में रील्स बनाने के दौरान हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र मोहल्ले के ही सिंटू और आदित्य के साथ पल्सर बाइक से हवाई अड्डा इलाके में रील्स बना रहा था. इसी दौरान उन्होंने साइकिल सवार अभिनंदन कुमार (मीर टोला निवासी) को ठोकर मार दी. जिससे धर्मेंद्र और अभिनंदन गंभीर रूप से घायल हो गये. वहीं धर्मेंद्र के दोनों दोस्त सिंटू और आदित्य भी घायल हो गये. आनन-फानन में सभी को सहरसा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान धर्मेंद्र की मौत हो गयी. आदित्य का दोनों पैर में चोट लगी है, उसे बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया है.

पटना : गड्ढे में डूबने से 10 साल के बच्चे की मौत

पटना। दानापुर थाना क्षेत्र स्थित नासरीगंज बिस्कुट फैक्टरी रोड के पास दर्दनाक हादसा हो गया. यहां गुरुवार शाम खेलने के दौरान पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक 10 साल के बच्चे की मौत हो गयी. उसकी पहचान मुसहरी रोड निवासी मिंटू कुमार के बेटे आयुष कुमार के रूप में हुई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया. इसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. **घर के बाहर खेलने के दौरान हुआ हादसा :** जानकारी के अनुसार, आयुष गुरुवार की शाम घर के बाहर खेल रहा था. इसी दौरान वह पानी भरे गड्ढे में गिर गया. आस-पास के लोगों ने तुरंत आयुष को बाहर निकाला. लेकिन तब तक उसकी मौत हो गयी थी. घटना की सूचना पाकर दानापुर थाना अध्यक्ष सम्राट दीपक दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया. पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है.

नियोजित शिक्षकों को मिलेगा राज्यकर्मी का दर्जा : केके पाठक

गोपालगंज। नियोजित शिक्षकों को जल्द ही राज्यकर्मी का दर्जा मिल सकता है. इस बात की तस्दीक खुद शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने कही है. गोपालगंज में डायट सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे केके पाठक ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी शिक्षकों से बात की और कहा कि बीएड योग्यता वाले नियोजित शिक्षकों को घबराने की जरूरत नहीं है हम उनके साथ है. शिक्षकों को संबोधित करते हुए पाठक ने कहा कि आप लोगों कुछ ही दिनों में राज्यकर्मी हो जाएंगे. सरकार ने तो घोषणा की ही है और इसकी प्रक्रिया भी चल रही है.

ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे तेजस्वी, मांगी डेट

पटना। बिहार में नौकरी के बदले जमीन और घर की रजिस्ट्री मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी जांच कर रही है. ईडी ने इस मामले में पूर्व सीएम लालू प्रसाद और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है. तेजस्वी को ईडी ने पूछताछ के लिए शुक्रवार को बुलाया था. लेकिन तेजस्वी ईडी दफ्तर नहीं पहुंचे. उन्होंने वकील के माध्यम से अगली डेट मांगी है. वहीं इसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को भी पूछताछ के लिए 27 दिसंबर को बुलाया है. अब ये देखने वाली बात होगी कि लालू 27 को ईडी दफ्तर पहुंचते हैं या नहीं.

निकाली रैली

विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को पटना में सीपीआई (एमएल) कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाला.

66 बोतल विदेशी शराब के साथ कार जब्त

भागलपुर। जिले की जगदीशपुर पुलिस ने शुक्रवार को एक कार से 66 बोतल विदेशी शराब बरामद किया है. साथ ही कार को भी जब्त कर लिया है. उल्लेखनीय है कि जगदीशपुर थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि इस मार्ग से शराब की बड़ी खेप गुजरने वाली है. इसको लेकर जगदीशपुर पुलिस ने गश्ती तेज कर दिया था. इसी दौरान एक कार को रोककर तलाशी लेने का प्रयास किया गया तो कार चालक कार लेकर भाग खड़ा हुआ लेकिन गश्ती गाड़ी में मौजूद एसआई कृष्ण कुमार राय ने दलबल के साथ कार को खदेड़कर अंगारी गांव के निकट कार को पकड़ लिया. परंतु कार चालक कार छोड़कर भागने में सफल रहा.

जिंदा जली महिला, पोती बोली-बिजली का तार घर पर गिरा था

संवाददाता।गोपालगंज

गोपालगंज में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई. अगलगी की घटना में दो झोपड़ीनुमा घर जलकर पूरी तरह से राख हो गए. घर में सो रही एक लकवा से ग्रसित वृद्ध महिला आग के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई. जबकि दो बकरियां भी जलकर मर गई. घटना मांझागढ़ थाना क्षेत्र के मधु सरेया गांव के वार्ड में पांच की है. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा.

मृतका की पहचान स्व हीरा राम की 72 वर्षीय पत्नी झुना देवी के रूप में की गई. अगलगी के हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना के संबंध में मृत महिला की पोती संगीता कुमारी ने बताया कि वह देर-रात अपनी दादी के साथ सो रही थी. इसी बीच तार जलने लगी और गल कर गिरने लगा. आग धीरे-धीरे आग फैलने लगा. घर से बाहर निकले और अपने परिजनों को बुलाया तब तक आग विकराल रूप ले लिया. स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का असफल प्रयास किये, लेकिन आग की लपटे बढ़ती जा रही थी. इस बीच आग की लपटों ने पास के एक घर को अपने आगोश में ले लिया. जिससे पास के एक झोपड़ीनुमा घर भी धू-धूकर जलने लगा.

कारोबार

ग्रेटेक्स ने सेबी के पास दस्तावेज जमा किए

नयी दिल्ली। ग्रेटेक्स शेयर ब्रोकिंग ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के साथ शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुक्रवार को दाखिल किए गए दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ में 1.67 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और 30.96 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगी. निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग पूंजीगत जरूरतों और अन्य सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा.

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने जुटाए 3,400 करोड़

नयी दिल्ली। एक्सिस म्यूचुअल फंड ने विनिर्माण योजना के नई कोष पेशकश (एनएफओ) से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं. एक्सिस इंडिया मैन्युफैक्चरिंग फंड एक 'ओपन-एंडेड इक्विटी' योजना है जो एक से 15 तक खुली थी. एक्सिस म्यूचुअल फंड की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, थीमैटिक फंड को देश के 500 से अधिक स्थानों से निवेशक क्षेत्रों से मजबूत भागीदारी मिली और लगभग 1.5 लाख आवेदन प्राप्त हुए. एनएफओ में निवेश करने वाले करीब 30 प्रतिशत एक्सिस म्यूचुअल फंड में नए निवेशक थे.

ल्यूपिन लि. ने 91 करोड़ में किया अधिग्रहण

नयी दिल्ली। घरेलू दवा कंपनी ल्यूपिन लिमिटेड ने एक करोड़ यूरो (91 करोड़ रुपये) में सनोफी से यूरोप और कनाडा में स्थापित उत्पादों का एक खंड हासिल किया है. ल्यूपिन ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ल्यूपिन अटलांटिस होल्डिंग्स एसए (स्विट्ज़रलैंड) ने सनोफी के साथ एक परिसंपत्ति खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. सनोफी फ्रांसीसी बहुराष्ट्रीय दवा एवं स्वास्थ्य सेवा कंपनी है. समझौते के तहत ल्यूपिन जर्मनी में एएआरएएनई और कनाडा तथा नीदरलैंड में एनएसीआरओएम ब्रांड का अधिग्रहण करेगी.

नयी हिमालयन 450 तीन वैरिएंट और 5 कलर ऑप्शन के साथ आएगी

रॉयल एनफील्ड हिमालयन की बढ़ेगी कीमत

भाषा ।नयी दिल्ली

452 सीसी का सिंगल सिलेंडर, लिक्विड कूल्ड इंजन

24 एचपी की पावर व 32 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है

जिस तरह से चारपहिया वाहनों के दाम बढ़ रहे हैं उसमें अब दोपहिया वाहन भी शामिल हो गए हैं. कंपनी इसकी कीमत भी बढ़ाने की तैयारी में है. इसमें रॉयल एनफील्ड की न्यू जनरेशन हिमालयन 450 एडवेंचर बाइक शामिल हो गई. है. जानकारी के अनुसार 1 जनवरी से यह बाइक महंगी हो जाएगी. कंपनी ने 24 नवंबर को गोवा में हुए अपने एनुअल बाइकिंग इवेंट मोटोवर्स-2023 में इसे 2.69 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) की इंट्रोडक्टरी प्राइस में लॉन्च किया था. इंट्रोडक्टरी प्राइस सिर्फ 31 दिसंबर तक बुकिंग कराने पर ही लागू हैं. इसके बाद 1 जनवरी से ग्राहकों को बाइक के लिए बढ़ी हुई कीमत देनी होंगी. बायर्स इसे ऑफिशियल वेबसाइट और डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं. नई हिमालयन 450 तीन वैरिएंट और पांच कलर ऑप्शन के साथ आएगी.

यदि कोई ग्राहक 1 जनवरी से पहले बाइक बुक करता है, लेकिन नए साल में कलर बदलने का ऑप्शन चुनता है, तो नई कीमत लागू होगी. वहीं, अगर कलर में बदलाव 31 दिसंबर से पहले होता है तो ग्राहक को शुरुआती कीमत का फायदा मिलेगा. नई हिमालयन में राउंड शेप का इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है. कंपनी का दावा है कि ये दुनिया का पहला गोल टीएफटी इंस्ट्रूमेंट कंसोल है. ये राउंड डैश गूगल मैप्स की मदद से म्यूजिक, फोन कनेक्टिविटी और नेविगेशन सहित सभी जरूरी चीजें शो करता है. भारत में बाइक का मुकाबला केटीएम 390 एडवेंचर एसडब्ल्यू, येज्दी एडवेंचर, बीएमडब्ल्यू जी310 जीएस और ट्रायम्फ स्क्रैम्बलर 400एक्स से है. रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 ने 'इंडियन मोटरसाइकिल ऑफ द ईयर 2024' का खिताब अपने नाम किया है. इसके बाद ट्रायम्फ स्क्रैम्बलर 400एक्स और केटीएम ड्यूक 390 क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं. दावेदारों में हीरो करिज्मा एक्सएमआर, हार्ले डेविडसन एक्स440, रॉयल एनफील्ड सुपर मीटियोर 650 और टीवीएस अपाचे आरटीआर 310 भी शामिल थीं.

कंपनी की मानें तो रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 कंपनी की पहली लिक्विड कूल्ड इंजन वाली बाइक है. इसमें 452सीसी का सिंगल सिलेंडर, लिक्विड कूल्ड इंजन दिया गया है. यह करीब 8000 आरपीएम पर 40 एचपी की पावर और 5500 आरपीएम पर 45एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है. इस इंजन को असिस्ट और स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है. मौजूदा रॉयल एनफील्ड हिमालयन में 411 सीसी सिंगल सिलेंडर, एयर ऑयल कूल्ड इंजन मिलता है जो 24 एचपी की पावर और 32 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है. बाइक में कंफर्ट राइडिंग के लिए 43एमएम के यूएसडी डाउन फोर्क्स और रियर में प्री-लोड एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन सेटअब दिया गया है. दोनों ही सस्पेंशन 200एमएम तक ट्रेवल कर सकते हैं. वहीं, ब्रेकिंग के लिए डुअल चैनल एबीएस के साथ फ्रंट व्हील पर 320एमएम का सिंगल डिस्क और रियर में 270एमएम का डिस्क ब्रेक मिलता है. एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल का वेट 196केजी है और इसमें 17-लीटर का फ्यूल टैंक दिया गया है. बाइक 21-इंच के फ्रंट और 17-इंच के रियर व्हील पर चलती है. इसमें ऑफरोडिंग कैपेबिलिटी वाले टायर लगे हैं. फीचर्स की बात करें तो न्यू जनरेशन हिमालयन 452 में इंटीग्रेटेड गूगल मैप्स, स्विचेबल रियर एबीएस, राइडिंग मोड्स, ऑल एलईडी लाइटिंग सेटअप क्लस्टर मिलता है.

21 इंच के व्हील से छोटे व्हील दिए गए

कंपनी ने बाइक को हाल ही में हुए ईआईसीएमए-2023 इवेंट में ऑल-इलेक्ट्रिक हिमालयन प्रोटोटाइप के साथ अनवील किया था. इसमें एलईडी टर्न इंडिकेटर्स के साथ एक एलईडी हेडलैंप, एक छोटी विंडशील्ड, एक नई चोंच जो हीरो एक्सपल्स के समान दिखती है, न्यू डिजाइन फ्यूल टैंक, एक बड़ा इंटरकूलर, नए ग्रैब हैंडल, नए एग्जॉस्ट और साथ ही चारों ओर नए ग्राफिक्स मिलते हैं. कुछ अन्य बड़े बदलावों में अपसाइड डाउन फ्रंट फोर्क्स के साथ ऑफरोडिंग वाले टायर और मौजूदा हिमालयन में मिलने वाले 21-इंच के व्हील से छोटे व्हील दिए गए हैं.

चालू वित्त वर्ष में आभूषण बिक्री 10-12% बढ़ने की उम्मीद : रिपोर्ट

एजेंसी।मुंबई

सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच 2023-24 में मूल्य के लिहाज से आभूषणों की बिक्री 10-12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है. रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही. रेटिंग एजेंसी ने 2023-24 के दौरान घरेलू स्तर पर आभूषणों की बिक्री में मूल्य के लिहाज से वृद्धि के पूर्वानुमान को 8-10 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत कर दिया है. इक्रा ने कहा कि मुख्य रूप से सोने की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण उसने अपने अनुमान को बढ़ाया है. रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 की पहली छमाही में आभूषणों की बिक्री सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ने की उम्मीद है. ऐसा अक्षय तृतीया के दौरान स्थिर मांग और सोने की ऊंची कीमतों के कारण है. हालांकि, इक्रा का अनुमान है कि मुद्रास्फीति के बीच लगातार सुस्त ग्रामीण मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में यह वृद्धि दर घटकर 6-8 प्रतिशत रह जाएगी. रिपोर्ट में कहा गया कि 2023-24 की पहली छमाही में सोने की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर थीं, हालांकि एक साल पहले की समान अवधि की औसत कीमतों की तुलना में यह 14 प्रतिशत अधिक थीं. रेटिंग एजेंसी ने कहा कि मात्रा के लिहाज से धीमी वृद्धि के बावजूद कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खुदरा आभूषण विक्रेताओं की आय बढ़ी.

राहत | नए साल से पहले थोड़ी राहत, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

एलपीजी सिलेंडर के कॉमर्शियल दाम 39 रुपये घटाए गए

एजेंसी ।नयी दिल्ली

दिसंबर का महीना चल रहा है. 10 दिन बाद नया साल यानी 2024 की शुरुआत होगी. नये साल से पहले आम जनता को महंगाई से थोड़ी राहत मिली है. सरकारी तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 39 रुपये कटौती की है.

हालांकि सरकारी तेल कंपनियों घरेलू सिलेंडर के दाम में नहीं कमर्शियल सिलेंडर के दाम घटाये हैं. 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट और ढाबे आदि जगहों पर खाना सस्ता हो जायेगा. हालांकि सरकारी तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी नहीं की है.

आखिरी बार 30 अगस्त 2023 को घटाई गई थी दाम

आपको बता दें कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. अगस्त महीने से इसकी कीमत स्थिर है. आखिरी बार 30 अगस्त 2023 को घरेलू सिलेंडर की कीमत में 200 रुपये की कटौती की गयी थी. आईओसीएल की वेबसाइट के मुताबिक, घरेलू एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 903 रुपये, कोलकाता में 929 और मुंबई में 902.50 रुपये मिल रहा है.

1 दिसंबर को 21 रुपये बढ़े थे दाम

बता दें कि गैस कंपनियों ने इससे पहले 1 दिसंबर को 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव किया था. तब सिलेंडर की कीमत में 21 रुपये का इजाफा किया गया था. इससे पहले 16 नवंबर को कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 57 रुपये की कटौती की गयी थी. कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट और ढाबा आदि जगहों पर खाना महंगा हो जाता है. क्योंकि 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम बढ़ने से होटल और रेस्टोरेंट्स कारोबारियों की लागत बढ़ती है. जिसकी वजह से होटल और रेस्टोरेंट्स कारोबारी खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ाते हैं. जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत घटने से रेस्टोरेंट और ढाबा में खाना थोड़ा सस्ता हो जाता है.

ईजी ट्रिप प्लानर्स

इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स में 13.39% हिस्सेदारी हासिल की

एजेंसी।नयी दिल्ली

ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी ईजी ट्रिप प्लानर्स लिमिटेड ने शेयर अदला-बदली करार में इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स में 13.39 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है. ईजी ट्रिप प्लानर्स लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि ईको होटल्स इंडिया के इक्विटी शेयर में कंपनी के निवेश को 1:1 के अनुपात में ईजी ट्रिप प्लानर्स के इक्विटी शेयर के साथ बदल दिया गया है. ईजी ट्रिप प्लानर्स, ईजी माय ट्रिप ब्रांड के तहत काम करती है. इससे उसने तरजीही आधार पर जारी इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के 10 रुपये प्रति शेयर के 40 लाख इक्विटी शेयर का अधिग्रहण किया है. ईजी माय ट्रिप के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निशांत पिट्टी ने कहा, हिस्सेदारी में निवेश करने का हमारा विकल्प पर्यावरण-अनुकूल और हरित होटल के विकास में सकारात्मक योगदान के दृष्टिकोण से मेल खाता है. यह निवेश हमारे खंड में विविधता लाने और हमारे ग्राहकों को प्रदान किए जाने वाले यात्रा अनुभवों को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है. इको होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के कार्यकारी अध्यक्ष वीके. त्रिपाठी ने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री कंपनी का विस्तार करने और अपने मेहमानों को एक उन्नत, पर्यावरण अनुकूल और शानदार अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

ब्रीफ खबरें

हैप्पी चाइल्ड स्कूल में मनाया गया क्रिसमस

धनबाद । हैप्पी चाईल्ड नर्सरी स्कूल में 22 दिसंबर को क्रिसमस महोत्सव का आयोजन किया गया. जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों ने सांता की वेशभूषा में अपने मनोहारी प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. सांता क्लॉज की वेशभूषा में सजकर आए बच्चे बहुत ही सुंदर लग रहे थे. विद्यालय में बच्चों के लिए क्रिसमस ट्री को सजाने का कार्यक्रम रखा गया था. बच्चों ने क्रिसमस ट्री को स्टार, जिंगल बेल सहित अनेक रंगारंग खिलौने से सजाकर पारंपरिक जिंगल बेल गीत पर नृत्य किया.

सरस्वती विद्या मंदिर में गणित दिवस का आयोजन

कतरास । सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह में भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जयंती के अवसर पर शुक्रवार को गणित दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि श्रीनिवास रामानुजन केवल भारत के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए गणित के जादूगर थे, जिन्होंने अपने अल्प आयु में ही विश्व के बड़े-बड़े गणितज्ञों को अपने अनुभव, अपने सूत्र एवं अपनी विलक्षण प्रतिभा के आधार पर प्रभावित किया.

श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

कतरास। भारतीय क्लब कतरास में शुक्रवार को सीपीएम नेता निमाई मुखर्जी की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान पूर्व सांसद एवं सीटू का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कॉ.बासुदेव आचार्या के निधन पर उनको श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया.सर्वप्रथम बासुदेव आचार्या के चित्र पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण किया. श्रद्धांजलि सभा को जनवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ मृणाल ने बासुदेव आचार्या के आंदोलन एवं सांसद के रूप में देश को योगदान पर चर्चा की गई.

नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता शुरू

गोड्डा। गोड्डा में नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरुवार देर रात गोड्डा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हुआ. 29वीं राष्ट्र स्तरीय सब जूनियर नेटबॉल प्रतियोगिता 2023-24 एवं द्वितीय फास्ट 5 नेटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन उपायुक्त जिशान कमर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया डेवलपमेंट कमिटी के चेयरमैन हरिओम कौशिक कर्नाटक के सचिव गिरीश गोड़ा नेटबॉल के जिला कोच सुश्री मोनालिसा नेटबॉल के सचिव गुंजन झा ने किया.

जिला स्तरीय समारोह का किया जायेगा आयोजन

पाकुड़। आगामी 29 दिसंबर को राज्य सरकार के चौथे वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा. इस विषय को लेकर समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में उपायुक्त ने सरकार के चौथे वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय समारोह आयोजित करने का निदेश दिया. योजनाओं का शिलान्यास, एवं अन्य गतिविधियों से संबंधित सूची एवं रिपोर्ट सौंपने का निदेश दिया.

उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्याएं

पाकुड़। समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने शुक्रवार को जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी. जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया. उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी. साथ ही उन्हें सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया. शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही.

अवैध निकासी को लेकर यूपी पुलिस पहुंची बरोरा

बरोरा । अगर आपके एकाउंट में अचानक फोन पे सहित नेट बैंकिंग सुविधा से अनजान जगह से पैसा आए तो आप सावधान हो जाएं नहीं तो आप पुलिस के लफड़े में फस सकते हैं. बरोरा इलाके से आई है.शुक्रवार को बरोरा थाना अंतर्गत अपर मंदरा निवासी रोहित रजवार की पत्नी पूजा देवी की तलाश में उत्तर प्रदेश की पुलिस बरोरा थाना पहुंची. बताया गया कि पिंटू जो कुबेर खाते से फ़ोन पे के जरिये 2 बार ट्रांजेक्शन कर कुल 44 हजार रुपया का अवैध निकासी किया गया.

धनबाद से झाड़ग्राम जानेवाली और झाड़ग्राम से धनबाद आनेवाली पैसेंजर रद्द

नक्सली बंद को लेकर रेलवे में हाई अलर्ट

संवाददाता । धनबाद

खास बातें

- शुक्रवार को 60 किमी की रफ्तार से चली ट्रेन
- गुरुवार की देर नक्सलियों ने उड़ायी थी रेल पटरी
- नक्सली हमले के बाद धनबाद रेल मंडल में हड़कंप

22 दिसंबर को नक्सली बंद को लेकर धनबाद रेल मंडल में हाई अलर्ट घोषित किया गया. रेलवे सूत्रों के अनुसार गुरुवार की देर रात चक्रधरपुर रेल मंडल में गोइलकेरा-पोसैता के बीच नक्सलियों की ओर से रेलवे पटरी उड़ाये जाने के बाद धनबाद रेल मंडल के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है.

ईसीआर हाजीपुर मुख्यालय के निर्देश पर धनबाद समेत पांच रेल मंडल में शुक्रवार को 60 किमी की रफ्तार ट्रेनें और मालगाड़ियां चली. राजधानी समेत कई एक्सप्रेस ट्रेनों के आगे पायलट इंजन चलाया गया है. ट्रेनों को आगे-पीछे रोक-रोक चलायी जा रही है.

रेल पटरी की सुबह से रात तक धनबाद रेल मंडल के ग्रैंडकॉर्ड और सीआईसी सेक्शन में ट्रैकमैनटेनर की ओर से जांच की गई. ट्रैक पेट्रोलिंग पार्टी की भी तैनाती की गई है. ऐहतियात के तौर पर शुक्रवार को धनबाद से झाड़ग्राम जाने और झाड़ग्राम से धनबाद आनेवाली पैसेंजर ट्रेन को रद्द कर दिया गया है. इसके अलावा स्टेशनों और ट्रेनों में पहले की अपेक्षा सुरक्षा बढ़ा दी गई है.

फर्स्ट अटेंप्ट में ही रांची की ग्रेसी सिंह ने कैट में पायी सफलता

- अगला लक्ष्य यूपीएससी की परीक्षा निकालना

संवाददाता । रांची

आईआईएम लखनऊ ने गुरुवार को कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट-2023) का रिजल्ट जारी किया. इस परीक्षा में रांची की ग्रेसी सिंह ने 99.35 परसेंटाइल लाया है. ग्रेसी ने फर्स्ट अटेम्प्ट में ही कैट परीक्षा में सफलता हासिल की है. उन्होंने बताया कि कैट क्रैक करके वो काफी खुश है. ग्रेसी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, दीदी और दोस्तों को दिया. वर्तमान में ग्रेसी बेंगलुरु के क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बीए (इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस और सोशियोलॉजी) की पढ़ाई कर रही है. उसने सेक्रेड हार्टस्कूल से क्लास 7 तक की पढ़ाई की है. इसके बाद डीएवी हेहल से उसने क्लास आठ से दसवीं तक की पढ़ाई की. आगे की पढ़ाई उसने कोटा से की.

कॉलेज से आने के बाद 5 घंटे करती थी पढ़ाई : कैट की तैयारी को लेकर ग्रेसी ने बताया कि वह कॉलेज से आने के बाद पांच घंटे (शाम 6 से 11 बजे तक) पढ़ती थी. उन्होंने टाइम्स से ऑनलाइन क्लास भी की थी. ग्रेसी ने कैट की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को सलाह दी कि लयबद्ध होकर पढ़ाई करे. ज्यादा से ज्यादा सवालों को हल करे. खासकर डाटा इंटरप्रेटेशन (डीआई) के सवाल सॉल्व करे. डीआई के सवाल को समझना बहुत जरूरी है. तभी इसको आसानी से समझ पाएंगे. कहा कि कड़ी मेहनत करने से ही सफलता हासिल होगी. इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है. ग्रेसी ने बताया कि भविष्य में वो यूपीएससी की परीक्षा भी देगी.

आक्रोश : 142 सांसदों के निलंबन का है मामला

इंडिया गठबंधन के सभी दलों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददात । धनबाद

जिला कांग्रेस कमेटी, झारखंड मुक्ती मोर्चा, राजद, जदयू, आप पार्टी, और वाम दल के इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दलों के तत्वावधान में रणधीर वर्मा चौक से धनबाद समाहरणालय तक नारेबाजी करते हुए केंद्र की तानाशाही मोदी सरकार द्वारा 142 सांसदों की निलंबन एवं लोकतंत्र को बेरहमी से खत्म करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम किया.कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र की तानाशाही मोदी सरकार द्वारा लगभग 142 सांसदों से ज्यादा की निलंबन कर लोकतंत्र को बेरहमी से खत्म करने का प्रयास किया है. आगे उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने लोकतंत्र पर करारा हमला किया है.

केंद्र सरकार का यह घिनौना कृत्य लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों की नग्न हत्या है. जिसने देश की संसदीय लोकतंत्र को उलट कर कब्रगाह बनाने के साथ अपनी तानाशाही का परिचय देने का काम किया है. श्री सिंह ने कहा सांसदों का निलंबन अविलंब वापस नहीं की गई तो इंडिया गठबंधन सड़क से लेकर सदन तक जोरदार आंदोलन करेगी.

ये थे उपस्थित : मौके पर पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी, झारखंड मुक्ती मोर्चा के अध्यक्ष लखी सोरेन, मनू आलम, राजद जिलाध्यक्ष तारकेश्वर यादव, जद यू जिलाध्यक्ष पिंटु सिंह, आप के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार ,कांग्रेस के बिजय सिंह, सुल्तान अहमद, शमशेर आलम, बीके सिंह, योगेन्द्र सिंह योगी, राजेश्वर यादव, लक्ष्मण तिवारी, रामगोपाल भूवानिया, ईरफान खान चौधरी,कयूम खान, जावेद रजा, गुड्डू खान, शैलेश सिंह, अवधेश पासवान,पप्पु कुमार तिवारी,राजेश राम, राजू दास, बबलू दास,संतोष चौधरी, सीता राणा, कुमार गौरव, गोपाल कृष्ण चौधरी, जहीर अंसारी, सतपाल ब्रोका , वकील बावरी, बाबू अंसारी,संजय जायसवाल, गुड़िया देवी, रूबी खातून, पूनम देवी, हेमंती देवी, सुनीता निषाद, संजय जायसवाल आशीश सिंहा, भगवान दास,रत्नेस यादव, गंगा वाल्मीकि,रवि चौबे, बिनोद शर्मा, इम्तियाज अली, मृत्युंजय सिंह, गौतम पासवान, सोहराब अंसारी, कुन्दन मोदक, पप्पू पासवान, मनोज हाड़ी, मुकेश कुमार, बलराम महतो, प्रभात सिरोलिया, संतोष राय, रामचंद्र शर्मा, शरफुदीन अंसारी, सुरज वर्मा सहित सैकड़ो इंडिया गठबंधन के कार्यकता उपस्थित थे.

संसदों को निलंबित करना क्रूर शासन का प्रमाण है : श्याम

पाकुड़ । इंडिया गठबंधन के बैनर तले मोदी सरकार के तानाशाही रवैया को लेकर शुक्रवार को नगर स्थित रविंद्र चौक में घटक दलों के द्वारा एक दिवसीय विरोध शह धरना प्रदर्शन किया गया. मुख्य रूप से लोकसभा में विपक्ष के 142 सांसदों के निलंबन एवं लोकतंत्र को खत्म करने की मनसा के विरोध में प्रदर्शन किया गया. जिसका नेतृत्व इंडिया घटक दल के संयोजक सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम यादव ने किया. श्याम यादव के नेतृत्व में सभी घटक दलों के शीर्ष नेताओं ने विरोध में अपने-अपने वक्तव्य को रखा और मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. घटक दल के नेतृत्व करता एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम यादव ने धरना को संबोधित करते हुए कहा कि 142 सांसदों को एक साथ निलंबित कर देना मोदी सरकार की क्रूर शासन व्यवस्था एवं लोकतंत्र को समाप्त कर राजतंत्र की स्थापना करने जैसी बात है.

पीएम व गृहमंत्री के खिलाफ लगाये गए नारे

साहिबगंज। इंडिया गठबंधन के सदस्यों ने शुक्रवार को स्टेशन चौक पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान अलोकतांत्रिक तरीके से 146 सांसदों के निलंबन के विरोध में साहिबगंज में विरोध प्रदर्शन किया. वहीं साहिबगंज जिला के इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों ने साहिबगंज स्टेशन चौक पर इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन की शुरूआत की. कांग्रेस, झामुमो, राजद,जदयू, आप, सीपीआईएम एवं शिवसेना के नेतागण उपस्थित हुए. सभी पार्टी के जिला अध्यक्ष के संयुक्त नेतृत्व में लोगों ने सड़कों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाते देखा गया.

बिरहोरों को लाभान्वित किया जाएगा: डीसी

कोडरमा। डीसी मेघा भारद्वाज ने गुरुवार को झुमरीतिलैया नगर परिषद अंतर्गत झरनाकुंड बिरहोर टोला का भ्रमण किया था. जहां उनके द्वारा बिरहोर परिवारों के बीच कंबल व धोती साड़ी का वितरण किया गया था और बच्चों के बीच स्वेटर बांटा गया था. डीसी ने भ्रमण के दौरान देखा कि बिरहोरों के बच्चों के बाल बढ़े हैं. उन्होंने बच्चों के बाल काटने, आधार कैंप व हेल्थ कैंप लगाने का निर्देश दिया गया था. डीसी के निर्देश पर शुक्रवार को नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी और बीडीओ के नेतृत्व में वहां के बच्चों का बाल कटवाया गया. टोला में आधार कैंप लगाकर वहां के छूटे हुए बिरहोर परिवारों का आधार कार्ड बनाया गया. इसके साथ-साथ सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में हेल्थ कैंप लगाया गया.

न्यूज अपडेट

कोयलांचल स्कूल में विज्ञान व कला प्रदर्शनी आयोजित

धनबाद । कोयलांचल स्कूल ऑफ लर्निंग में 22 दिसंबर को विज्ञान और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. जिसमें प्रोजेक्ट्स और मॉडल्स के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में जरेडा के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने विद्यार्थियों की हौसलाअफजाई की. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया. विज्ञान प्रदर्शनी में स्मार्ट होम, कोल माइंस प्रोजेक्ट, चंद्रयान-3 प्रोजेक्ट, कचरा सफाईकर्ता, ट्रैफिक लाइट सेंसर कला और शिल्प खंड में पोर्ट्रेट्स, मधुबनी पेंटिंग्स, लैंडस्केप्स, समकालीन और चित्रकला का प्रदर्शन किया गया. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि शशि महतो एवं गुड्डू सिंह ने भाग लिया. स्कूल के अध्यक्ष राहुल कश्यप, चेयर पर्सन रवि शंकर पटेल, प्राचार्या ज्योति दीक्षित, उप प्रधानाचार्य पप्पू कुमार तथा सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ अन्य मौजूद थे.

अस्पताल संचालन को लेकर जताई गई खुशियां

सिंदरी । सिंदरी सहित देशवासियों ने विगत 12 नवंबर को दिवाली मनाई थी. वहीं सिंदरी के मरीजों के लिए शुक्रवार की शाम लायंस क्लब सिंदरी ने एफसीआई सिंदरी अस्पताल के मुख्य द्वार पर पटाखे फोड़कर और मिठाई खिलाकर दिवाली मनाई. इस मौके पर लायंस क्लब सिंदरी के सदस्यों ने जमकर पटाखे फोड़े और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी. उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार लायंस क्लब को 15 जनवरी 2003 को बंद हुई एफसीआई सिंदरी अस्पताल को संचालन के लिए अंतिम मुहर लग गई है. इसकी मुहर दिल्ली में आयोजित शुक्रवार को बोर्ड बैठक में ली गई है.

पेज एक का शेष...

गलीच सियासत में शहीदों.....

इस खेमे के कुछ नेताओं का कहना है कि भगत सिंह ने भी अंग्रेजों की गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए असेंबली में धुंआ वाला बम फेंका था. यह उपमा कृतघ्नता की पराकाष्ठा है. जिस तरह चूहे के चमड़े से नगाड़ा नहीं बनाया जा सकता (मढ़यो दमामौ जातु क्यों, कहि चूहे कैं चाम-बिहारी), उसी तरह जो लोग हमारे पूज्य क्रांतिकारियों को आतंकवादी, उग्रवादी के रूप में परिभाषित करते रहे हैं, उनसे किसी बड़प्पन की उम्मीद बेमानी है. यदि इन हमलावरों या घुसपैठियों को क्रांतिकारी मान लिया जाए, तो क्या इन्हें भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु जैसी श्रेष्ठता दी जानी चाहिए ? क्या ट्रेन डकैतों को बिस्मिल, अशफाक, रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी आदि की जमात में खड़ा कर दिया जाना चाहिए ? क्या पुलिस अफसरों पर बम गोलियां चलानेवालों को बटुकेश्वर दत्त का अनुयायी या उनकी प्रतिमूर्ति मान लिया जाए ? इस बचाव ब्रिगेड की एक टुकड़ी का कहना है कि ये युवा भूले-भटके हैं. हालात के मारे हैं. इन पर आतंकवादी धाराएं नहीं लगानी चाहिए. इसी ब्रिगेड के एक नेता का कहना है कि जिन सांसदों ने दो युवकों को पकड़ा और मारा-पीटा , मुकदमा तो उन पर होना चाहिए. विपक्ष के कुछ बड़े नेताओं ने एक थ्योरी यह चलाई है कि युवा बेरोजगारी से त्रस्त हैं. संसद में घुसपैठ उसी व्यथा का प्रस्फुटन है. ऐसा कहनेवाले उस गिरोह में शामिल होते रहे हैं, जो संसद पर आतंकी हमले के मास्टर माइंड अफजल गुरु को मृत्युदंड मिलने पर शर्मिंदा होने का एलान करते रहे हैं. वह नारा तो आपको याद ही होगा-अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं और तुम एक अफजल मारोगे, हर घर से अफजल निकलेगा. उसी तरह की नारेबाजी इस बार भी सुनाई दे रही है. तुम कितने यूएपीए लगाओगे, हर घर से भगत सिंह निकलेगा. हो न हो देर-सबेर इनमें से कोई अदालत में इनकी पैरोकारी भी करेगा.

क्रांतिकारी महापुरुषों की तुलना लफंगों, चिरकुटों से मत कीजिए : माना कि देश में महंगाई है, बेरोजगारी है, ढेर सारी दुश्वारियां हैं, तो क्या इनसे त्रस्त लोगों को संसद, विधानसभाओं, अदालतों और सरकारी कार्यालयों में ऊधम मचाने, हमला करने का अधिकार स्वतः मिल जाता है ? लोकतंत्र में हिंसा सर्वथा वर्जित है. लेकिन उग्रवादियों, आतंकवादियों के समर्थन में भी तो हमारे स्वघोषित क्रांतिधर्मी बुद्धिजीवी खड़े होते ही रहे हैं. इन बदमाशों ने यह साजिश योजनाबद्ध तरीके से रची थी. इनके तार किन संगठनों, नेताओं से जुड़े रहे हैं, इस बाबत कुछ कच्ची-पक्की खबरें पसर रही हैं. लेकिन क्या 1974 से 2014 तक संसद में घुसपैठ की छोटी-बड़ी सभी घटनाओं का कारण बेरोजगारी, महंगाई थी ? क्या विपक्ष के सांसद महंगाई, बेरोजगारी पर वर्षवार चर्चा करने को तैयार हैं ? शायद नहीं, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी राजनीति के शाश्वत मुद्दे रहे हैं. राजनीतिक दल अपनी सुविधा के अनुसार तर्कों के जाल बुन कर सिर्फ अपनी विफलता छिपाने का प्रयास करते हैं ? क्या भोला पांडेय, देवेंद्र पांडेय ने जनता पार्टी के समय विमान का अपहरण बेरोजगारी से त्रस्त होने के कारण किया था ? लब्बोलुआब यह कि बीते तेरह दिसंबर को लोकसभा में घुसपैठ और हमला आतंकी हमला ही है. इसे साजिशन अंजाम दिया गया है. जांच होने दीजिए. तब तक किसी भी पार्टी या नेता को किसी की हिमायत नहीं करनी चाहिए. और हां, प्रार्थना यह है कि इसमें हमारे क्रांतिकारी महापुरुषों की गाथाओं का तड़का न लगायें. अपनी गलीच सियासत में उन्हें मत घसीटिए. उन्होंने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है. हो सके तो उन्हें नमन करने की आदत डालिए. न हो सके तो उनकी तुलना लफंगों, चिरकुटों से मत कीजिए.

इंजन लॉकिंग व अल्कोहल सैंसिंग अलर्ट सिस्टम

वोकेशनल ट्रेनर की मदद से विकसित किया है सिस्टम : मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में बने आईसीटी लैब्स से बच्चो में तकनीकी कौशल का विकास हो रहा है. स्मार्ट स्ट्रीट सिस्टम विकसित करने वाले आयुष तिवारी ने ऑटोमोटिव में व्यवसायिक कौशल प्राप्त किया है. इसमें उसके स्कूल के वोकेशनल ट्रेनर अभिषेक शर्मा ने उसकी मदद की. स्कूल के लैब में ही आयुष ने स्मार्ट स्ट्रीट सिस्टम को विकसित किया और आईआईटी धनबाद के विनिर्माण केंद्र टेक्समिन के सामने उसे पेश किया. आयुष ने टेक्समिन के शोधकर्ताओं को अपना मॉडल समझाते हुए भविष्य में उसके कामकाज और उपयोग के फायदे बताये. आईआईटी ने आयुष के मॉडल की सराहना की और इसके उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया. आयुष अब टेक्समिन की मदद से अपने मॉडल पर और गहराई व लगन से काम कर रहे हैं.

क्या है टेक्समिन : टेक्समिन एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब है, जिसे भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (एनएम-1सीपीएस) मिशन के तहत आईआईटी-आइएसएम, धनबाद में स्थापित किया गया है. इसका उद्देश्य सीपीएस (साइबर-फिजिकल सिस्टम) आधारित प्रौद्योगिकियों को विकसित करना और शोध व खनन में अनुवाद संबंधी अनुसंधान को बढ़ावा देना है. यह उभरते क्षेत्रों में उच्च-स्तरीय शोधकर्ताओं के आधार, मानव संसाधन विकास (एचआरडी) और कौशल-सेट को बढ़ावा देता है. टेक्समिन नवाचार और स्टार्ट-अप परिस्थिति विज्ञान तंत्र को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है.

कार्यालय में नहीं मिलते डीटीओ साहब...

बाबू कैसे होगा हमरा काम...

संवाददाता । पलामू

पलामू जिला परिवहन पदाधिकारी अनवर हुसैन के चैंबर में पिछले कई दिनों से ताला लटका है. डीटीओ साहब के कार्यालय नहीं आने से लोग लाइसेंस, परमिट और रजिस्ट्रेशन का काम नहीं करा पा रहे हैं. हर दिन दर्जनों लोग डीटीओ कार्यालय का चक्कर लगाकर निराश होकर लौट जा रहे हैं. दबी जुबान कुछ लोगों ने बताया कि घर से यह उम्मीद लगाकर निकलते हैं कि आज मेरा काम हो जायेगा. लेकिन कार्यालय में डीटीओ साहब के नहीं होने के कारण बिना काम कराये ही वापस लौटना पड़ता हैं. लोग हर दिन डीटीओ कार्यालय आते हैं और कर्मी से पूछते हैं कि साहब आज कार्यालय आयेंगे क्या? पहले तो जवाब मिलता है कि थोड़ी देर में आयेंगे, कुछ घंटे बीत जाने के बाद फिर से पूछने पर कर्मी कहता कि साहब कल आयेंगे. कल फिर से पूछते हैं तो कर्मी का जवाब आता है सर आज आयेंगे. लेकिन किसी को पता नहीं है कि साहब आज आयेंगे, कल आयेंगे या कब आयेंगे. जब लगातार डॉट इन की टीम ने पलामू जिला परिवहन कार्यालय पता लगाने पहुंची तो देखा कि जिला परिवहन पदाधिकारी का चेंबर बंद है. टीम ने कार्यालय के कर्मियों से पूछा तो कर्मियों ने बताया कि साहब नहीं है. साहब कई जिले के प्रभार में हैं.

रोलाडीह हाई स्कूल में अनशन जारी

संवाददाता । चाईबासा

रोलाडीह में हुई ग्राम सभा प्लस टू करने की बनी रणनीति

जिला शिक्षा पदाधिकारी अभय कुमार सिल ने अनशनकारियों को कहा कि जब तक ग्राम सभा नहीं होती है तब तक आगे की कार्रवाई नहीं हो सकती है. शुक्रवार को रोलाडीह हाई स्कूल मैदान परिसर में है. ग्रामीण मुंडा की अध्यक्षता में ग्राम सभा हुई. जिसमें सर्वसम्मति से रोलाडीह हाई स्कूल में प्लस टू की पढ़ाई आरंभ हो इसको लेकर निर्णय लिया गया.

खास बातें

- प्रतिनियुक्ति रद्द व प्लस टू की पढ़ाई आरंभ करने की मांग
- शिक्षकों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन गंभीर नहीं

जन रक्षा संघर्ष समिति की ओर से पिछले चार दिनों से अनशन जारी है. शुक्रवार को भी अनशनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर अनशन जारी रखा. चौथा दिन जिले के अन्य सामाजिक संगठन भी पहुंचकर अनशन का समर्थन करते हुए कहा कि स्कूल में प्लस टू आरंभ होनी चाहिए. साथ ही प्रतिनियुक्ति रद्द अनिवार्य रूप से होना चाहिए. चौथे दिन जन रक्षा संघर्ष समिति के अध्यक्ष अशोक तांती व संयोजक पंडित कुमार महतो अनशन पर रहे. जबकि उनका समर्थन करने सामाजिक संगठन से लेकर राजनीतिक पार्टी के पदाधिकारी भी पहुंचे. अनशन कारी का कहना है कि सरकार जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं करती है. तब तक यह अनशन जारी रहेगा. इसमें किसी की मौत भी क्यों ना आ जाए. संयोजक पंडित कुमार महतो ने कहा कि सरकार ने हमारी मांगों को लेकर सरलता से पूर्ति कर सकता है. लेकिन इस पर सरकार गंभीर नहीं है. शिक्षा विभाग ने पत्र राज्य शिक्षा निदेशक को भेज दिया है. लेकिन अभी तक वहां से स्वीकृति नहीं मिली है. सरकार से मांग है कि हमारी मांगों को पूर्ति करते हुए अविलंब उचित निर्णय करें. जिला उपायुक्त से भी आग्रह किया कि मांगों को गंभीरता से लेते हुए पूरा करें. मुख्य रूप से जिला परिषद के सदस्य लक्ष्मी हादसा लीलाराम तांती , भाजपा की वरिष्ठ नेता मालती गिलुवा, ललित गिलुवा, के अलावा काफी संख्या में लोग शामिल हुए.

नाराजगी बीसीकेयू बैनर तले मजदूरों ने किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

नियोजन नहीं तो निर्माण भी नहीं : अरूप चटर्जी

संवाददात । निरसा

मुख्य मांगें

- स्थानीय बेरोजगारों को कम्पनी में काम देना होगा,
- प्रोजेक्ट के स्थानीय गांव के लोगों को काम देना होगा,
- पानी, बिजली की आपूर्ति करना होगा,
- कोलियरी के लोग जो विस्थापित होंगे उसको मुआवजा एवं घर देना होगा,
- विस्थापित लोगों को रोजगार देना होगा,
- स्ट्रीट लाईट और पानी का छिड़काव करना होगा,
- आस पास के गांव में कोई भी सामुहिक कार्यक्रम में जलावन कोयला देने आदि शामिल है।

इसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर कोलियरी में शुक्रवार को बीसीकेयू बैनर तले मजदूरों ने शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. मजदूरों ने कोलियरी में कार्यरत बीजीआर कंपनी प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाया. आंदोलन का नेतृत्व पूर्व विधायक सह यूनियन के महामंत्री अरूप चटर्जी क्र रहे थे. आंदोलनकारी मजदूर सुबह 6 बजे से ही बीजीआर रेड्डी कम्पनी का काम काज पुरी तरह ठप कर नारेबाजी करने लगे. तत्पश्चाटी कंपनी परिसर में ही एक सभा का आयोजन किया गया. सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि ऑपरेटर, ड्राइवर, सुपरवाइजर और हेल्पर सभी तरह के काम स्थानीय लोगों को देना होगा. आउटसोर्सिंग प्रबंधन यदि मनमानी ढंग से काम करता है तो हमारी यूनियन आंदोलन करने के लिए विवश होगी. कंपनी को उत्पादन के अलावा अगल-बगल के गांव का विकास कार्य भी करना होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह एकजुट होकर लाल झंडा के नेतृत्व में अपनी एकता का परिचय दें. मासस दलित, पीड़ित, शोषित मजदूरों की केवल पार्टी ही नहीं बल्कि एक परिवार है जो लोगों जे सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ी रहती है. केंद्रीय सचिव सह क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम ने कहा कि रोजगार के साथ-साथ प्रबंधन को एनआईटी के नियमो का भी पालन करना है. एचपीसी के अनुसार वेतनमान 8 घंटा ड्यूटी तथा वैज्ञानिक नियमों का पालन करना होगा. मनमानी नहीं चलने दी जाएगी. सभा की अध्यक्षता कॉमरेड डी मानिकपुरी तथा संचालन अमीत मुखर्जी ने किया. सभा के बाद प्रबंधन को एक मांग पत्र सौपा गया. सभा को कार्तिक चंद्र दत्त, अमित मुखर्जी, रामजी यादव, बुधीराम बोधी, लाल सोरेन, तापस चटर्जी, जूठन हरिजन, माधव बाउरी, मगन बाउरी, उत्तम कर, रोशन मिश्रा, काजल सोरेन, उपेंद्र महतो, परेश सोरेन, माधव रविदास, राजेश मंडल इत्यादि ने भी संबोधित किया.

दक्षिण अफ्रीका दौरा

पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौटे कोहली

भाषा । सेंचुरियन

विराट कोहली पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौट गए हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व उनके लौट आने की उम्मीद है. कोहली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये दक्षिण अफ्रीका में थे. बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को बताया कि विराट कोहली पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौट गए हें लेकिन पहले टेस्ट से पूर्व लौट आयेंगे.

समझा जाता है कि कोहली ने बीसीसीआई अधिकारियों से इस लघु अवकाश के लिये अनुमति ले ली थी. सूत्र ने कहा कि विराट गुरुवार को रवाना हो गए और यह पहले से तय था. उन्होंने टीम के भीतर तीन दिवसीय मैच में हिस्सा नहीं लिया जिसमें भारत और भारत ए के खिलाड़ियों ने भाग लिया. बीसीसीआई में से किसी से यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि इमरजेंसी क्या थी. कोहली पिछली बार भी दक्षिण अफ्रीका में कमर में चोट के कारण एक टेस्ट से बाहर रहे थे. वह 24 दिसंबर को लौट आयेंगे और मैच से पूर्व अभ्यास में हिस्सा लेंगे.

ऋतुराज गायकवाड़ टेस्ट श्रृंखला से बाहर : इस बीच भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ भी ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे. सूत्र ने कहा कि ऋतुराज गायकवाड़ ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से बाहर हैं. गायकवाड़ को दूसरे वनडे में कैच लपकने के दौरान ऊंगली में चोट लगी थी.

द. अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे ईशान

विकेटकीपर ईशान किशन ने पहले ही टेस्ट श्रृंखला से अपना नाम वापस ले लिया था. निजी कारणों के चलते वह पहले ही भारत लौट चुके हैं. ईशान की जगह केएस भरत को भारतीय टीम में जगह मिली है. साथ ही दूसरे विकेटकीपर के रूप में भारत के पास केएल राहुल भी हैं.

फिटनेस के कारण शमी भी टीम से बाहर

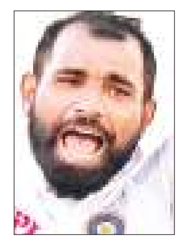

भारत के सबसे बेहतरीन टेस्ट गेंदबाजों में शामिल मोहम्मद शमी भी चोटिल होने के कारण पहले ही टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो चुके है. एंकल इंजरी के कारण विश्व कप के बाद से ही उनका इलाज चल रहा है. हलांकि उन्होंने प्रयास किया था कि वह टेस्ट शृंखला में शामिल हो पाये लेकिन वे फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर सकें. शमी की गैरमौजूदगी में प्रसिद्ध कृष्णा को टेस्ट डेब्यू का मौका मिल सकता है.

आओ जानें

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग (टीम)

रैंक	टीम	रेटिंग
1.	ऑस्ट्रेलिया	163
2.	इंग्लैंड	130
3.	दक्षिण अफ्रीका	113
4.	भारत	97
5.	न्यूज़ीलैंड	94
6.	वेस्टइंडीज	88
7.	बांग्लादेश	81
8.	श्रीलंका	79
9.	थाईलैंड	68
10.	पाकिस्तान	68

ब्रीफ खबरें

सोनिया व कलैवानी की जीत से शुरुआत

ग्रेटर नोएडा । विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की सोनिया लाठेर और तमिलनाडु की एस कलैवानी ने महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पहले दिन शुक्रवार को यहां जीत से शुरुआत की. सोनिया ने 57 किग्रा के पहले दौर के मैच में मध्य प्रदेश की माही लामा के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की और 5-0 से आसान जीत हासिल की. पिछले बार की रजत पदक विजेता कलैवानी ने 48 किग्रा भार वर्ग में केरल की मिलानो एमजे को आसानी से हराया. कलैवानी के आक्रामक रवैये के कारण रेफरी को तीसरे राउंड के बीच में ही मुकाबला रोकना पड़ा था.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे एल्गर

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने शुक्रवार को कहा कि भारत के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे. एल्गर ने 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से 84 टेस्ट खेले हैं. उन्होंने 13 शतक और 23 अर्धशतकों की मदद से 5146 रन बनाये हैं. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक बयान में कहा कि एल्गर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद क्रिकेट को अलविदा कहेंगे. पहला टेस्ट उनके शहर सेंचुरियन में 26 से 30 दिसंबर तक खेला जायेगा. दूसरा केपटाउन में तीन से सात जनवरी के बीच होगा.

तीसरे टेस्ट से बाहर रह सकते हैं शाहीन

कराची । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कार्यभार प्रबंधन के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में तीसरे और आखिरी टेस्ट से बाहर रखा जा सकता है. खुर्रम शहजाद को पसलियों में गंभीर चोट लगने के कारण पीसीबी की काफी आलोचना हो रही है. पाकिस्तान को पहले टेस्ट में 360 रन से पराजय झेलनी पड़ी जिसमें पदार्पण कर रहे खुर्रम ने पांच विकेट लिये लेकिन वह घायल हो गए. वह मेलबर्न (26 दिसंबर से) और सिडनी (तीन जनवरी से) में बाकी दो टेस्ट नहीं खेल सकेंगे. टीम के एक सूत्र ने बताया कि टीम प्रबंधन तेज गेंदबाजों के कार्यभार में संतुलन चाहता है.

टेस्ट मैच : दीप्ति शर्मा और पूजा वस्त्राकर की शतकीय साझेदारी

भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर शिकंजा कसा

भाषा । मुंबई

दीप्ति शर्मा (नाबाद 70) और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 33) के बीच 102 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां 157 रन की बढ़त हासिल करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली. भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 376 रन बनाए थे. भारत की चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए जिनमें दीप्ति के अलावा स्मृति मंधाना (74), जेमिमा रोड्रिग्स (73) और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही रिचा घोष (52) शामिल हैं. दीप्ति और वस्त्राकर ने तब जिम्मेदारी संभाली जब भारत ने 14 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए थे. ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंदबाजों का उपयोग किया लेकिन केवल ऑफ स्पिनर एशले गार्डनर (100 रन देकर चार विकेट) ही अपना प्रभाव छोड़ पाई. महिला एशेज टेस्ट में आठ विकेट लेने वाली गार्डनर ने भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया तथा अच्छी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके महत्वपूर्ण विकेट लिए.

भारत का स्कोर एक समय सात विकेट पर 174 रन था लेकिन दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए शानदार साझेदारी से वह मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल रहा. लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक बनाने वाली जेमिमा अपने पहले टेस्ट शतक की तरफ बढ़ रही थी लेकिन तभी उन्होंने गार्डनर की गेंद पर एनाबेल सदरलैंड को एक्स्ट्रा कवर कर आसान कैच दे दिया. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अपना खाता भी नहीं खोल पाई और केवल दो गेंद खेल कर पवेलियन लौट गई.

गार्डनर ने उन्हें पगबाधा आउट किया. गार्डनर ने इसके तुरंत बाद यास्तिका भाटिया (01) को भी आउट किया. इससे पहले भारत ने सुबह एक विकेट पर 98 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई. मंधाना और स्नेह राणा (09) ने अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की. गार्डनर ने राणा को बोल्ड करके यह साझेदारी तोड़ी. मंधाना रन आउट होकर पवेलियन लौटी.

- **157** रनों की बढ़त हासिल की भारतीय टीम ने
- **74** रनों की शानदार पारी खेली स्मृति मंधाना ने
- **73** रनो की पारी खेली जेमिमा रोड्रिग्स ने
- **70** रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं दीप्ति शर्मा

चौथे विकेट के लिए रिचा व जेमिमा ने की दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझादारी

भारत की पारी का आकर्षण हालांकि युवा रिचा घोष और जेमिमा के बीच चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी रही. यह भारत की तरफ से चौथे विकेट के लिए दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है. टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बल्लेबाजी कर रही घोष ने आक्रमण और संयम का शानदार नमूना पेश किया. उन्होंने अपनी पारी में 104 गेंद का सामना करके सात चौके लगाए. घोष को 14 रन के निजी योग पर जीवनदान भी मिला जब एलिस पेरी ने गार्डनर की गेंद पर मिड ऑफ पर उनका आसान कैच छोड़ दिया था. घोष इसका फायदा उठाकर अपने पदार्पण मैच में अर्धशतक जड़ने वाली भारत की 14वीं बल्लेबाज बनीं. जेमिमा और शुभा सतीश ने हाल में यह उपलब्धि हासिल की थी. जेमिमा ने स्वीप शॉट लगाने के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया. उन्होंने अपने अधिकतर रन (63 प्रतिशत) लेग साइड में बटोरे. जेमिमा की 121 गेंद की पारी में नौ चौके शामिल हैं.

रिकॉर्ड से महज पांच रन दूर हैं दीप्ति व वस्त्राकर

दीप्ति और वस्त्राकर भारत की तरफ से आठवें विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी का रिकॉर्ड बनाने से केवल पांच रन दूर हैं. दीप्ति ने अभी तक 147 गेंद का सामना करके नौ चौके लगाए हैं जबकि पहले दिन 53 रन देकर चार विकेट लेने वाली वस्त्राकर ने 115 गेंद का सामना करके चार चौके जड़े हैं.

आईसीसी से मिली फटकार को चुनौती देंगे उस्मान ख्वाजा

भाषा । मेलबर्न

खास बातें
- मैच के दौरान काली पट्टी बांधने के लिए मिली थी फटकार
- पाकिस्तान के खिलाफ मैच में ख्वाजा ने बांधी थी पट्टी

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में बांह पर काली पट्टी बांधने के कारण आईसीसी से फटकार झेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने शुक्रवार को कहा कि वह इसे चुनौती देंगे क्योंकि उन्होंने आईसीसी को बताया था कि ऐसा उन्होंने निजी शोक के कारण किया है. ख्वाजा ने पर्थ में पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर 360 रन से मिली जीत के दौरान बांह पर काली पट्टी बांधी थी. वह 13 दिसंबर को अभ्यास सत्र के लिये उतरे तो उनके बल्लेबाजी के जूतों पर 'आल लाइव्स आर इकवल' और 'फ्रीडम इज ह्यूमन राइट' लिखा हुआ था. ख्वाजा ने कहा कि आईसीसी ने पर्थ टेस्ट के दूसेर दिन मुझसे पूछा था कि काली पट्टी क्यो बांधी है और मैने कहा था कि यह निजी शोक के कारण है. मैने इसके अलावा कुछ नहीं कहा था. उन्होंने कहा कि मैं आईसीसी और उसके नियमों का सम्मान करता हूं. मैं इस फैसले को चुनौती दूंगा. जूतों का मसला अलग था. मुझे वह कहकर अच्छा लगा लेकिन आर्मबैंड को लेकर फटकार का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने कहा कि मैने अतीत में भी सारे नियमों का पालन किया है.

राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल मैच में सिफ्त व रिदम जीतीं

भाषा । नयी दिल्ली

सिफ्त कौर सामरा और रिदम सांगवान यहां चल रहे राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स मैच में शुक्रवार को यहां क्रमशः महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन और महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीत हासिल करने में सफल रहीं. सिफ्त और रिदम इस तरह दोनों ट्रायल मैच जीतने वाली तीसरी और चौथी निशानेबाज बन गयीं. नौसेना के किरण अंकुश जाधव ने पुरुष वर्ग के 10 मीटर एयर राइफल टी2 ट्रायल में जीत हासिल की. सिफत शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने आठ महिलाओं के फाइनल में 464.8 अंक से ओलंपियन और सीनियर अंजुम मौदगिल को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया. मौदगिल 461.7 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं. सेना की प्रिया ने तीसरा स्थान हासिल किया.

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी2 ट्रायल में रिदम ने 35 अंक से मनु भाकर को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया. मनु 32 अंक से दूसरे और पूर्व विश्व कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता हीना सिद्धू 27 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं.

महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर

तीन जनवरी से रांची पहुंचेंगी टीमें

खेल संवाददाता । रांची

रांची में एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 की तैयारी जोरों पर है. 3 जनवरी से रांची एक बार फिर हॉकीमय हो जाएगा. प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मेजबान भारत के साथ 8 देशों की टीमों के रांची पहुंचने का सिलसिला 3 जनवरी से शुरू हो जाएगा. सबसे पहले भारतीय टीम रांची पहुंचेगी. बता दे रांची में आयोजित महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में भारत, इटली, चिली, जापान, चेक रिपब्लिक, जर्मनी, न्यूजीलैंड और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका की टीम शामिल हैं. 13 से 19 जनवरी 2024 तक ओलंपिक क्वालीफायर के लिए रांची में मैच होंगे. इस प्रतियोगिता से कुल तीन देशों की टीम जुलाई 2024 में होने वाली पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी. सभी मुकाबले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम मोरहाबादी में खेले जाएंगे.

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने बताया की प्रतियोगिता का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा. झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन में जो कमी रही थी, उसे ठीक किया जा रहा है. कार्यक्रम की तैयारियां जारी है. जनवरी से होर्डिंग्स बैनर का काम भी शुरू हो जाएगा. इस बार भी खेलप्रमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा.

कब-कब रांची पहुंचेगी टीमें

3 जनवरी	भारत	होटल पार्क प्रइम
4 जनवरी	यूएसए	रेडिसन ब्लू
4 जनवरी	इटली	होटल पार्क प्रइम
6 जनवरी	जर्मनी, चेक रिपब्लिक	रेडिसन ब्लू
7 जनवरी	न्यूजीलैंड	रेडिसन ब्लू
7 जनवरी	जापान, चीली	बीएनआर चाणक्या

वेस्टइंडीज की टीम ने जीती टी-20 शृंखला

133 रनों का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में जीती वेस्टइंडीज की टीम

भाषा । तारोबा (त्रिनिदाद)

खास बातें
- रोमांचक मुकाबले में चार विकेट से जीता वेस्टइंडीज
- वेस्टइंडीज ने 3-2 से जीती टी-20 शृंखला

वेस्टइंडीज ने बेहद करीबी मुकाबले में आखिरी ओवर में विश्व चैंपियन इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर टी-20 शृंखला 3-2 से जीत ली. सिर्फ 132 रन पर आउट हुई इंग्लैंड टीम ने डैथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी करके मुकाबले को करीबी बना दिया. तेज गेंदबाज रीसे टॉपले ने 17वें ओवर में सिर्फ दो रन दिये और वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल का विकेट लिया. मध्यम तेज गेंदबाज सैम कुरेन ने 19वें ओवर में सिर्फ दो रन देकर आंद्रे रसेल को आउट किया.

आखिरी ओवर में वेस्टइंडीज को नौ रन की जरूरत थी. जैसन होल्डर ने क्रिस वोक्स की पहली गेंद पर तीन रन निकाले. इसके बाद शाइ होप ने डीप प्वाइंट के ऊपर से छक्का जड़ दिया. वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 133 रन बनाकर चार विकेट से जीत दर्ज की. मेजबान टीम ने वनडे श्रृंखला भी 2-1 से जीती थी. होप ने 43 गेंद में 43 रन बनाये. पिछले मैच में तीन विकेट पर 267 रन बनाकर श्रृंखला में बराबरी करने वाली इंग्लैंड टीम उस लय को कायम नहीं रख सकी. फिल साल्ट ने 22 गेंद में 38 रन बनाये जबकि मोईन अली ने 23 और लियाम लिविंगस्टोन ने 28 रन की पारी खेली.

डब्ल्यूएफआई नए महासंघ के गठन के बाद कुश्ती जगत ने ली राहत की सांस

रुकी हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जल्द ही शुरू होंगी

भाषा । नयी दिल्ली

कुश्ती जगत ने अब राहत की सांस ली है क्योंकि राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगितायें आखिरकार नये महासंघ के गठन के बाद शुरू हो जायेंगी और यह मायने नहीं रखता कि बृज भूषण शरण सिंह फैसले लेना जारी रखेंगे. विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष पहलवान चाहते थे कि कोई महिला अध्यक्ष भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद पर काबिज हो लेकिन बृजभूषण के विश्वस्त संजय सिंह गुरुवार को हुए चुनाव में विजेता रहे. बृजभूषण को अलग रहने के लिए कहा गया था और महासंघ के रोजमर्रा के काम संभालने के लिए एक तदर्थ समिति गठित की गयी थी जिससे 2023 में राष्ट्रीय शिविर और राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित नहीं हो पायी. इससे कई पहलवान प्रभावित हुए क्योंकि नौकरी के आवेदन के लिये राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते गये पदक और भाग लेने का प्रमाण पत्र जरूरी होता है. सैकड़ो पहलवानों पर इसका असर पड़ा क्योंकि इनमें से कईयों ने जूनियर वर्ग में पिछले साल पदक जीते थे.

पिछले 11 महीनों में कुश्ती लगभग रुक सा गया था : जगदीश

रोहतक में मशहूर छोटू राम स्टेडियम के एक कोच जगदीश ढांडा ने कहा कि पिछले 11 महीनों में कुश्ती खेल लगभग रूक सा ही गया था. अच्छा है कि नयी संस्था के गठन के तुरंत बाद ही गतिविधियां शुरू हो गयी हैं. अब राष्ट्रीय शिविर कराये जायेंगे और प्रतियोगितायें आयोजित होंगी. आप पिछले 11 महीने के नुकसान का अंदाजा नहीं लगा पाओगे. यह पूछने पर कि बृजभूषण के नये प्रमुख के जरिये महासंघ पर नियंत्रण बनाये रखने से उनके स्टेडियम में पहलवानों की कैसी प्रतिक्रिया थी तो ढांडा ने कहा कि पहलवान तटस्थ हैं. ढांडा ने कहा कि वास्तव में कोई भी इसकी चर्चा नहीं कर रहा. यह साफ था कि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट बस खुद के लिये काम कर रहे थे. वे खुद को ट्रायल से बचाना चाहते थे. शुरू में किसी को समझ नहीं आया लेकिन बाद में जब उन्होंने एशियाई खेलों के ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लिया और पंचायत को कही गयी अपनी बात का सम्मान नहीं किया तो लोगों ने उन पर भरोसा करना बंद कर दिया.

अंडर-15 व अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिता की हुई घोषणा

नवनिर्वाचित इकाई ने तदर्थ समिति के सभी फैसलों को रद्द कर दिया है. अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिता की घोषणा कर दी गयी है जो दिसंबर के अंतिम हफ्ते में गोंडा में होगी. आम सालाना बैठक 11 या 12 जनवरी को दिल्ली में होगी.

दुर्भाग्य है कि तीसरे नंबर पर सैमसन को मौका नहीं दे सका : केएल राहुल

भाषा । पार्ल

भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि टीम में प्रमुख स्थानों पर दिग्गजों के रहने से संजू सैमसन के लिये जगह बनाना मुश्किल हो रहा था लेकिन उन्होंने खुशी जताई कि मौका मिलने पर सैमसन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में तीसरे नंबर पर उतरे सैमसन ने पहला वनडे शतक जड़ा जिसके दम पर भारत ने 78 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला अपने नाम की. राहुल ने मैच के बाद कहा कि मैं संजू के लिये खुश हूं. उसने इतने साल आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है. दुर्भाग्य की बात है कि हम उसे तीसरे नंबर पर मौका नहीं दे पा रहे. इस क्रम पर हमारे पास वनडे में दिग्गज खिलाड़ी हैं. लेकिन मुझे खुशी है कि यहां उसने मौके को भुनाया.

सैमसन के 108 और तिलक वर्मा के 52 रन की मदद से भारत ने आठ विकेट पर 296 रन बनाये. जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.5 ओवर में 218 रन पर आउट हो गई. पहले मैच में लक्ष्य छोटा होने से सैमसन को मौका नहीं मिला जबकि दूसरे मैच में पांचवें नंबर पर उतरकर उन्होंने 12 रन बनाये. आखिरी मैच में विराट कोहली की गैर मौजूदगी में उन्होंने तीसरे नंबर पर उतरकर शतक लगाया. राहुल ने कहा कि अब टीम का फोकस सेंचुरियन में 26 दिसंबर से शुरू हो रह दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर है.

कुछ महीने चुनौतीपूर्ण थे, शुक्र है शतक बना सका : संजू

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि पिछले तीन चार महीने उनके लिये मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थे लेकिन उन्होंने खुद पर काफी मेहनत की और पहला वनडे शतक बनाकर वापसी कर सके. भारत में इस साल हुए वनडे विश्व कप के लिये सैमसन टीम में जगह नहीं बना सके थे क्योंकि चयनकर्ताओं ने ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को तरजीह दी. संजू ने तीसरे वनडे में 78 रन से मिली जीत के बाद कहा कि पिछले तीन चार महीने मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थे.

किसानों का हल्ला बोल

भारतीय किसान परिषद के किसानों ने शुक्रवार को नोएडा में यूपी सरकार और नोएडा विकास प्राधिकरण (एनडीए) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया.

आओ जानें

सबसे शक्तिशाली 10 देश

देश	पॉवर इंडेक्स वैल्यू	देश	पॉवर इंडेक्स वैल्यू
अमेरिका	0.0712	दक्षिण कोरिया	0.1505
रूस	0.0714	पाकिस्तान	0.1694
चीन	0.0722	जापान	0.1711
भारत	0.1025	फ्रांस	0.1848
ब्रिटेन	0.1435	इटली	0.1973

सांसदों के सदन से निष्कासन के खिलाफ विपक्ष ने देशभर में किया प्रदर्शन

लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच : राहुल

एजेंसी । नयी दिल्ली

संसद की सुरक्षा में चूक के मामले को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा करने वाले सांसदों के सदन से निष्कासन के खिलाफ विपक्ष ने देशभर में प्रदर्शन किया. कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के नेताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया. विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई प्रमुख नेता शामिल रहे. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि संसद के हालिया शीतकालीन सत्र में विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करके न सिर्फ उनका अपमान किया गया, बल्कि देश की 60 प्रतिशत जनता का मुंह बंद कर दिया गया. राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच है तथा भारतीय जनता पार्टी जितनी नफरत फैलायेगी, आईएनडीआईए गठबंधन उतनी ही मोहब्बत, भाईचारा और एकता फैलायेगा.

राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में दो युवकों का कूदना सुरक्षा में चूक जरूर है, लेकिन इसका कारण बेरोजगारी है. कहा कि संसद के अंदर ये गैस स्प्रे ला सकते हैं तो संसद में कुछ भी ला सकते हैं. राहुल ने कहा, सवाल है कि इन युवाओं ने संसद में घुसपैठ क्यों की? उन्होंने कहा, उसकी वजह है बेरोजगारी. आज देश के युवा के रोजगार नहीं मिल पा रहा है. देश में भयंकर बेरोजगारी है.

जब संसद में घुसपैठ हुई, बीजेपी सांसद भाग खड़े हुए : राहुल ने संसद की सुरक्षा में चूक और वीडियो शूट जैसे मुद्दों पर भी केंद्र सरकार को घेरा. कहा कि जब संसद में घुसपैठ हुई, बीजेपी सांसद भाग खड़े हुए.

...तो मेरे जैसे दलित की हालत क्या होगी : खड़गे

राहुल ने कहा कि मैंने सर्वे कराया, तो पता चला कि जो हिंदुस्तान के युवा हैं, जिन्होंने सेलफोन पकड़ रखा है, दिन में कितने घंटे सोशल मीडिया पर रहते हैं. मैंने सर्वे कराया. मैं हैरान हो गया. साढ़े 7 घंटे युवा फेसबुक पर, इंस्टाग्राम पर, ट्विटर पर यानी अपने फोन पर लगे रहते हैं. मोदी की सरकार में साढ़े 7 घंटे युवा फोन पर बैठा है क्योंकि मोदी जी ने उसको रोजगार नहीं दिया. उससे रोजगार छीन लिया. मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संविधान के उच्च पद पर बैठने वाले लोग कहते हैं कि मेरी जाति के कारण मेरा अपमान किया जा रहा है. अगर आपकी हालत यही है तो मेरे जैसे दलित की हालत क्या होगी. गौरव गोगोई ने कहा कि अगर मोदी सरकार सोचती है कि सांसदों को निलंबित कर हमें डरा या झुका सकती है तो आईएनडीआईए गठबंधन न डरा है-न झुका है.

सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या है : सिद्धरमैया

मैसुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा से 146 सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या है और यह तानाशाही प्रवृत्ति दर्शाता है. कांग्रेस ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर केंद्र से जवाब मांगने पर सांसदों के निलंबन के विरोध में बेंगलुरु में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया. मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्यों को संसद से दूर रखकर महत्वपूर्ण कानून पारित किए गए. सिद्धरमैया ने कहा कि लोकतंत्र कहां है? लोकतंत्र में सरकार को विपक्षी दलों को सुनना चाहिए. वह यह नहीं कह सकती कि उनकी बात नहीं सुनेगी. जनता ने चुने हुए प्रतिनिधियों को जनादेश दिया है, चाहे वह लोकसभा में हो या विधानसभा में. अध्यक्ष या अन्य किसी के पास इसे छीनने की शक्ति नहीं है. उन्होंने कहा कि एक बार में इतने सारे सदस्यों को निलंबित करने का कोई उदाहरण इतिहास में नहीं मिलता, यह पहली बार है. यह लोकतंत्र की हत्या है. वे लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं कर रहे हैं. ये तानाशाही प्रवृत्ति है. वे सभी को दूर रखकर कानूनों में संशोधन कर रहे हैं और विधेयक पारित कर रहे हैं.

पुरखों के सहेजे अपने लोकतंत्र पर आंच नहीं आने देंगे : कांग्रेस

लखनऊ । संसद के हालिया शीतकालीन सत्र में विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करने के विरोध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में उप्र जोड़ो यात्रा निकाल रहे पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुजफ्फरनगर में काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन किया और कहा कि तानाशाह चाहे जितने षड्यंत्र कर ले, मगर, हम पुरखों के सहेजे अपने लोकतंत्र पर कोई आंच नहीं देंगे. आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज करते हुए कांग्रेस ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' की तर्ज पर 'उप्र जोड़ो यात्रा' बुधवार को

सहारनपुर जिले से शुरु की. यह यात्रा शुक्रवार को मुजफ्फरनगर पहुंची. 'उप्र जोड़ो यात्रा' में शामिल कांग्रेस के अनुषांगिक संगठन 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष कैप्टन बंशीधर मिश्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'उप्र जोड़ो यात्रा' में शामिल कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर देश की जनता की आवाज बंद करने के विरोध में काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन किया.

देश के लिए बुरा दौर : इम्तियाज

श्रीनगर । कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर में मौलाना आजाद रोड स्थित पार्टी मुख्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए और सांसदों के निलंबन के खिलाफ प्रदर्शन किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सांसदों के निलंबन के खिलाफ नारेबाजी की और निलंबन को लोकतंत्र की हत्या बताया. प्रदर्शनकारियों ने सिटी सेंटर की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और वापस पार्टी मुख्यालय परिसर की ओर भेज दिया. कांग्रेस के जिला अध्यक्ष इम्तियाज खान ने पत्रकारों से कहा कि यह देश के लिए बुरा दौर है. उन्होंने सांसदों के निलंबन की निंदा की. खान ने कहा कि जिन सांसदों को निलंबित किया गया है उन्हें लाखों लोगों ने चुना है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नहीं. जब भी हम संसद में बोलने की कोशिश करते हैं तो वे निलंबन आदेश पारित कर देते हैं.

'सभी मांग सही, बावजूद निलंबित कर दिये गये सांसद'

पणजी । गोवा में विपक्षी दलों ने प्रदर्शन किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तानाशाह की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया. यह विरोध प्रदर्शन यहां आजाद मैदान में किया गया. हाल ही में संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा के 100 और राज्य सभा के 46 सांसदों को कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने और 13 दिसंबर के संसद के सुरक्षा उल्लंघन मामले को लेकर सदन में तख्तियां दिखाने और नारे लगाने के लिए निलंबित कर दिया गया था. हालांकि, इस दौरान विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सुरक्षा चूक मामले को लेकर बयान की मांग करता रहा. गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर, विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित पालेकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जोस फिलिप डिसूजा, शिव सेना के प्रदेश अध्यक्ष जितेश कामत और तृणमूल कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तनोज अडवालकर ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया. इस दौरान कांग्रेस विधायक कार्लोस अल्वारेस फरेरा और अल्टोन डीकोस्टा भी मौजूद थे. विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों को संबोधित करते हुए पाटकर ने कहा कि सांसदों को सही मांग करने के बावजूद निलंबित कर दिया गया. उन्होंने कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सभी साथी विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए हैं.

केंद्र सरकार के कर्मियों के बराबर डीए की मांग को लेकर प्रदर्शन

एजेंसी । कोलकाता

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बराबर महंगाई भत्ता जारी करने की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार के कर्मचारियों के एक संगठन ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय ''नबन्ना'' के पास तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन शुरू किया. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों को अगले साल जनवरी से चार प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) देने की घोषणा की थी. कर्मचारी संगठन 'संग्रामी जौथा मंच' के सदस्य हाथों में तख्तियां और पोस्टर लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के पास धरने पर बैठे और उन्होंने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बराबर डीए जारी करने की मांग को लेकर नारे लगाए. संग्रामी जौथा मंच के सदस्यों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सरकार के कर्मचारियों को अतिरिक्त चार प्रतिशत डीए की घोषणा के बाद भी राज्य सरकार और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए के बीच 36 फीसदी अंतर रहेगा.

बाड़मेर के पूर्व कांग्रेस विधायक व आठ अन्य पर दुष्कर्म का आरोप

एजेंसी । जोधपुर

एक महिला ने राजस्थान के बाड़मेर से पूर्व विधायक मेवाराम जैन तथा राजस्थान पुलिस सेवा (आरपीएस) के अधिकारी आनंद सिंह राजपुरोहित समेत नौ लोगों के खिलाफ उसके साथ दुष्कर्म करने तथा उसकी किशोर बेटी के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस में बुधवार को शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने बताया कि जोधपुर के राजीव गांधी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है.

महिला ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसकी एक नबालिग मित्र से भी दुष्कर्म किया और उस पर और लड़कियां लाने का दबाव बनाया. आरोपियों में दो पुलिस अधिकारी - बाड़मेर के थाना प्रभारी गंगाराम खावा और उप निरीक्षक दाउद खान तथा प्रधान गिरधारी सिंह

खास बातें

- किशोर बेटी के साथ छेड़छाड़ करने का भी लगाया आरोप
- जोधपुर के राजीव गांधी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज

सोढ़ा भी शामिल हैं. थाना प्रभारी शकील अहमद ने प्राथमिकी की पुष्टि करते हुए कहा कि जैन और आठ अन्य के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, डराने-धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है.

उन्होंने बताया कि महिला ने आरोप लगाया कि जैन ने 2021 से कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया वहीं जैन से उसे मिलवाने वाला राम स्वरूप नामक व्यक्ति पिछले पांच वर्षों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा है.

ब्रीफ खबरें

उत्तर पश्चिम पेशावर में आतंकवादी हमला

पेशावर । पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने शुक्रवार को एक पुलिस थाने के निर्माण स्थल पर काम कर रहे कम से कम छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने बताया कि घटना दक्षिण वजीरिस्तान के जनजातीय जिले वाना में हुई. उसने बताया कि आतंकवादियों ने उस वक्त मजदूरों पर हमला किया जब वे अपने तंबू में थे.

गाजा के नागरिकों को वीजा देगा कनाडा

ओटावा । कनाडा ने गाजा पट्टी के उन लोगों को अस्थाई वीजा देने की घोषणा की है जिनके रिश्तेदार कनाडा में रहते हैं. कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने बृहस्पतिवार रात इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान नौ जनवरी तक शुरू हो सकता है. आव्रजन मंत्री मिलर ने कहा कि सरकार का ध्यान 660 कनाडाई नागरिकों, स्थाई निवासियों और उनके जीवनसाथियों तथा बच्चों को गाजा से बाहर निकालने पर है.

मुंबई हवाई अड्डे पर 11 सांप किए जब्त

मुंबई । मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक व्यक्ति के पास से 11 सांप बरामद किए. एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है. अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई की मुंबई जोनल इकाई के अधिकारियों ने बुधवार को बैंकॉक से मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचे.

केरल में कोविड-19 के 265 नए मामले, एक मरीज की मौत

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 265 नए मामले सामने आये. वहीं, एक मरीज की संक्रमण से मौत हो गई. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, शुक्रवार सुबह आठ बजे तक देश भर में कोविड-19 के कुल 328 मामले सामने आए जिनमें से 265 मामले केरल से हैं. म त्राल य के मुताबिक राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 2,606 हो गई है. केरल में गत 24 घंटे के दौरान कोविड-19 से एक मरीज की मौत हुई. इसी के साथ बीते तीन वर्षों में कोरोना वायरस संक्रमण से राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72,060 हो गई. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गत 24 घंटे के दौरान 275 मरीज संक्रमण मुक्त हुए या राज्य से बाहर चले गए.

पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के तीन मामले आए

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में छह महीने के एक बच्चे समेत तीन लोग कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं. अधिकारियों ने बताया कि यह अभी पता नहीं चला है कि तीनों कोविड-19 के नये जेएन.1 स्वरूप से ही संक्रमित हुए हैं या नहीं. अधिकारियों के अनुसार, बिहार राज्य के रहने वाले बच्चे का उपचार मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कोलकाता में चल रहा है, वहीं दो अन्य रोगी दो अलग-अलग निजी अस्पतालों में भर्ती हैं.

सिंगापुर में पिछले सप्ताह कोविड-19 के 965 मामले आए

सिंगापुर । सिंगापुर में पिछले सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण के 965 नए मामले सामने आए वहीं उससे पहले के सप्ताह में संक्रमण के मामले 763 थे. इस अवधि में गहन देखभाल इकाईयों (आईसीयू) में भर्ती मरीजों की संख्या 23 से बढ़कर 32 हो गई है. समाचारपत्र 'टुडे' ने अपनी एक खबर में बृहस्पतिवार को बताया कि यह इस साल अस्पताल में भर्ती होने तथा आईसीयू में भर्ती होने वाले कोविड-19 मरीजों की सबसे अधिक संख्या है. अखबार ने विशेषज्ञों के हवाले से बताया कि कोविड-19 के अधिकतर मरीज नए उपस्वरूप जेएन.1 से संक्रमित हैं. सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय और घरेलू आंकड़ों से अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि बीए.2.86 या जेएन.1 से संक्रमण तेजी से फैलता है या इससे लोग अधिक गंभीर रूप से बीमार पड़ते हैं.

छत्तीसगढ़ : साय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई

मंत्रिमंडल का विस्तार, 9 मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को विष्णु देव साय मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया और राजधानी रायपुर स्थित राजभवन में नौ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली. राजभवन में प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने भारतीय जनता पार्टी के नौ विधायकों बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओ पी चौधरी, टंक राम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े को मंत्री पद शपथ दिलाई.

नौ मंत्रियों की नियुक्ति के साथ ही साय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल की संख्या बढ़कर 12 हो गई है. मुख्यमंत्री साय ने बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल के विस्तार की जानकारी दी थी. उन्होंने कहा था कि जल्द ही नए मंत्रियों को विभागों का आवंटन कर दिया जाएगा. मंत्रिमंडल में एक और पद बाद में भरा जाएगा. छत्तीसगढ़ में 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 13 सदस्य हो सकते हैं.

लक्ष्मी राजवाड़े मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला सदस्य

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद इसके 12 में से छह सदस्य- अरुण साव, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओ पी चौधरी, टंक राम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं. वहीं मंत्रिमंडल के तीन अन्य सदस्य-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रामविचार नेताम और केदार कश्यप अनुसूचित जनजाति वर्ग (एसटी) से हैं. राज्य मंत्रिमंडल में अनुसूचित जाति (एससी) से एक सदस्य दयालदास बघेल हैं तथा सामान्य वर्ग से दो सदस्य विजय शर्मा और बृजमोहन अग्रवाल हैं.

प्राग में छात्र ने की गोलीबारी, 14 लोगों की मौत, कई घायल

प्राग । चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में गुरुवार को एक हथियारबंद छात्र ने विश्वविद्यालय में गोलीबारी की, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गयी और 20 से अधिक घायल हो गये. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. प्राग पुलिस प्रमुख मार्टिन वोंद्रासेक ने कहा कि गोलीबारी चार्ल्स विवि के दर्शनशास्त्र विभाग की इमारत में हुई और हमलावर एक छात्र था. हमलावर का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, हमले में वह भी मारा गया. वोंद्रासेक ने शाम के वक्त जानकारी दी थी कि 14 लोगों की मौत हो गयी और 25 घायल हो गये. इससे पहले 15 लोगों के मारे जाने और 24 लोगों के घायल होने की रिपोर्ट थी. अधिकारियों ने कहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. पुलिस ने जेन पलाच चौराहे पर वल्तावा नदी के पास घायल हुए लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है.

यूएसए स्नोहोमिश काउंटी पुलिस ने चोरों को पकड़ने के लिए जनता से मदद मांगी

अमेरिका में भारतीयों के घरों में चोरियों के मामले बढ़े

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिकी राज्य वाशिंगटन में पुलिस ने पिछले दो हफ्तों में राज्य के कुछ हिस्सों में मुख्य रूप से भारतीय अमेरिकी लोगों के घरों को निशाना बनाकर संगठित आवासीय चोरियों में वृद्धि की सूचना दी है. स्थानीय मीडिया में यह जानकारी दी गई. केओएमओ न्यूज चैनल की खबर में बृहस्पतिवार को कहा गया कि स्नोहोमिश काउंटी पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और गैर निगमित बोथेल क्षेत्र में मुख्य रूप से भारतीय अमेरिकी लोगों के घरों को निशाना बनाने वाले चोरों को पकड़ने के लिए जनता से मदद मांगी है. काउंटी की 'रॉबरी एंड बर्गलरी यूनिट' (आरबीयू) ने पिछले दो हफ्तों में आवासीय चोरियों में वृद्धि दर्ज की है, जिनमें मुख्य रूप से 'भारतीय अमेरिकी' पीड़ितों को निशाना बनाया गया है. चोरी की ये वारदातें दिन के उजाले के दौरान हुईं और आरबीयू का मानना है कि संदिग्ध पूरे क्षेत्र में सक्रिय एक बड़े संगठित समूह का हिस्सा हैं.

खास बातें

- दो हफ्तों में आवासीय चोरियों में दर्ज की गई वृद्धि
- संदिग्ध पूरे क्षेत्र में सक्रिय एक बड़े संगठित समूह का हिस्सा

हाल ही में मां बनीं अनु कुछ ही महीनों पहले इलाके में रहने आई थीं. उन्होंने बताया कि मुझे ऐसा लगता था कि जब हम यहां आए थे तब यह पड़ोस बहुत सुरक्षित था, लेकिन अभी ऐसा नहीं लगता है.

अनु के पति राम ने कहा कि हमारे पास एक कुत्ता है, लेकिन मैं खुद की सुरक्षा के लिए एक और कुत्ता, एक रक्षक कुत्ता, लेने के बारे में सोच रहा हूं. उन्होंने केओएमओ न्यूज को बताया कि उन्होंने अब अपने घरेलू सुरक्षा उपाय के तहत काली मिर्च स्प्रे जैसे गैर-घातक हथियारों को रखा है, साथ ही सुरक्षा कैमरे भी लगवाएं हैं जिस पर उन्होंने हजारों डॉलर खर्च किए हैं. राम ने कहा कि चूंकि अधिकांश भारतीय अमेरिकी नागरिक नहीं हैं, इसलिए वे अपने पास हथियार नहीं रख सकते है.

अमेरिका कैलिफोर्निया तूफान

एजेंसी । सांताबारबरा

कैलिफोर्निया के तटीय इलाकों में पहुंचा प्रशांत क्षेत्र से उठा तूफान शुक्रवार को राज्य के दक्षिणपूर्वी इलाकों में दस्तक देने वाला है जिससे सैन डिएगो से मोहावी मरुस्थल और एरिजोना तक फैले क्षेत्रों में बाढ़ आने का खतरा है. राष्ट्रीय मौसम सेवा ने निचले शहरी इलाकों और रेगिस्तानों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है. उसने बताया कि तूफान के कारण 3.8 सेंटीमीटर तक बारिश होने का खतरा है लेकिन कुछ इलाकों में महज एक घंटे में 1.3 सेंटीमीटर से लेकर 2.5 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है जिससे नदी-नालों के उफान पर बहने की आशंका है. बृहस्पतिवार को वाहन चालक लॉस एंजिलिस के उत्तर पश्चिम में जलमग्न सड़कों पर फंस गए. पोर्ट हूनीमी, ऑक्नार्ड और सांता बारबरा शहरों में भारी बारिश हुई जहां एक पुलिसकर्मी को एक महिला को अपने कंधों पर ले जाते हुए देखा गया. महिला की कार घुटनों तक भरे बाढ़ के पानी में डूब गयी थी जिसके बाद उसे पुलिसकर्मी ने बचाया.

भाई को गुर्दा दान करने वाली महिला को दिया ट्रिपल तलाक

एजेंसी । गोंडा

गोंडा जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र में अपने भाई की जान बचाने के लिए गुर्दा दान करने वाली महिला को विदेश में नौकरी कर रहे उसके पति द्वारा तीन तलाक दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है.

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है. सदर क्षेत्र की पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शिल्पा वर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पीड़ित महिला तरन्नुम (42) की तहरीर पर जिले के धानेपुर थाने में उसके पति मोहम्मद रशीद के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है. वर्मा ने बताया कि 25 साल पहले जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र के बौरियाही गांव की निवासी तरन्नुम का निकाह पड़ोसी गांव जैतापुर के निवासी मोहम्मद रशीद के साथ हुआ था. शादी के पांच साल बाद तक तरन्नुम को कोई संतान न होने पर मोहम्मद रशीद ने दूसरी शादी कर ली और खुद कमाने के लिए सऊदी अरब चला गया.

सीओ ने बताया कि मुंबई में रहकर सिलाई का काम करने वाले तरन्नुम के बड़े भाई मोहम्मद शाकिर का गुर्दा खराब था और उसका इलाज मुंबई के जसलोक अस्पताल में चल रहा था. डॉक्टरों ने उसका जीवन बचाने के लिए गुर्दा प्रतिरोपण किए जाने की सलाह दी. इस पर तरन्नुम ने अपने भाई की जान बचाने के लिए सऊदी अरब में अपने पति से बात करके अपना एक गुर्दा भाई को दान कर दिया.

अयोध्या के लिए 30 दिसंबर भी अहम : हजारों करोड़ की विकास योजनाओं की होगी घोषणा

पीएम करेंगे अयोध्या हवाई अड्डे व स्टेशन का लोकार्पण

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

22 जनवरी 2024 अयोध्या के लिए विशेष तारीख है. इस दिन भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने जा रहा है. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. परंतु आगामी 30 दिसंबर भी अयोध्या के लिए अहम होगा, क्योंकि इस दिन अयोध्या अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और अयोध्या रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किया जाएगा. पीएम नरेंद्र मोदी भी इसके लिए अयोध्या पधार रहे हैं. इस दौरान वे यहां के लिए हजारों करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की घोषणा भी करेंगे. उनके कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार पूरी तैयारी में जुटी हुई है. गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी तैयारी का जायजा भी लिया. उन्होंने अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां परखीं. योगी ने 30 दिसंबर के पीएम मोदी के आगमन वाले कार्यक्रम को 22 जनवरी का रिहर्सल बताया.

मृगशिरा नक्षत्र में होगी प्राण-प्रतिष्ठा

22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, जिसका समय दोपहर साढ़े 12 बजे का हो सकता है. 22 जनवरी राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए शुभ मुहूर्त के रूप में मृगशिरा नक्षत्र को लिया गया है. मंदिर के पंडितों के मुताबिक, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मृगशिरा नक्षत्र का समय सबसे ज्यादा शुभ रहेगा. राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी महाराज ने बताया कि 15 जनवरी से 24 जनवरी को अनुष्ठान होगा. इस आयोजन को भव्य बनाने की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं.

सुंदर नक्काशी से सज रहा है अयोध्या का राम मंदिर

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समय जैसे जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे मंदिर सुंदरीकरण का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है. वहीं, अयोध्या की सड़कों को भी सुंदररूपी नक्काशी से सजाया जा रहा है.श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. ये नक्काशी दर्शा रही हैं कि राम मंदिर का प्रथम तल बेहद खूबसूरत बनने जा रहा है. रामराज की तरह सज रही अयोध्या जहां एंट्री करते ही सनातन कल्चर के रंग में श्रद्धालु डूब रहे है. टेराकोटा फाइन क्ले म्यूरल कलाकृतियों से सजेंगी दीवारें इस समय अपने अंतिम स्वरूप में आती दिखाई दे रही हैं. सड़कों के किनारे लग रहे सूर्य स्तंभ भगवान राम के सूर्यवंशी होने के प्रतीक को दर्शाते हैं. जिला प्रशासन के मुताबिक, धर्म पथ के सड़कों के किनारों पर दीवार बन रही है जिस पर रामायण काल के प्रसंगों को दर्शाया जाएगा. दीवारें टेराकोटा फाइन क्ले म्यूरल कलाकृतियों से सजी होंगी जो त्रेतायुग की याद दिलाएगी. वहीं अयोध्या में अब रंग रोगन, साफ सफाई और कलाकृति का काम हर तरफ नजर आता है.

2.7 एकड़ में बन रहा है राम मंदिर

राम जन्मभूमि क्षेत्र में 2.7 एकड़ में राम मंदिर बन रहा है. ये तीन मंजिला होगा और इसकी ऊंचाई 162 फीट होगी. मंदिर परिसर में राम मंदिर के अलावा छह और मंदिर बनाए जा रहे हैं. मंदिर का मुख्य द्वार 'सिंह द्वार' के नाम से जाना जाएगा. सिंह द्वार के जरिए जैसे ही मंदिर में प्रवेश करेंगे, सामने आपको नृत्य मंडप, रंग मंडप और गूढ़ मंडप भी दिखेगा. मंदिर परिसर में सूर्य देवता, भगवान विष्णु और पंचदेव मंदिर भी बन रहा है. प्राण प्रतिष्ठा के बाद जब मंदिर को आम लोगों के लिए खोला जाएगा तो हर दिन डेढ़ लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जतायी जा रही है.

आओ जानें
23 दिसंबर का इतिहास

- 1672 – खगोलविद् जियोवनी कैसिनी ने शनि के उपग्रह 'रिया' की खोज की. 1902 – किसानों के नेता के रूप में लोकप्रिय देश के पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्म हुआ.
- 1914 – प्रथम विश्व युद्ध में आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सेना मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंची.
- 1921 – विश्व-भारती विश्वविद्यालय का उद्घाटन.
- 1922 – बीबीसी रेडियो से दैनिक समाचार प्रसारण शुरू.
- 2000 – पश्चिम बंगाल की राजधानी कलकत्ता का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर कोलकाता किया गया.
- 2008 – साफ्टवेयर कंपनी सत्यम पर विश्व बैंक ने प्रतिबंध लगाया.

रतन टाटा के जन्मदिन पर रिलीज होगा गीत

अब देश में गूंजेगा 'भारत रत्न-3.0'

संवाददाता। जमशेदपुर

देश के लाल व टाटा ग्रुप के अंतरिम चेयरमैन रतन टाटा को चाहने वालों की कमी नहीं है. भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी उनको काफी पसंद किया जाता है. रतन टाटा का जन्मदिन 28 दिसंबर को है. ऐसे में उसे खास बनाने के लिए जमशेदपुर के युवा कलाकारों की ओर से एक विशेष तैयारी की जा रही है. शहर के कलाकारों की ओर से एक वीडियो गीत तैयार किया गया है. इस गीत के माध्यम से रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग की गई है. इस गीत का पोस्टर मंगलवार को सोनारी स्थित उदय स्टुडियो में लांच किया गया. इस मौके पर मुंबई से आये साउथ व हिंदी फिल्मों के कोरियोग्राफर व निर्देशक सुनील मोटवानी और भोजपुरी अभिनेत्री अनुश्री उपस्थित थी. वहीं, इस वीडियो एलबम में झारखंड-बिहार के चर्चित गायक गायक अजीत अमन ने आवाज दी है. वहीं, इसके निर्माता नेहिष सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के चेयरमैन अवनीश श्रीवास्तव हैं. इस वीडियो के निर्माण में आलोक राज सिंह (शिक्षक) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. एलबम के गीत अमित तिवारी ने लिखा है, इसके अलावे सूर्या सिंह हेम्ब्रम, थोर टुडू, आलोक कुमार, उदय मूवीज न विशेष सहयोग किया है. पोस्टर लांच के मौके पर गायक अजीत अमन के साथ निर्देशक मनोज पांडे, उदय साहू, गायक हरि दर्शन सिंह, सुनील मोटवानी, अनुश्री, असीम पोद्दार, आलोक राज सिंह, राजेश तिवारी, आदि उपस्थित थे.

रतन टाटा पर पहले भी बन चुके है दो एलबम

पद्म विभूषण से सम्मानित व देश के महान उद्योगपति रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग कई वर्षों से हो रही है. भारत रत्न की मांग को लेकर जमशेदपुर में दो वीडियो गीत पहले भी रिलीज हो चुका है. इन सभी एलबम में गायक अजीत अमन ने आवाज दी है. वहीं आगामी 28 दिसंबर को रतन टाटा के जन्म दिन पर तीसरे वीडियो गीत रिलीज करने की तैयारी है.

कौन देगा दिव्यांग सुरजी देवी के सवालों का जवाब?

मेदिनीनगर। रामगढ़ प्रखंड के बांसडीह खुर्द पंचायत में पीढ़े गांव के पानीखोंचा टोला में एक शादीशुदा दिव्यांग महिला रहती है. महिला का नाम सुरजी देवी है. वह दोनों पैरों से दिव्यांग है. उस उसके दो-दो छोटे बच्चे हैं. वह जहां भी जाती है तो एक बच्चे को पीठ पर कपड़े में बांधती है और दूसरे को कपड़े में ही बांधकर गर्दन में लटका लेती है. फिर अपने लाचार पैर और हाथ के सहारे चलती है. उसके पति गनौरी परहिया भी दिव्यांग हैं. सुरजी जब मायके में थी तो दिव्यांग पेंशन मिलती थी, लेकिन शादी के बाद उसकी पेंशन बंद हो गयी है. उनके दोनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं. वह जानना चाहती है कि मेरी पेंशन क्यों बंद हुई?

सफलता : बिहार की स्नेहा कुमारी, मुस्कान कुमारी और पंख ने भरी नई उड़ान

लेखकों के लिए पॉकेट नॉवेल्स बना लॉन्चपैड

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

पंख मुस्कान स्नेहा

हाल ही में लेखकों के सफल मीटअप के बाद, पॉकेट एफएम ने बिहार से उभरती प्रतिभाओं को उजागर करते हुए एक दूसरी बैठक की मेजबानी की, जिसमें युवा लेखिका स्नेहा कुमारी, मुस्कान कुमारी और पंख ने एक सपने देखने वालों से लेकर पॉकेट नॉवेल का लेखक बनने तक की प्रेरणादायक यात्राएं साझा कीं. उन्होंने अपनी मनोरम कहानियों को लोकप्रिय ऑडियो सीरीज में बदल दिया. इन तीन युवा प्रतिभाशाली लड़कियों के लिए, पॉकेट एफएम केवल एक मंच नहीं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है. यह आत्म-अभिव्यक्ति और वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है.

स्नेहा कुमारी ने कहा, मैंने कोविड-19 महामारी के दौरान पॉकेट एफएम की खोज की. ये कहानियां मेरे तनाव को दूर करने वाली दवा के रूप में कार्य करने लगीं. एक साल बाद, मैं एक लेखिका के रूप में उनके समुदाय में शामिल हो गई, लेकिन इसे अपने परिवार के लिए गुप्त रखा. शुरुआत में कुछ दिक्कतें आने के बावजूद आगे चीजें बेहतर होती गईं और उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रियाओं ने मेरे आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया. इस सफलता के साथ मैंने अपने परिवार के साथ अपने इस जुड़ाव का खुलासा किया और उस गर्व ने इसे एक अनमोल क्षण बना दिया.

मुस्कान कुमारी ने बताया, कॉलेज के पहले वर्ष के दौरान मेरी बड़ी बहन ने मुझे पॉकेट एफएम से परिचित कराया. मैं तुरंत इसकी ओर आकर्षित हो गयी. लेखन कभी भी मेरे रडार पर नहीं था, लेकिन पॉकेट एफएम पर ऑडियो सीरीज ने रचनात्मक क्षेत्र में एक नयी रुचि को प्रेरित किया. पॉकेट एफएम मेरे लिए एक मंच से कहीं बढ़कर है. चूंकि यहीं पर मेरे सपनों को आवाज मिली और धीरे-धीरे यह हकीकत में बदल गई. इसने न केवल मुझे वित्तीय स्थिरता प्रदान की, बल्कि इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे बढ़ने और अपने लिए जगह बनाने का आत्मविश्वास भी दिया.

पंख ने कहा, "पॉकेट एफएम मेरे लिए लेखन में मेरी छिपी हुई प्रतिभा को पूरी तरह से तलाशने, चीजों को समझने के तरीके में सकारात्मक बदलाव लाने और बहुत आवश्यक बात वित्तीय स्थिरता प्रदान करने में उत्प्रेरक बन गया. मैं पॉकेट एफएम टीम और अपने सहयोगी परिवार का उनके प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे आज इस मुकाम पर खड़ा किया है. मैं पूरे दिल से अपने साथी लेखकों, श्रोताओं और रचनात्मक यात्रा पर निकले साथियों को इस मंच से जुड़ने की सलाह देता हूं, क्योंकि यह मेरे व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में एक परिवर्तनकारी और अमूल्य कदम साबित हुआ है.पॉकेट एफएम ने एक ऐसा मंच स्थापित किया है, जो देश के हर कोने से प्रतिभाओं की खोज करने और उन्हें बढ़ावा देने, पॉकेट नॉवेल के माध्यम से लेखकों को उनके सपनों को हकीकत में बदलने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है.

खास बातें

- लेखक अब अपनी कहानियों को ऑडियो सीरीज में बदल रहे हैं
- वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच है पॉकेट एफएम

कॅरियर-काउंसिलिंग

फाइन आर्ट के माध्यम से युवा व्यक्त कर सकते हैं अपनी सोच, बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

फाइन आर्ट्स कोर्स आर्ट्स के विविध दृश्य रूपों जैसे फोटोग्राफी, नाटक, पेंटिंग, मूर्तियां, वास्तुकला, थिएटर आदि के निर्माण का अध्ययन है. फाइन आर्ट में कॅरियर चुनने का मुख्य कारण यह है कि आर्ट एक ऐसा माध्यम है, जिससे आप जो सोचते हैं उसे व्यक्त कर सकते हैं. एक खाली कैनवास पर आप अपनी सोच का अच्छे से वर्णन कर सकते हैं. आजकल, आर्ट पारंपरिक कला तकनीकों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न शैलियों जैसे कांच पर आर्ट, कपड़े, मिट्टी के बर्तनों आदि तक फैल गई है. आर्ट क्षेत्र में 3डी आर्ट्स और एनिमेशन जैसी टेक्नोलॉजी के आने से आर्ट को एक अच्छे कॅरियर विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है. आर्ट में एक रोमांचक कॅरियर बनाने के लिए दुनिया भर में हजारों छात्र पेशेवर और डिग्री प्रोग्राम, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का चयन कर रहे हैं.

फाइन आर्ट्स के लिए आवश्यक स्किल्स

- फाइन आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए आपके पास रंगों, स्वरों और हाइलाइट्स के ज्ञान को लागू करने के लिए जैसी स्किल्स होनी चाहिए.
- फाइन आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए आपको उच्च स्तर पर काम करने में सक्षम होना चाहिए. एक टीम में हो या अकेले, उसे ईमानदारी से अपना कार्य पूरा करना आना चाहिए.
- फाइन आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए आपका प्रॉफेशनल और विनम्र होना जरूरी है, मौखिक और लिखित निर्देशों को समझें और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें.
- फाइन आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए आपको विभिन्न रंगों और उन्हें मिलाने में मदद करने वाली विधियों से अच्छी तरह से वाकिफ होना जरूरी है.
- फाइन आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए आपके पास अपना काम प्रस्तुत करने के लिए अच्छा संचार और भाषा कौशल होना चाहिए.

विदेशी विश्वविद्यालय

- प्रैट इंस्टिट्यूट, न्यूयॉर्क
- रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन
- स्कूल ऑफ द आर्ट इंस्टिट्यूट, शिकागो
- स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स, न्यूयॉर्क
- ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट्स
- आल्टो विश्वविद्यालय
- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी
- विलियंस कॉलेज
- आर्ट्स विश्वविद्यालय अकादमी
- मैसाचुसेट्स कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन
- एप्लाइड आर्ट्स विश्वविद्यालय

कॅरियर स्कोप

- एनिमेटर
- कार्टूनिस्ट
- ग्राफिक डिजाइनर
- 3डी विज़ुअलाइजर
- फोटोग्राफर
- क्रिएटिव डायरेक्टर
- आर्टिस्ट
- डिजाइन ट्रेनर

फाइन आर्ट्स कोर्सेज

- बीए इन प्लानिंग एंड ड्राइंग
- बीए प्लानिंग
- बीएफए प्लानिंग
- बीएफए एप्लाइड आर्ट्स
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग
- बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स
- बैचलर इन आर्ट्स ऑफ थिएटर एंड परफॉर्मिंग स्टडीज
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स इन ग्राफिक डिजाइनिंग
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स इन डिजाइनिंग कम्युनिकेशन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ इंटीरियर डिजाइनिंग
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग- इंटीरियर एनवायरमेंटल डिजाइनिंग
- बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर आर्किटेक्चर
- बैचलर ऑफ डिजाइनिंग इनोवेशन
- बैचलर इन आर्ट्स ऑफ विजुअल कम्युनिकेशन
- मास्टर इन फाइन आर्ट्स इन फिल्म एंड टेलीविजन
- मास्टर इन फाइन आर्ट्स
- मास्टर ऑफ डिजाइनिंग इन इंटीरियर डिजाइनिंग
- मास्टर इन आर्ट्स
- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स इन फोटोग्राफी
- एमए विजुअल आर्ट्स
- एमए इन प्लानिंग
- एमए फाइन आर्ट प्लानिंग
- एमएफए फाइन आर्ट

भारतीय विश्वविद्यालय

- कला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- दृश्य कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय
- चामराजेंद्र एकेडमी ऑफ विजुअल आर्ट्स, मैसूर विश्वविद्यालय
- कला भवन, विश्व भारती विश्वविद्यालय
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
- जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना
- रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता
- सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई
- हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

भारतीय विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन करने के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

एंट्रेंस एग्जाम

फाइन आर्ट्स कोर्स जानने के साथ-साथ प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है. आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए के लिए एडमिशन आमतौर पर दो तरीकों से हो सकती है – मेरिट और प्रवेश परीक्षा के आधार पर. हर यूनिवर्सिटी में प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है-

- **मेरिट के आधार पर** : कुछ यूनिवर्सिटी में आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए के लिए एडमिशन मेरिट पर आधारित होता है. इसमें यूनिवर्सिटी या कॉलेज में योग्यता और कट ऑफ को पूरा करने वाले आवेदकों को प्रोविजनल प्रवेश की पेशकश की जाती है.
- **प्रवेश परीक्षा के आधार पर** : आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए कोर्स में छात्रों को प्रवेश देने के लिए कई कॉलेज और विश्विद्यालयों द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती हैं. प्रवेश प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है, जिसमें इन प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के बाद काउंसलिंग राउंड शामिल हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)